केनरा बैंक की
द्विमासिक गृह पत्रिका
जून 2024 – जुलाई 2024 । 295

श्रेयस Shreyas

Canara Bank's
Bimonthly House Magazine
June 2024 - July 2024 I 295

एच आर ट्रान्सफॉरमेशन – आगे की राह
HR Transformation - The Way Forward

Project Aarohan - From the ED's Desk - Pg 8

गुजरात – एक खोज
EXPLORE GUJARAT

स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी – Pg 61

अंगदान
दयालुता का अंतिम कार्य – Pg 50

यात्रा वृत्तांत
द्वारका एवं सोमनाथ – Pg 11

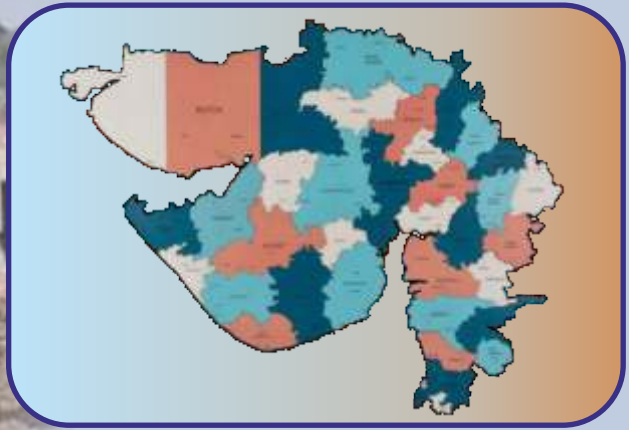

और जानने के लिए स्कैन करें
Scan to know more

श्री के सत्यनारायण राजु, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, 10.07.2024 को नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 1838 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपते हुए। चित्र में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव डॉ. प्रशांत कुमार गोयल, कार्यकारी निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी, श्री अशोक चंद्र, श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया और श्री भवेन्द्र कुमार तथा दिल्ली अंचल के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार सिंह नजर आ रहें हैं।

Sri K Satyanarayana Raju, MD & CEO, handing over a dividend cheque of ₹1838 Crore for the FY 2023-24 to the Hon'ble Union FM, Smt Nirmala Sitharaman in New Delhi on 10.7.2024. Dr. Prashant Kumar Goyal, Joint Secretary, Ministry of Finance, GoI, EDs Sri Debashish Mukherjee, Sri Ashok Chandra, Sri Hardeep Singh Ahluwalia, Sri Bhavendra Kumar, and Sri Rajesh Kumar Singh, CGM, Delhi also seen in the picture.

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री के सत्यनारायण राजु 07 और 08 जुलाई 2024 को बेंगलूरु में आयोजित बिजनेस स्ट्रैटेजी मीट में प्रेरक वक्ता श्री सिमरजीत सिंह का स्वागत करते हुए। चित्र में कार्यकारी निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी, श्री अशोक चंद्रा, श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया और श्री भवेन्द्र कुमार नजर आ रहे हैं।

MD & CEO Sri K Satyanarayana Raju welcoming Sri Simerjeet Singh, motivational speaker at Business Strategy Meet held in Bengaluru on 7th and 8th July 2024. EDs Sri Debashish Mukherjee, Sri Ashok Chandra, Sri Hardeep Singh Ahluwalia and Sri Bhavendra Kumar are also seen in the picture.

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुश्यमेत स्तौ संपरीत्य विविनक्ति धीर://
(कठोपनिषद् II - 2)
Both good and pleasant approach us:
The wise on examining choose the good. (Kathopanishad II - 2)

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

श्रेयस – SHREYAS

SINCE 1974

केनरा बैंक की द्विमासिक गृह-पत्रिका
Bimonthly House Magazine of Canara Bank
जून 2024 – जुलाई 2024 । 295 / June 2024 - July 2024 | 295

ADVISORY COMMITTEE

K Satyanarayana Raju
Ashok Chandra
S K Majumdar
D Surendran
T K Venugopal
Ipsita Pradhan
E Ramesh
Someshwara Rao Yamajala
Priyadarshini R
Manish Abhimaniyu Chaurasia

EDITOR
Priyadarshini R

ASST. EDITORS
Winnie Panicker

सह संपादक (हिंदी)
मनीष अभिमन्यू चौरसिया

Edited & Published by
Priyadarshini R
Senior Manager
House Magazine & Library Section
HR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.
Ph : 080-2223 3480
E-mail : hohml@canarabank.com
for and on behalf of Canara Bank

Design & Print by
Blustream Printing India (P). Ltd.
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.

ABCI Member

CONTENTS

2 प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
4 संपादकीय / Editorial
5 New CGM's and New GM's Messages
8 Aarohan - From the ED's Desk
10 HR Transformation – The Way Forward - Dhanya Palani Yadav
11 द्वारका और सोमनाथ की यात्रा – अमित कुमार
15 HR Transformation in the Age of AI - Sreekuttan S
17 बातें – स्वीटी राज
20 Econ speak - Ipsita Pradhan
23 Standing Tall, Shaping futures - Learning & Development Vertical, HR Wing
26 Fun corner (Crossword) - S Devanarayanan
28 Cartoon
29 किस्सा है चौबे जी का – गौरव जोशी
32 Gratitude - T. Vineetha
33 उम्मीदें – प्रमोद रंजन
34 Gujarat - Where Heritage meets Progress-AMUL - Mousumi Mohanty
36 बचत के सुक्त – बी.के. उप्रेती
37 गुजरात – अनमोल धरोहर – अंशु चौधरी
38 Business Strategy Meet, HO, Bengaluru
40 Circle News / अंचल समाचार
49 Baby's Corner
50 अंगदान – दयालुता का अंतिम कार्य – कुमार प्रेमा नंद
52 Khaman Dhokla: The Signature dish of Gujarat - Alpana Sharma
54 Wisdom capsule
55 HRSTT0084 : Case of Privacy Breach - Rochak Dixit
57 सबका प्रबंधन, मानव संसाधन – मोनालिसा पंवार
58 Defying the Destiny - Pradeep Tandon
61 स्टैच्यू ऑफ यूनिटी – धीरज जुनेजा
65 Sports
66 घड़ा – मोहम्मद जुहैब
67 The Journey of Uncountable Steps - Nirnjhara Nir
68 मैं नदी यह मेरी कहानी – रोहित कुमार
69 The Black Shadow - Balasubramaniam
70 Rann of Kutch – Beauty beyond imagination - Banya Harpal
71 Homage
72 कोशिश है ....!! – राखी भार्गव
73 Father`s Love - Gournika Malhotra
74 Health Corner
75 Recipe Corner - Gujarati Khichdi and Kadhi - Sowmya S
76 Book Review

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश

MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

तीव्र गति से बदल रहे तकनीकी के दौर में ग्राहकों की अपेक्षाएँ भी बदल रही हैं, इसी परिपेक्ष्य में बैंकिंग भी गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। राष्ट्र की सेवा, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और आर्थिक कल्याण में योगदान देने की गौरवपूर्ण विरासत हमारे बैंक का रहा है। जैसे–जैसे वित्तीय क्षेत्र गतिशील होता जा रहा है वैसे–वैसे हमें भी विकसित होना चाहिए। हमारे मानव संसाधन का ट्रांस्फॉरमेशन केवल सामरिक पहल नहीं है बल्कि हमारी निरंतर सफलता के लिए एक आवश्यकता भी है यही कारण है कि एचआर ट्रांस्फॉरमेशन हमारे संस्थान के लिए महत्वपूर्ण और समयानुकूल दोनों ही है।

ईज़ (EASE) सुधारों की शुरुआत के साथ, बैंकिंग क्षेत्र में तकनीकी प्रगति, नियामक बदलाव और बदलती ग्राहक अपेक्षाओं के कारण तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। इस गतिशील माहौल में, हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हमारे कर्मचारी हैं। यह ज़रूरी है कि हम एक चुस्त, नवोन्मेषी और लचीला कार्यबल तैयार करें जो भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहें। एचआर ट्रांस्फॉरमेशन सर्वोत्तम प्रतिभा को आकर्षित करने, उसे बनाए रखने और पोषित करने में हमें सक्षम बनाएगा जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हम अपने बैंकिंग क्षेत्रों / बैंकों के बीच प्रतिस्पर्धी और दूरदर्शी बने रहेंगे।

मानव संसाधन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना हमारे ट्रांस्फॉरमेशन की आधारशिला है। ऑनबोर्डिंग से लेकर कार्यनिष्पादन प्रबंधन और प्रशिक्षण तक, हमारे विशेषज्ञों की टीम जैसे बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और एचआर ट्रांस्फॉरमेशन अनुभाग द्वारा विकसित डिजिटल उपकरण दक्षता बढ़ाएंगे और हमारे कर्मचारियों के लिए एक सहज अनुभव प्रदान करेंगे। ज्ञानार्जन एक सतत प्रक्रिया है और हम विशेषज्ञता प्राप्त क्षेत्रों में अपस्किलिंग और रीस्किलिंग कार्यक्रमों में लगातार निवेश कर रहे हैं ताकि यह

Dear Canarites,

In an era of rapid technological advancements and evolving customer expectations, banking too is undergoing profound transformation. Our bank has a proud legacy of serving the nation, fostering financial inclusion, and contributing to the economic well-being of each one of our customers. However, as the financial sector evolves, so must we. The transformation of our Human Resources is not just a strategic initiative but a necessity for our continued success. This is why Human Resources Transformation is both critical and timely for our institution.

With the onset of EASE reforms, the banking sector is undergoing rapid changes driven by technological advancements, regulatory shifts, and changing customer expectations. In this dynamic environment, our greatest asset is our people. It is imperative that we create an agile, innovative, and resilient workforce ready to meet future challenges. HR transformation will enable us to attract, retain, and nurture the best talent, ensuring that we remain competitive and forward-thinking among our peer banks.

Leveraging technology to streamline HR processes is the cornerstone of our transformation. From onboarding to performance management and training, digital tools developed by our team of experts, including the Boston Consulting Group and our HR Transformation section, will enhance efficiency and provide a seamless experience for our employees. Learning is a continuous process, and we are consistently investing in upskilling and reskilling programs in various areas of specialization to ensure

सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे केनराइट्स नवीनतम कौशल और ज्ञान से लैस हों। हमारा लक्ष्य ज्ञानार्जन, व्यक्ति और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने वाली एक प्रगतिशील संस्कृति का निर्माण करना है। सामरिक सोच, निर्णय लेने और नवाचार कौशल विकसित करने के लिए व्यापक नेतृत्व कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, हमारे समर्पित वेबपेज **"कर्मचारी सुझाव योजना – समृद्धि हेतु विचारों को प्रज्वलित करना"** पर कर्मचारियों की प्रतिक्रियाएं सक्रिय रूप से मांगी जाती हैं और एक समर्थित और समावेशी कार्य वातावरण बनाने के लिए सर्वोत्तम विचारों को इसमें शामिल किया जाता है।

हमारी एचआर ट्रांस्फॉरमेशन यात्रा की सफलता सामूहिक प्रयास और सहयोग पर निर्भर करती है। यह एक साझा ज़िम्मेदारी है जिसके लिए हमारे बैंक के प्रत्येक सदस्य की प्रतिबद्धता आवश्यक है। पहल करने, उस प्रगति की निगरानी करने और अपने सामरिक लक्ष्यों के साथ तालमेल बैठाने के लिए क्रॉस–फ़ंक्शनल टीमें स्थापित करेंगे।

एचआर ट्रांस्फॉरमेशन एक मंज़िल नहीं बल्कि एक सतत यात्रा है। भविष्य के लिए सक्षम कार्यबल बनाने की यह एक यात्रा है जो तेजी से बदलते परिवेश में परिवर्तन, नवाचार और उत्कृष्टता प्राप्त करने की ओर अग्रसर कर सकता है। मुझे विश्वास है कि आपके समर्थन और समर्पण से हम इसमें उल्लेखनीय सफलता हासिल करेंगे।

मैं इस परिवर्तनकारी यात्रा पर साथ चलने के लिए उत्सुक हूं और हमेशा की तरह अपना मंत्र दोहराता हूं – "रहे संग बढ़े संग"

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं !!

मंगल कामनाओं सहित,

आपका,

के. सत्यनारायण राजु
प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

that our Canarites are equipped with the latest skills and knowledge. Our goal is to create a progressive culture of learning, nurturing personal and professional growth. Comprehensive leadership programs are conducted to develop strategic thinking, decision-making, and innovation skills. Employee feedback is actively sought through our dedicated webpage, **"Employee Suggestion Schemes - Igniting Ideas for Growth,"** and the best ideas are incorporated to create a supportive and inclusive work environment.

The success of our HR transformation journey depends on collective effort and collaboration. It is a shared responsibility that requires the commitment of every member of our bank. We will establish cross-functional teams to drive initiatives, monitor progress, and ensure alignment with our strategic goals.

HR transformation is not a destination but a continuous journey. It is about creating a future-ready workforce that can transform, innovate, and excel in a rapidly changing environment. I am confident that, with your support and dedication, we will achieve remarkable success.

I look forward to embarking on this transformative journey together, reiterating our mantra: "Together We Can."

Wish you all the very best

With warm regards,

Yours sincerely

K. Satyanarayana Raju
Managing Director & CEO

संपादकीय

Editorial

प्रिय साथियों,

जैसे हम तेजी से बढ़ रहे तकनीकी उन्नति, उभरते नियामक ढाँचे और ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं के दौर से गुज़र रहे हैं, वैसे इस क्षेत्र में परिवर्तन की आवश्यकता पहले कभी इतनी महत्वपूर्ण नहीं रही। इस परिवर्तन का केन्द्र एचआर ट्रांसफॉर्मेशन है, जो बैंकों को दक्षता, नवाचार और लचीलेपन से परिभाषित भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बाज़ार में प्रतिस्पर्धी और प्रासंगिक बने रहने के लिए, संगठनों को अपनी मानव संसाधन रणनीतियों में सुधार करना होगा, डिजिटलीकरण, कौशल प्रबंधन और कर्मचारी सहभागिता पर नए सिरे से जोर देना होगा और हम इस उभरते ट्रेंड के साथ तालमेल बैठाने में सक्षम हैं। एचआर ट्रांसफॉर्मेशन पर यह विशेष संस्करण हमारे द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति और इसके तहत हमारे द्वारा लॉन्च किए गए हालिया टूल पर गहराई से प्रकाश डालता है। हमारी पत्रिका में हमारे मानव संसाधन विभाग के कार्यकारी निदेशक का एक विशेष कॉलम भी है, जिसमें एचआर ट्रांसफॉर्मेशन और हमारे द्वारा हाल ही में किए गए विकास के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

यह संस्करण हमारे कर्मचारियों के अनुभवों को भी गर्व से दर्शाता है, जिन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभवों से गुजरात राज्य जहां विरासत प्रगति की सूचक है को अपने लेखन में चित्रित किया है। भारत के पश्चिमी तट पर बसा गुजरात, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, उद्यमशीलता की भावना और प्रगतिशील विकास का एक अनूठा उदाहरण है, जो इसे भारत के मुकुट में एक अद्वितीय रत्न के रूप में शोभित करता है। गुजरात राज्य आर्थिक विकास और नवाचार का केंद्र बनकर उभरा है तथा औद्योगिक और अवसंरचना विकास में लगातार देश में अग्रणी बना हुआ है। राज्य की जीवंतता इसके त्यौहारों में प्रतिबिंबित होती है, जैसे नवरात्रि, जहां पूरा राज्य गरबा और डांडिया के लय और ताल के साथ जीवंत हो उठता है। अपने विशिष्ट स्वाद और भांति–भांति के समृद्ध व्यंजन गुजरात की सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण है। विशाल सफेद नमक वाले रेगिस्तान "कच्छ के रण" पर यात्रा वृत्तांत एक अवास्तविक अनुभव प्रदान करता है और जीवन में कम से कम एक बार वहाँ जाने के लिए हमारे अंदर जिज्ञासा पैदा करता है। तो आइए, इस राजसी सौंदर्य की भूमि का भ्रमण करें और अपनी चक्षु और पाक–कला संबंधी इंद्रियों को आनंद प्रदान करें।

मुझे आशा है कि आपको यह विशेषांक पढ़कर आनंद आएगा। हमें आपकी प्रतिक्रियाओं का इंतज़ार रहेगा। कृपया कैनेट में हमारे गृह पत्रिका व पुस्तकालय के वेबपेज पर / या hohml@canarabank.com पर मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया / टिप्पणी दें अथवा 080 – 22233480 पर हमसे संपर्क करें।

अगाध प्रशंसा और कृतज्ञता के साथ

प्रियदर्शिनि आर
संपादक

Dear Colleagues,

As we traverse an era marked by rapid technological advancements, evolving regulatory frameworks, and changing customer expectations, the need for transformation within the sector has never been more so crucial. Central to this transformation is the reinvention of Human Resources (HR), which plays a pivotal role in steering banks toward a future defined by agility, innovation, and resilience. To remain competitive and relevant, organizations must overhaul their HR strategies, placing a renewed emphasis on digitalization, talent management, and employee engagement and we are at par with the emerging trend. This special edition on HR transformation delves into the significant progress we have made and the recent tools which we have launched under HR Transformation. We also have a special column from our Executive Director, HR in which the HR transformation and the recent developments we have made are given in a capsulated form.

This edition also proudly unveils the experiences of our staff who have depicted Gujarat where “Heritage meets progress” from their personal experiences of the state. Nestled on the western coast of India, Gujarat is a mosaic of rich cultural heritage, entrepreneurial spirit, and progressive development, making it a unique gem in the crown of India. The state has emerged as a powerhouse of economic growth and innovation, consistently leading the country in industrial and infrastructural development. The vibrancy of the state is reflected in its festivals, such as Navratri, where the entire state comes alive with the colors and rhythms of Garba and Dandiya. The rich cuisine, with its distinctive flavors and variety, is a testament to Gujarat's cultural diversity. The travelogue on “The Rann of Kutch”, with its vast white salt desert, offers a surreal experience and instils the thought to visit it once in our lifetime. Come let's cruise through the land of majestic beauty and give a feast to our visual and gastronomic senses.

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting our HM&L Webpage in Cannet / or as mail to hohml@canarabank.com / or you can always call us at 080 – 22233480.

With profound admiration and gratitude

Priyadarshini R
Editor

At the outset, I would like to express my sincere gratitude to the Top Management for elevating me to the post of Chief General Manager in our mother bank. I extend my deepest gratitude to the entire Canara Bank family for their unwavering support and encouragement.

My journey of 27 years in the bank has been highly rewarding and enriching. The path I have travelled has been filled with countless learnings, rewarding challenges and invaluable relationships. As I recollect the years gone by in this great institution, I am filled with joy and pride on the countless opportunities that our bank has bestowed upon me for my growth in personal and professional life. I bow with humility and gratitude for all the blessings that has come in my way.

As I embark on this new chapter of my journey, I am driven by an enduring commitment to serve our beloved organisation with renewed zeal and enthusiasm. We shall always remember that coming together is a beginning; keeping together is progress; working together is Success. Finally, I whole heartedly dedicate to contribute my best towards our beloved organisation and request each and every canarite to remain focused, resilient and rise upto the occasion to make our Bank the Best Bank in the industry.

I thank once again for all the trust and support extended to me and invite everyone to embark together on this exciting journey towards a future full of limitless opportunities to serve the society & nation.

Together We Can, and Together We Will...

Rajesh Kumar Singh
Chief General Manager

Indeed it is a matter of great satisfaction and a moment of pride for me to have been elevated to the post of General Manager in our great institution. I am deeply honored by this elevation. With 34 years of dedicated service in various capacities within the bank, I have consistently strived to exceed performance expectations and foster a culture of excellence. Throughout my career with Canara Bank, I have strived to uphold the values and mission of our esteemed institution. This new role provides me with an even greater opportunity to contribute to the bank's growth and success.

This elevation is not just a personal milestone but also a testament to the collective efforts of the team and the supportive environment fostered here at our Bank. I have always prioritized mentoring my colleagues and facilitating their professional growth, ensuring that we collectively achieve our objectives as well as those of the bank. I have strived to uphold the values of 5 Ps i.e. People, Product, Process, Procedure and Potentials and continued to work diligently with 4 Cs i.e. Cleanliness (In/Out), Compliance, Colleagues & Customers. Given the responsibilities and challenges that accompany the role of General Manager, I am confident in my ability to drive strategic initiatives, enhance customer engagement, and lead our teams to achieve our ambitious goals.

I am committed to giving my best and to ensuring that we achieve excellence together.

With warm regards,

I Panduranga Mithanthaya
General Manager

It is with a deep sense of gratitude to the Top Management, my colleagues and family that I acknowledge my promotion as General Manager. My journey in the Bank has been a learning experience and I re-dedicate myself to serve the Bank with sincerity and pride.

The present business scenario demands good customer service driven by competent & knowledgeable workforce, latest technology platforms and competitive marketing. To achieve this, the Management has evolved diverse policies, strategies and projects. We have to focus to this end and work smarter. At the same time, let us develop work ethics and make integrity our dictum.

Evolving technology has made banking exciting and the days ahead will surely be lively to the discerning. Let us all make best use of the various business enablers available at our fingertips, to ensure inclusive growth and to increase quality business with special attention to CASA, RAM, Slippage Management and Recovery.

I wish all Canarites all the very best in life.

Thank you.

S. Anil Kumar Nair
General Manager

At the outset, I would like to express my sincere gratitude to the Top Management for elevating me to the cadre of General Manager. I started my career as a Probationary officer in the year 1997 from a Rural Branch Malampuzha in Kerala. Thereafter, Bank has given me an opportunity to work in different localities which enriched my knowledge & exposure. Team work, dedication, sharing of responsibility with exemplary customer service and strong work ethics help to achieve our set goals. I recollect my 27 years of journey in the Bank & extend my sincere thanks to all my seniors and colleagues for the guidance and consistent support extended to me over the years which helped me in achieving this milestone.

I had opportunity to work in manual environment initially and have experienced a great change under technology front which led us towards ease of doing business and earning more profit. We have witnessed significant global changes in the past few years. Despite this our Bank has evolved as one of the best Banks in the country and achieved a landmark business of 23.10 lakh crore in June 2024. At this juncture it is important to improve our CASA and sustainable growth under RAM as well as Gold portfolio.

Bank vision is to become the **'Best Bank to Bank with'** by offering the best in class customer service to our valued customers. Let the essence of the Karma philosophy as imparted by Lord Shree Krishna through his profound teaching in Shrimad Bhagwat Gita be our guiding factor in all walks of our professional as well as personal life. The Lord says **Believe in yourself and do your Karma (ACTION) success will follow you automatically.**

I wish you all good health, happiness and success in FY 2024-25 and beyond.

With warm regards,

Sujit Kumar Sahoo
General Manager

I'm thankful to the Top Management for elevating me to the role of General Manager in our Mother Bank. I'm grateful to all my superiors, predecessors and well-wishers for their continued guidance and support to be on the right track throughout the journey. With a clear mission and vision, our Great Founder Sri Ammembal Subbarao Pai has paved the foundation of our Great Organization. During the last 119 years, in all the situations, all employees are enlightened by the strong founding principles and are marching on the way of nation building. It always amplifies their morale and boosts their momentum.

My journey of two and half decades in the Bank was happening and eventful. Our Bank has helped me to transform from a common man to a capable banker by providing opportunities to enhance knowledge, accept responsibilities, face challenges and to showcase my talents and qualities. My placements pan India helped me to blend with the varied culture of the country and understand the pulse of common man across the country.

In the recent days we have witnessed drastic changes in the financial sector of the country and our bank is stepping forward to achieve the status of the 'most preferred bank in the country'. I'm on the forefront to unleash my maximum to achieve the same. Our Bank is well ahead in comparison with our peers. But in the competitive scenario, we have to run an extra mile to retain that coveted position. I solicit the support of all Canarites to continue to work with utmost sincerity and dedication towards their work and to keep up the momentum in providing excellent customer service. I'm sure that, with the dedicated efforts of our committed workforce, our bank will definitely be Numero-Uno in the days to come.

TOGETHER WE CAN, AND TOGETHER WE WILL...

Pradeep K S
General Manager

I would like to express my sincere gratitude to the Top Management for having reposed confidence in me and elevate me to the cadre of General Manager. I recollect my last 24 years journey in the bank & I extend my sincere thanks to all my seniors and colleagues for the guidance and consistent support extended to me over the years which helped me achieving this milestone.

Bank has given me an opportunity to work in different geographies of the country which enriched my Knowledge & exposure. I always believe that team work, dedication, delegation of authority & sharing of responsibility coupled with good customer service, public relation and strong work ethics help us to achieve our various goals.

We have witnessed significant global challenges in the past few years. Despite this our Bank has evolved as one of the best Banks in the country and crossed a landmark business of ₹23 Trillion in June'2024. The credit goes to each and every Canarite for setting a wonderful example of dedication, professionalism and responsibility. At this crucial juncture, it is important that we remain positive and continue striving towards our objective of improving CASA as well as sustainable growth under RAM alongwith stress asset management by more NPA recovery & upgradation and containing slippages. We shall always remember that coming together is a beginning; keeping together is progress; working together is Success. Finally, I rededicate myself to contribute best towards our beloved organization and request each and every Canarite to remain focused, resilient and rise upto the occasion to make our Bank the **"Best Bank to Bank with" and "Best Bank to Work with"**.

Barun Singh Thakur
General Manager

AAROHAN
BEYOND HR – UNLEASH YOUR TRUE POTENTIAL

Transforming HR with Project Aarohan : A Strategic Leap Forward

– Sri Ashok Chandra, Executive Director

In the dynamic landscape of business, the importance of effective Human Resource Management cannot be overstated. Recognizing this, our bank has embarked on a groundbreaking initiative named Project Aarohan. This ambitious three-year project aims to reimagine and redesign HR functions, aligning them more closely with the Bank's strategic goals and objectives. This process, optimizes administrative tasks, and automate manual procedures besides creating transparency in the system. Project Aarohan seeks to enhance the overall employee experience, operational efficiency and performance excellence.

The Vision Behind Project Aarohan :

Project Aarohan is designed to transform the HR Systems by integrating best-in-class models and tools, developed with the assistance of an authorized partner. In its first year, the project will focus on the design and development of eight critical tools and frameworks that will lay the foundation for this transformation. These tools are intended to address various aspects of HR management, ensuring a holistic improvement in our HR operations.

Key Tools and Frameworks :

Role Clarity Tool:

This tool defines and design the Key Responsibility Areas (KRAs) and Key Performance Indicators (KPIs) for all eligible employees, balancing workload and ensuring proper work allocation. By cascading KRAs across the role hierarchy, it brings clarity and ownership, facilitating better coordination.

Target Setting Tool :

Aimed at scientific target setting, this tool considers market potential, peer performance, historical performance, and current performance. It ensures realistic target allotment to branches, driving performance through data-driven insights.

Performance Management System (PMS) :

The PMS ensures real-time, automated performance tracking, with normalization of scores across similar segments. It displays real-time standings of employees (PMS Profiler) within cohorts, promoting fair comparison.

Job Family & Specialization Building Tool:

This tool integrates job families with role allocation, postings, and career progression, ensuring the right people are placed in the right roles based on competency and preference.

Promotion Tool :

By digitalizing the promotion process, this tool will integrate inputs from employee performance, feedback, experience, and government guidelines, ensuring a transparent and efficient promotion process.

Posting Tool :

This tool digitalizes the transfer process, linking it with other HR systems like PMS and Succession Planning Tool, ensuring transparency and efficiency in managing internal mobility.

Employee Engagement and Wellness Programs :

These programs will be designed to support employee aspirations and motivations, promoting health, well-being, and work-life balance.

Manpower Assessment Tool :

This tool will facilitate both short-term and long-term manpower assessment, considering various parameters like unit size, category, location, and volume of transactions, ensuring optimal manpower planning.

Recruitment Tool :
This tool will streamline hiring process by automating candidate sourcing, tracking and selection to find the best talent efficiently.

Learning Management System & Skill Assessment Tool :
By facilitating employee training and development through structured learning modules and skill assessments, this tool will enhance workforce capabilities.

Career Development & Talent Management Tool :
Supports career growth by aligning employee aspirations with organizational needs, ensuring effective talent management.

Competency & Leadership Development Tool :
This tool enhances leadership skills and competencies through targeted development programs, preparing employees for future leadership roles.

Conclusion :
Project Aarohan represents a significant step forward in our journey towards HR excellence. By leveraging advanced tools and frameworks, we aim to create a more efficient, transparent, and employee-centric HR environment. As we look ahead, the transformation envisioned through Project Aarohan promises not only to align our HR functions with strategic goals but also to set new benchmarks in HR management within the industry. **Together, we can** realize this vision and build a more robust and dynamic organization.

*****

HR Transformation – The Way Forward

Dhanya Palani Yadav
SWO-A
Bandra Kurla Complex
Mumbai

Human Resource Management in public sector banking involves taking care of the employees from their recruitment to retirement, and even beyond. Banking being a service industry, knowledgeable and skilled manpower, with the right mindset is the most important asset.

Since almost all banks offer a similar pricing structure for their products and services, the essential factor that distinguishes a bank is its employees and the efficiency of the services they provide. It goes without saying, happy employees lead to happy customers. Ensuring the well-being of the employees guarantees growth of the organization.

The major challenge faced by banks in managing human resource is primarily sourcing the people who are the 'right fit' for the organization, training and developing them, managing their performance, retaining them, and keeping employee attrition in check. Designing employees' experience at the organization is an important function of the HR.

HR transformation is the need of the hour in the banking sector in India. HR transformation refers to the evolution of the functions of the HR. The primary goal of HR transformation is to envision the future and prepare the employees for it, keeping in consideration the present scenario. Work needs to be reimagined amid challenges like staff shortage and employee motivation in a changing work landscape.

Employee satisfaction and retention: Identifying what leads to employee satisfaction and what could help retain them is an important aspect taken care of by HR. The needs and wants of each generation are different. When we strive to understand what motivates employees in today's era of technology, it may not merely be monetary benefits. It may also be the culture of the workplace, the attitude of the colleagues, and more importantly whether they believe their work makes a difference. Job satisfaction and a feeling of empowerment is of crucial importance. But most importantly, flexibility of worktime and workplace must be seriously explored to help employees achieve work-life balance.

Process-specific work culture: Setting up systems and putting up processes in place brings in greater transparency, objectivity and a non-discriminatory approach. Instead of a person-specific work culture, a process-specific work culture is more reliable and efficient.

Leveraging retired employees experience: The experience and expertise of the retired employees could be leveraged by running a voluntary mentorship program to effectively train and handhold the current employees.

Building a positive culture: Treating the employees as they are expected to treat the customers is a huge step in building the right culture in an organization. Respecting the employees, building a culture of positivity and empathy will then get reflected in the employees' interactions with the customers, thus creating a good reputation for the bank.

Digital transformation: With the advent of AI, banks have been increasingly adopting intelligent technology to increase the efficiency of HR processes and increase employee satisfaction. Data collected with the help of AI could significantly help in redesigning HR policies and devising strategies for the future.

Public sector banks are especially at an important crossroad, facing threat of privatization. Significant unanticipated changes can be expected in the banking sector in the near future. The organizations that can handle and adapt to these changes are the only ones that can survive. Having visionary HR leaders who can build a HR transformation roadmap and implement it could play a key role in the survival of the organization.

"द्वारका और सोमनाथ की यात्रा"

अमित कुमार
अधिकारी
डुमरांव शाखा

कहा जाता है कि गुजरात "पर्यटन स्थलों" का राज्य है। गुजरात को भारतीय सभ्यता, संस्कृति और विरासत को संजोए रखने वाला राज्य माना जाता है। जैसा कि विगत हो कि मैं हरेक वर्ष अपनी मां को किसी तीर्थ स्थल पर लेकर जाता हूं। चूंकि मैने अपने जीवन में यही निश्चय किया है कि अपनी मां को किसी तरह भारत के प्रमुख चार धाम : 1. रामेश्वरम, 2. जगन्नाथपुरी, 3. द्वारकाधीश, 4. केदारनाथ की यात्रा पूरी करवा सकूं। इनमें से अभी तक मैंने अपनी मां को दो धाम 1.रामेश्वरम और 2. जगन्नाथपुरी की यात्रा पहले ही करवा चुका हूं तो इस बार मैंने सोचा क्यों ना मां को द्वारकाधीश का दर्शन करवा दूं। मां भी बहुत दिन से सोमनाथ और द्वारकाधीश दर्शन करने की ज़िद कर रही थी। चूंकि मां का स्वास्थ्य भी अब पहले जैसा ठीक नहीं रहता है तो मैंने भी बिना बिलंब किए एक सप्ताह छुट्टी का आवेदन दे दिया। गुजरात के सबसे प्रमुख पर्यटक स्थलों में सबसे पहले "द्वारका और सोमनाथ" का ही नाम आता है। सभी गुजरात वासी अपने इष्टदेव के रूप में द्वारकाधीश को ही पूजते हैं। अगर आप गुजरात आए और द्वारका और सोमनाथ की यात्रा नहीं की तो सब बेकार है। तो हम लोग भी बिना देर किए सबसे पहले पटना से अहमदाबाद की ट्रेन बुक कर ली। फिर अहमदाबाद से हम लोग द्वारका की ट्रेन पकड़ कर सीधे द्वारका आ गए। अहमदाबाद से द्वारका की दूरी ट्रेन से मात्र एक रात की है। फिर हमलोग द्वारका स्टेशन के नजदीक ही किसी होटल मे रूम ले लिए। आइए अब हम लोग आपको द्वारका और सोमनाथ की सैर अपने यात्रा वृतांत के माध्यम से कराते हैं।

1. द्वारका: द्वारका स्टेशन से द्वारकाधीश मंदिर मात्र 1 किमी की दूरी पर स्थित है। द्वारका भारत के प्रमुख चार धामों में से एक धाम है जो कि गुजरात के द्वारका जिले में स्थित है। यह सबसे पवित्र प्राचीन नगर माना जाता है। माना जाता है कि भगवान श्री कृष्ण मथुरा में जन्म लिए परंतु उनकी कर्मभूमि द्वारका ही थी। मथुरा छोड़ने के बाद भगवान श्री कृष्ण ने ही द्वारका को बसाया था। कहा जाता है कि श्री कृष्ण की मृत्यु के साथ ही उनकी बसाई हुई यह नगरी भी समुद्र में डूब गई थी। आज भी यहां पुराने द्वारका नगरी के अवशेष मौजूद हैं। भगवान श्री कृष्ण को यहां के लोग रणछोड़ जी भी बुलाते हैं।

द्वारका के प्रमुख तीर्थ स्थान :

A) द्वारकाधीश या रणछोड़ जी का मंदिर: द्वारकाधीश मंदिर ही भगवान श्री कृष्ण का प्रमुख मंदिर है। यह मंदिर 140 फीट ऊंचा है और इसकी चोटी मानों आसमान से बातें करती हो। यह मंदिर बहुत ही भव्य और विशालकाय है। इस मंदिर में काले पत्थर की भगवान श्री कृष्ण की 4 फीट की मूर्ति चांदी के सिंहासन पर विराजमान है। मूर्ति हर समय हीरे मोती से चमचमाती रहती है। इस मूर्ति में भगवान के चार हाथ है: एक में सुदर्शन चक्र, दूसरे में गदा, तीसरे में शंख, और चौथे में कमल का फूल है। यहां पर लोग तुलसी की माला भगवान को चढ़ाते है और मंदिर की परिक्रमा करते हैं। सुरक्षा के यहां पुख्ता इंतजाम है। मंदिर बहुत ही सुंदर और भव्य है। भगवान की मूर्ति बहुत ही मनोरम और आकर्षित है। लगता है मानो साक्षात् भगवान श्री कृष्ण के दर्शन हो रहे हो। मंदिर के सबसे ऊपरी भाग पर सूर्य और चंद्रमा का ध्वज फहराया जाता है, दिन में 5 बार। कोई भी व्यक्ति विशेष दिन के 5 पहर में हरेक बार कोई दूसरा व्यक्ति ध्वज फहराने का जिम्मा या खर्चा खुद उठाता है और ध्वज को गाजे–बाजे के साथ मंदिर परिसर में सपरिवार लेकर जाता है। यह इस मंदिर की परंपरा है जो कि प्रत्येक दिन निभाई जाती है। मंदिर में प्रवेश करने का 1 द्वार और 3 कतार है : पहली कतार पुरुषों की, दूसरी कतार महिलाओं की और तीसरी कतार वीआईपी पास वाले या

व्हील चेयर वालों के लिए डायरेक्ट दर्शन की। तो मैंने भी बिना देर किए एक व्हील चेयर ली और मां को डायरेक्ट दर्शन कराने के लिए कतार में लग गया। हम लोग तुरंत दर्शन करके वापस बाहर आ गए। हम लोग वहां दो दिन रुके थे तो मां दोनों ही दिन मंदिर में दर्शन करने गई और हम लोग संध्या आरती का भी एक दिन आनंद उठाए। माँ का मानो वहां दिल लग गया हो, माँ मंदिर से बाहर आने का नाम ही नहीं लेती थी। शाम को आरती देखकर तो हम लोग को अद्भुत शांति का अहसास हुआ। सचमुच साक्षात भगवान श्री कृष्ण विराजमान है यहां।

B) बेट द्वारका: कहते हैं कि अगर आप द्वारका गए और बेट द्वारका नही गए तो आपकी यात्रा अधूरी मानी जाएगी। द्वारका दर्शन करने के बाद अगले दिन सुबह में हम लोग ने एक कार बुक की जो कि हमें मात्र 1200 रुपए में दिन भर में बेट द्वारका, रुक्मणी मंदिर, गोपी तालाब, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, इत्यादि जगहों पर हमें घुमाकर शाम को पुनः द्वारका में छोड़ दिया। अगले दिन सुबह हम लोग बेट द्वारका पहुंच गए जो कि द्वारका से मात्र 18–20 कि.मि. की दूरी पर है। आप बस या ऑटो द्वारा भी बेट द्वारका जा सकते हैं। बेट का अर्थ होता है – ''भेंट''। ऐसी कहावत है कि भगवान श्री कृष्ण का महल बेट द्वारका में ही था और उनके परम मित्र सुदामा यहीं पर आकर उन्हें ''चावल की पोटली'' भेंट स्वरूप दी थी। इसलिए इस जगह का नाम बेट द्वारका पड़ा। बेट द्वारका समुद्र के किनारे बसा है। कार, बस या ऑटो वाला आपको बेट द्वारका के एक छोर पर लाकर छोड़ देता है और बेट द्वारका का मंदिर जोकि दूसरे छोर पर है उसके लिए आप भाड़े वाले नाव या प्राइवेट जहाज के माध्यम से उस छोर जा सकते हैं। तो हम लोग भी एक नाव पर बैठ गए उस छोर जाने के लिए। नाव का भाड़ा एक छोर का मात्र 20–30 रुपए हैं। नाव जब तक पूरी तरह से फुल नहीं हो जाती तब तक वो नहीं खुलेगी। आप किसी निजी नाव या जहाज से भी 400–500 रुपए में दोनो साइड अप डाउन यात्रा कर सकते हैं, इससे आपका समय बचेगा। करीब आधे घंटे के अंदर हम लोग बेट द्वारका के उस छोर पर पहुंच गए। सबसे पहले हम लोग भगवान श्री कृष्ण के पुराने महल में पहुंचे। इस महल के भीतर और 5 बड़े–बड़े महल हैं। सबसे बड़ा महल भगवान श्री कृष्ण का है, दूसरा महल माता सत्यभामा का है, तीसरा महल माता जम्बवंती का, चौथा महल माता रुक्मणि का और पांचवा महल माता राधा का है। सभी महल में सभी देवी देवताओं की प्रतिमा रखी हुई है, जोकि काफी प्राचीन है। एक महल में सुदामा की मूर्ति भी रखी हुई है। वहां के पंडित जी सबसे पहले सुदामा महल में आपको कृष्ण और सुदामा के ''चावल की भेट'' वाली कहानी सुनाते हैं। यहां प्रसाद स्वरूप आपको चावल की पोटली मिलती है, जिसे आपको अपने घर के रसोई घर या अनाज घर में रखना है। इससे आपके घर में अनाज या अन्न की कमी कभी नहीं होगी। आपका घर हमेशा भरा पूरा रहेगा। अब हम लोग यहां से दर्शन करने के बाद अपने अगले पड़ाव रुक्मणि मंदिर के लिए निकल पड़े।

C) रुक्मणि देवी मंदिर : यह मंदिर बेट द्वारका और द्वारका के बीच के रास्ते में ही मिलता है। मंदिर के मुख द्वार पर पहुंचते ही सबसे पहले वहां के पंडित जी आपको रुक्मणि देवी मंदिर की कहानी सुनाते है। ऐसा माना जाता है कि माता रुक्मणि और भगवान श्री कृष्ण एक साधु के साथ कही जा रहे थे तो रास्ते में सभी को प्यास लगी और माता रुकमणि ने सिर्फ भगवान श्री कृष्ण को पानी पीने को पूछा और इस साधु को नहीं, जिससे वो साधु क्रोधित हो गए और माता रुक्मणि को भगवान श्री कृष्ण से अलग रहने का श्राप दे दिया। इसलिए यह मंदिर द्वारका से दूर बनाया गया। आज भी यहां के लोग सभी आगंतुकों को सबसे पहले कुएं का मीठा पानी पिलाते है उसके बाद माता रुक्मणि का दर्शन करवाते है। यहां पर भी तुलसी की माला ही चढ़ाई जाती है।

D) गोपी तालाब: रुकमणि मंदिर से थोड़ा सा आगे जाने पर हमें रास्ते में ही गोपी तालाब मिलता है। माना जाता है कि भगवान श्री कृष्ण गोपियों और राधा के संग इसी स्थान पर रासलीला रचाते थे और गोपियों संग खेलते थे। इस तालाब का पानी अब बहुत सूख गया है। पहले यहां पर बहुत सारे मोर पाए जाते थे, परंतु अब बहुत कम दिखाई देते है। यहां की मिट्टी बहुत पीली है, जिसे यहां के लोग ''गोपी चंदन'' के नाम से बुलाते है। इस चंदन का बहुत ही महत्व है। यहां के लोग इस चंदन का उपयोग माथे पर तिलक या शरीर में उबटन लगाने का काम करता है। यह माथे पर बहुत ही

शीतलता प्रदान करता है। हमलोग भी गोपी भामदान खरीद लिए घर ले जाने के लिए जोकि मात्र 10 रुपए का पैकेट था। यही पर एक राम जानकी का मंदीर है, जिसमें भगवान श्री राम का तैरता हुआ पत्थर आप लोग देख सकते है, जोकि काफी मनमोहक और ऐतिहासिक है।

E) नागेश्वर ज्योतिर्लिंग: नागेश्वर ज्योतिर्लिंग द्वारका से मात्र 18 किमी की दूरी पर है। यह ज्योर्तिलिंग भारत के प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंग (स्वयं प्रकट शिवलिंग) में से एक है। यह मंदिर भी बहुत बड़े क्षेत्र में बना हुआ है। इस मंदिर के गर्भ गृह में भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग है, जिसके ऊपर चांदी से बना हुआ एक विशालकाय नाग देवता विराजमान है। अगर आप 101 रुपए की पूजा की थाली लेते हैं, तो आपको मंदिर के गर्भ गृह में भगवान भोलेनाथ को स्पर्श करने या जलाभिषेक / रुद्राभिषेक करने का मौका मिलता है। यहां पर बेसन के लड्डू का भोग लगाया जाता है। गर्भ गृह में जाने से पहले आपको अपने कपड़े बदलकर धोती कुर्ता पहनना पड़ता है, जिसे मंदिर परिसर के लोग उपलब्ध कराते हैं। गर्भ गृह में मोबाइल पर्स बेल्ट इत्यादि ले जाना सख्त मना है । महिलाओं के लिए गर्भ गृह में जाने के लिए साड़ी या सूट उचित माना जाता है। मैने भी धोती कुर्ता पहनकर गर्भ गृह में जाकर भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक किया और उनको स्पर्श करके प्रणाम किया। स्पर्श करने के बाद ऐसा लगा मानो साक्षात भगवान शिव को स्पर्श किए हो। बहुत ही अद्भुत और अतुलनीय अनुभूति का अहसास हुआ। मंदिर परिसर के मुख्य द्वार पर भगवान भोलेनाथ की 140 फीट ऊंची मूर्ति विराजमान है, जोकि बहुत ही विशालकाय और अद्भुत है।

F) गोमती नदी घाट: अपने द्वारका यात्रा के अंतिम पड़ाव में हमलोग गोमती नदी घाट पहुंचे। शाम में कार ड्राइवर ने हमें गोमती नदी घाट पर छोड़ दिया जोकि द्वारका मंदिर के बहुत पास में ही था । इसी नदी में लोग स्नान करके भगवान श्री कृष्ण का दर्शन करते है। गोमती नदी घाट पर शाम में बहुत ही अच्छी और भव्य गंगा आरती होती है, तो आप शाम में यहां पर गंगा आरती का भी आनंद उठा सकते हैं। यहां पर लोग पानी में दिया भी जलाते है। हम लोगों ने भी गंगा आरती का लुत्फ उठाया और नदी में दिये जलाए।

अब हम लोग द्वारका के सभी प्रमुख स्थानों को घूमकर अपने अगले पड़ाव सोमनाथ की यात्रा पर निकल पड़े। सोमनाथ से सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन "वेरावल स्टेशन" है, जोकि सोमनाथ मंदिर से मात्र 7 कि.मी. की दूरी पर है। हम लोग रात में द्वारका से ट्रेन पकड़े और अगली सुबह वेरावल स्टेशन उतर गए। उसके बाद हम लोग स्टेशन से ही एक ऑटो मात्र 200 रुपए में रिजर्व करके सीधे सोमनाथ मंदिर के पास पहुंच गए। ऑटो वाले भैया ने ही हमें एक कमरा भी भाड़ा पर दिलवा दिया। अब हमलोग तैयार होकर सभी प्रमुख स्थानों को घूमने निकल पड़े।

A) सोमनाथ मंदिर: सोमनाथ मन्दिर भारत के 12 ज्योतिर्लिंग में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। सोमनाथ का अर्थ होता है: सोम (चंद्र) के नाथ (भगवान शिव) । कहा जाता है कि इस ज्योतिर्लिंग का निर्माण स्वयं चंद्रदेव ने किया था, जिसका उल्लेख ऋग्वेद में भी स्पष्ट है। सोमनाथ मंदिर गुजरात के सोमनाथ जिले के वेरावल बंदरगाह के समीप स्थित है। यह मंदिर अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर माना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर को कई बार तोड़ा गया और पुनर्निर्माण किया गया । लोग कहते हैं कि भगवान श्री कृष्ण ने यहीं पर अपना शरीर त्याग किया था। महमूद गजनवी, अलाउद्दीन खिलजी, और मुगल बादशाह औरंगजेब ने कई बार इस मंदिर को नष्ट किया और इस मंदिर के धरोहरों को लूट कर ले गया। परंतु बार–बार इस मंदिर को पुनर्निर्माण कराया गया। इस मंदिर का इतिहास सन 815 ईस्वी से भी पहले का है। आज भी पुरानी मंदिर का अवशेष या पुराना मंदिर नई सोमनाथ मंदिर के बाहर स्थित है। सबसे पहले हमलोग सोमनाथ के पुराने मंदिर में दर्शन करने गए। मां को व्हील चेयर से मंदिर के अंदर ले गया और उनको भगवान भोलेनाथ का दर्शन करवाया, जलाभिषेक किए और पूजा अर्चना भी की। यहां पर स्थित शिवलिंग लगभग 3–4 फीट ऊंची है, जोकि काफी विशाल शिवलिंग है। मैने और मां ने पहली बार इतने बड़े शिवलिंग को देखा था। मैंने जब भगवान शिव को स्पर्श किया तो मानों मेरे रोम–रोम सिहर उठा, एक अलग प्रकार की अनुभूति हुई जोकि पहले कभी नहीं हुई थी। मानो साक्षात् भगवान शिव को स्पर्श किए हो।

इस मंदिर के ठीक थोड़ी दूर आगे नवनिर्मित सोमनाथ मंदिर है, जिसका निर्माण अभी हाल ही में हुआ है। नए सोमनाथ मंदिर में प्रतिदिन लाखो–लाख लोग दर्शन करते है। यहां पर भी आपको बहुत ही सघन जांच की सुविधा उपलब्ध है। यहां पर आपको 2–3 लाइन लगानी पड़ती है। चूंकि मैं मां को व्हील चेयर पर लेकर गया था, तो हम लोगों को प्रत्यक्ष प्रवेश मंदिर के परिसर में मिल गया। मंदिर के ऊपरी तल पर भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग स्थापित है। यहां जाने के लिए बूढ़े लोगों के लिए लिफ्ट लगी है और युवा लोगों के लिए सीढ़ी की सुविधा उपलब्ध है। मैं मां को लिफ्ट से ऊपर लेकर गया और हमने मंदिर के मुख्य द्वार में प्रवेश किया। जब हमने भगवान भोलेनाथ के दर्शन गर्भ गृह में किए तो मानों आंखे फटी की फटी रह गई हों। इस मंदिर में बहुत ही विशालकाय शिवलिंग स्थापित है, जोकि 3–4 फीट ऊंची होगी । इस शिवलिंग को आप सिर्फ दूर से दर्शन कर सकते है। गर्भ गृह के शिवलिंग को आप ना तो स्पर्श कर सकते है और न ही जलाभिषेक / रुद्राभिषेक। परंतु इसी मंदिर परिसर में ही पंडित जी लोग छोटे–छोटे शिवलिंग रखकर आपको जलाभिषेक / रुद्राभिषेक या पूजा अर्चना का मौका देता है, इसके लिए आपको पंडित जी को 2100 से लेकर 5100 रुपए तक राशि देनी पड़ती है। मुझे और मां को तो मंदिर से बाहर आने का मन ही नहीं कर रहा था, क्योंकि बहुत ही सुन्दर और मनोरम दृश्य था, भगवान भोलेनाथ का साक्षात् दर्शन अद्भुत और अतुलनीय। मंदिर परिसर बहुत ही बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है और इसके तीन ओर से समुंद्र का पानी है, जोकि इस जगह को बहुत ही मनोरम और शांतिमय बनाता है। इस मंदिर परिसर की एक और खास बात यह है कि यहां सभी प्रमुख 12 ज्योर्तिलिंग की मूर्ति सहित वर्णन है। यहां पर भी बेसन के लड्डू का ही भोग लगाया जाता है। याद के तौर पर हमलोग मंदिर के गेट पर ही एक फोटो खिंचवा ली।

B) त्रिवेणी संगम: सोमनाथ मंदिर के समीप में ही त्रिवेणी संगम है, जहां पर तीन पवित्र नदियों: सरस्वती, हिरण्य और कपिला का संगम होता है। यह घाट भी बहुत पवित्र माना जाता है। लोग यहां पर भी स्नान या डुबकी लगाते है। इन तीनों नदियों का पानी आगे समुंद्र में मिल जाता है।

C) अन्य तीर्थ स्थान: सोमनाथ में आप 1–2 दिन में सभी जगहों पर घूम सकते हैं। सोमनाथ मन्दिर से 5–6किमी की दूरी पर ही सभी प्रमुख तीर्थ स्थल हैं। प्रमुख तीर्थ स्थलों में आप: त्रिवेणी घाट, सूरज मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, भालका तीर्थ, श्रीपरशुराम मंदिर, गीता मंदिर, भिड़भंजन महादेव मंदिर, कामनाथ महादेव मंदिर, सोमनाथ मंदिर, वेणेश्वर मंदिर, पांच पांडव गुफा इत्यादि का दर्शन कर सकते है।

सोमनाथ से ही आप प्राइवेट कार बुक करके 1500–2000/– रुपए में "दमन और द्विव" की भी यात्रा कर सकते है।

D) गुजरात के प्रमुख व्यंजन: गुजरात में आपको ज्यादातर मीठे व्यंजन और बेसन के बने व्यंजन खूब खाए और पसंद किए जाते हैं। यहां के प्रमुख व्यंजन हैं: खाखरा, ढोकला, खांडवी, हांडवो, थेपला, उंधियू, बासुंदी (राबड़ी), घुघरा, जिलेबी इत्यादि। हम लोग भी अपनी यात्रा के दौरान खाखरा, ढोकला और थेपला खूब खाए। ये सभी व्यंजन स्वादिष्ट और पौष्टिक हैं।

अब हमारी द्वारका और सोमनाथ से या यूं कहें गुजरात से विदाई की बेला आ गई थी। मेरा और मां का मन तो बहुत उदास हो गया था, क्योंकि हम लोग का आने का जरा भी मन नहीं कर रहा था। परंतु क्या कर सकते थे, मेरी जॉब की बात थी और छुट्टी भी खत्म होने वाली थी, इसलिए हम लोग द्वारका और सोमनाथ की ढेर सारी यादें अपने दिलो–दिमाग में संजों कर अहमदाबाद से पटना अपने घर ले आए। सबसे पहले हम लोग ट्रेन से वेरावल स्टेशन से अहमदाबाद आ गए, फिर उसी दिन अहमदाबाद से ट्रेन पकड़कर पटना आ गए। अंत में मैं यही आप सभी से अनुरोध करूंगा कि आपको जीवन में कभी भी मौका मिले तो गुजरात के विश्व प्रसिद्ध इन दो जगहों ''द्वारका और सोमनाथ'' की यात्रा जरूर करें और इन दोनो जगहों के इतिहास का आनंद उठाए। जय श्री कृष्ण, जय भोलेनाथ।

*****

HR Transformation in the Age of AI

Sreekuttan S
Divisional Manager
Madkeri RAH

The buzzword in almost all industries across the globe seems to be AI and the question "Will AI replace you in your job?" seems to be the most anxious question that everyone seeks answer for. Whatever may be the industry, whatever may be your role, whatever may be your career ambitions, one thing that is going to be static as the answer to the above question is, 'You are still indispensable at your job, if you are able to WORK WITH AI'. In fact, going forward, the survival would largely depend upon how well a personnel is able to work with AI. AI should be perceived as a facilitator for human productivity and not as a replacement for human intelligence. So the HR transformation in the age of AI is of utmost importance because it means a lot towards upskilling, picking up the right talent for the right assignment and nurturing them with the change in technology around us.

COMPETITIVENESS AND UPSKILLING

An organization would want their people to be competitive and evolve themselves with the changing technologies and it would also want them to leverage the expertise according to the corporate needs. Improving the knowledge level and upskilling expertise of the workforce should be an ongoing process. No organization can afford to say NO to expertise and knowledge of their workforce.

The banking sector at large is very much vulnerable to the disruptions caused due to change of personnel at different levels due to periodical transfers, promotions, retirements and resignations. While transfers, promotions and retirements are inevitable, resignations on the other hand are hugely dependent on the culture and fabric of an organization. On one hand, the Bank would require their workforce to regularly have an upskilling and on the other hand they should be able to keep these talents within the organization, i.e. to reduce attrition. The organization should be able to perceive the phenomenon of attrition as 'intellectual capital erosion', something which doesn't find a place in the balance sheet of the Bank but is capable of badly affecting the balance sheet in the long run.

A career oriented and self-motivated employee would always voluntarily do his/her part in the process of upskilling, while for others, the onus of this lies hugely on the part of an organization. An upskilled employee would find him marketable in the job market. If an organization doesn't care about its employees, they would leave for another job, resulting in a void that would require time and resources to fill. With 'privatization' looming around the PSBs, the concepts of **"Confirmed"** job and **Job Security** are of little importance going forward. It is noteworthy to mention here that the exit interview process needs to be given proper importance. The perception of the employee towards an organisation at the time of resignation / VRS often gives valuable insights about the HR management and working culture of an organisation as a whole. An organisation needs to be honest in analysing this insight for making corrective steps if required.

MONITORING THE ASSETS & SHARING OF KNOWLEDGE

The intellectual assets (workforce) of a bank should also be equally monitored along with the financial assets (loans). There should be a mechanism from the HR front to keep watch of the workforce with regard to their upskilling. Periodical check should happen on the data of upskilling done by the workforce and organization should explore how well it can be utilized for the betterment of the organization itself. If an up skilled employee is unused for long, the resources spent if any by the organization in upskilling is of no use. Sharing the knowledge acquired by the employee with fellow colleagues will also add value to the possessed knowledge.

A common incentive-based platform in the form of a portal can be developed to let the employees share their knowledge in the form of pdfs, documents etc. For instance, an employee may be well versed in handling Bank Guarantees in CBS, then he or she can document the step by step procedure of, say, opening an Inland BG in CBS and share it for reference. Bank can encourage more employees to come forward and share such knowledge (be it work related or industry related).

CAPTURING THE STRENGTHS AND WEAKNESSES

No doubt that performance evaluation is one key tool for incentivizing the employee with regard to promotions and favourable placements. But is that the sole criterion for considering him/her for placements everytime?

As far as an officer/manager is considered, there are far more perceptions to be looked upon beyond performance while considering for an assignment. The parameters/traits which are qualitative in nature can sometimes give better insights about the employee to enable the organisation to take a suitable decision with regard to his/her future posting. Man-management, Customer relationship, team building, inter personal relationships etc are some of the few. The qualitative aspects of the employee often finds less weightage during the process of appraisal. At times, these kind of insights about the employee can be handy for the Bank. For example, a Branch which has been on the downtrend due to mounting customer complaints, would want a Manager who is excellent with his customer relationship traits. If this piece of information is readily available with the Bank, the same can be made use while making transfer / postings.

In another instance, a branch which is bleeding bad due to mammoth SMA figure requires an in charge with a legacy of SMA management. If these kind of qualitative traits are quantitatively captured during the appraisal process, it will hugely help the Bank in the process of placements.

The reverse of this also equally important. The weaknesses of the employee should also be taken into account. NPA slippages, level of customer complaints, increase in SMA, low level of sanctions in a particular sector (like Retail/MSME/AGRI etc) in the previously worked branches should be captured as undesirable traits, and such employees should be given trainings to hone their skills.

The robustness of BCP (Business Continuity Plan) of every organization is the capability to adapt to change in personnel in a particular role. An organization is said to be vulnerable to changes in personnel when it is dependent more on people than on processes. To tide over the challenges posed by this, an organisation should equip them with the right HR tool, which will give an all-around insight about the human resource, and not just from the performance front.

*****

बातें

स्वीटी राज
अधिकारी
सीपीएच, पटना

गर्मियों की दुपहर थी, ब्रांच के सभी स्टाफ लंच टाइम का इंतज़ार कर रहे थे। तभी दरवाज़े से एक महिला हड़बड़ाती हुई अंदर आई और एकदम से पूछा पैसे निकालने हैं। गर्मी अपने चरम पर थी और ग्राहकों की संख्या ना के बराबर थी। ऐसे में उस महिला के आते ही सबकी बरबस नज़रें उनकी ओर चली गयी थीं।

उनका नाम मीनाक्षी था, उन्हें सिर्फ तमिल बोलनी आती थी और वह मछली बेचने का काम करती थी। मीनक्षी माँ का अकाउंट बहुत लंबे समय से इस ब्रांच मे था, लगभग 10–12 सालों से उनका यहाँ आना जाना था। ब्रांच के ज़्यादातर लोग 50 वर्ष या उसके आसपास के उम्र के थे, पर अभी कुछ दिनों पहले ही वहाँ एक नयी परिवीक्षाधीन अधिकारी जया की नियुक्ति हुई थी। मीनक्षी माँ उसे देखकर बहुत आश्चर्यचकित हुई और खुशी के मिश्रित भाव से कहा, 'अरे वाह! नया मेहमान आया है, अब तो खूब बातें करूंगी।' नयी अधिकारी उत्तर भारत से थी और उसे तमिल बोलनी नहीं आती थी। जब मीनक्षी माँ पहली बार उसके काउंटर पर गयी थी तो काफी परेशान थीं, पैसे जमा करने वालों की भीड़ बहुत ज्यादा थी और कम्प्यूटर न चलने की वजह से भीड़ बढ़ती ही जा रही थी, तब मीनाक्षी मां की परेशानी और उनकी उम्र को देखते हुए उस नयी अधिकारी ने उन्हें बैठने के लिए कुर्सी दिलवाई और एक ग्लास पानी भिजवाया। बस, यहीं से दोनों की दोस्ती की शुरुआत हो गयी। अब मीनाक्षी माँ समय निकाल कर लगभग रोज़ ही आने लगी, कुछ पैसे जमा करतीं और देर तक बैठ कर जया से ढेर सारी बातें भी करती। ब्रांच के सभी लोग आश्चर्यचकित थे कि मीनाक्षी माँ को न तो हिंदी आती थी और न ही जया को तमिल आती थी, फिर भी दोनों हंसकर देर तक साथ बैठकर बातें करतीं।

मीनाक्षी माँ नयी महिला अधिकारी से घर परिवार, समाज और रोज़मर्रा की अपनी ढेर सारी बातें करती थीं और कहती थीं कि जब तक मैडम की पोस्टिंग यहाँ है मैं उनको तमिल सीखा के रहूँगी और चेहरे पर फैली बड़ी–सी मुस्कान से सबका दिल जीत लेती थी। एक बार शुक्रवार के दिन वह बालों में लगाने वाले ढेर सारे फूल ले कर आ गयीं और जया से कहा कि क्या मैं आपके बालों मे लगा दूँ? जया ने मुस्कुराकर देखा और कहा ज़रूर लगा दीजिये, इतना सुनते ही मीनाक्षी माँ खुशी से झूम उठीं। उन्हें पहली बार देखकर कोई कह ही नहीं सकता था कि उन्हें कोई दु:ख भी होगा पर उनके दु:ख इतने गहरे थे कि सालों का मरहम भी वह दु:ख कम नहीं कर सका था। सुनामी ने उनकी दुनिया ही बदल दी थी, पति, बच्चे और घर सब कुछ सुनामी ने निगल लिया। रिशतेदारों ने दूरी बना ली थी, जीवन बोझ–सा हो गया था, पर उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी। अपने पति के मछली बेचने के व्यवसाय को उन्होंने अपने जीवनयापन का सहारा बना लिया था और धीरे–धीरे सामान्य होने की कोशिश कर रही थी। वह पहले भी ब्रांच में आया करती थीं, पर जब से जया मैडम आई थी, मीनाक्षी माँ खुश रहने लगी थीं, उन्हें लगता था कोई मिल गया दु:ख–दर्द बांटने वाला। जया बहुत शांति और धैर्य से उनकी बातें सुना करती थी और बीच–बीच में मुस्कुराती रहती थी, भले ही मीनाक्षी माँ का कहा एक भी शब्द उसे समझ ना आ रहा हो। समय बीतता गया और दोनों की दोस्ती पक्की होती गयी, अब मीनाक्षी माँ जया के लिए इडली और डोसा बना कर लाने लगी थीं और जया उनके बैंक के सभी काम अच्छे से और ससमय करने लगी थी। जब आम के फलों का दिन आता तो वह जया के लिए और शाखा के बाकी सदस्यों के लिए भी अपने बगीचे के आम लाने लगी थीं।

धीरे–धीरे जया तमिल समझने और टूटे–फूटे तौर पर बोलने भी लगी थी। कई बार बहुत गहरे दु:ख का मरहम ऐसे लोगों

और जगहों में मिल जाता है जो हमने कभी नहीं सोचा होता है, मीनाक्षी माँ और जया की दोस्ती भी यही मरहम थी। अब जया शाखा के लोगों से और मीनाक्षी माँ से बहुत घुलमिल गयी थी। उसे जब कभी बुख़ार भी हो जाया करता तब घर पर बैठने के बजाए वह शाखा में चली आना पसंद करती थी। जया की पोस्टिंग अपने घर से 2000 किलोमीटर दूर हुए थी, सो घर जाना कम ही हो पाता था। एक बार मीनक्षी माँ ने जया और शाखा के अन्य लोगों से कहा कि यदि इस रविवार आप लोगों के पास थोड़ा समय हो तो मंदिर सेवा के लिए साथ चलेंगे, सुबह 4 बजे शाखा से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी वाले मंदिर में इकठ्ठा होना होगा। सभी लोगों ने एक स्वर में हामी भरी। देखते–ही–देखते रविवार भी आ गया और सभी लोग तय समयानुसार मंदिर परिसर में जमा हो गए। सबने आपस में काम बाँट लिए, किसी ने वहाँ की दीवारों की सफाई का काम संभाला, किसी ने आँगन की साफ सफाई संभाली, किसी ने दरवाजों और खिड़कियों की। साफ–सफाई के बाद जब सुबह की आरती शुरू हुई तब ऐसा लग रहा था मानो सभी देवी–देवता वहाँ स्वयं प्रकट हो गए हों और मधुर संगीत व आरती का आनंद ले रहे हों। जया के लिए ऐसा अनुभव जीवन में पहली बार हो रहा था, वह बस मंत्रमुग्ध–सी हो कर मंदिर के संगीत और मंत्रों के उच्चारण में खो–सी गयी। मंदिर की सीढ़ियों पर एक साथ बैठे–बैठे शाखा के सभी लोग अपनी–अपनी यादों का पिटारा खोलने लगे। शाखा की सबसे वरिष्ठ महिला श्रीमती लक्ष्मी ने अपनी बेटी के बारे में बात शुरू की, उन्होंने बताया कि कैसे समय देखते–ही–देखते मानों पंख लगा कर उड़ गया हो और कल की उनकी नन्हीं–सी बेटी आज इतनी बड़ी हो गयी है कि उसकी शादी तय हो रही है, अपनी बेटी का बचपना याद करके उनकी आँखों में आँसू आ गए। उसका तुतला कर बोलना, ठुमक–ठुमक कर चलना, मोटे–मोटे गाल, बड़ी–बड़ी आँखो से देखना, ये सब यादें मानो बिजली की गति से उनके आँखों के पटल पे आ गए। लक्ष्मी मैडम के बाद पल्लवी मैडम ने अपनी आँखों से बहते आँसुओं को पोछते हुए कहा कि सारा जीवन निकल जाता है बच्चों की देखभाल और परिवार को संभालने में, पर जब हम बूढ़े होने लगते हैं तो बच्चों को खुद से बहुत दूर पाते हैं, न तो उनके पास हमारे लिए समय होता है और न ही उनकी इच्छा होती है साथ रहने की। इतना कहते ही पल्लवी मैडम ज़ोर–ज़ोर से रोने लगीं, सभी सहकर्मियों ने उनके आँसू पोंछें और उनको चुप कराया।

माहौल को भारी होता देख कर चन्द्रशेखर सर ने बोलना शुरू किया, 'मेरी शादी बचपन में ही तय कर दी गयी थी, मेरे दादाजी और मेरी पत्नी के दादाजी आपस में बहुत अच्छे दोस्त थे और हम दोनों के जन्म लेते ही उन लोगों ने हमारी शादी आपस में तय कर दी थी। पड़ोसी होने के कारण हम दोनों साथ–साथ बड़े हुए और एक साथ स्कूल–कॉलेज में पढ़ाई किया, बचपन की दोस्ती प्यार में कब बदल गयी, पता ही नहीं चला, जीवन इससे अच्छा हो ही नहीं सकता था, हमारे दो बच्चे हुए और समयानुसार पढ़ाई–लिखाई, शादी–ब्याह सब हो गया और दोनों बच्चे अपने–अपने जीवन में व्यस्त हो गए। हमने बच्चों के बच्चों को भी अपनी गोद में खिलाया, मैंने सोचा था कि रिटायरमेंट के बाद अपनी पत्नी को लेकर भारत भ्रमण पर जाऊंगा, उसे देश–विदेश की यात्राओं पर लेकर जाना था, पर मेरी पत्नी ने तो मानो सब कुछ पहले से ही तैयार कर रखा था, उसने अपने बचाए हुए पैसों से हम दोनों के लिए भारत भ्रमण की टिकट करवा ली है, अब रिटायरमेंट के बाद मैं अपनी पत्नी के साथ अपने सपने को जी सकूँगा। इसके साथ ही उन्होंने ये शर्त भी रखी है कि मुझे खाना बनाना सीखना होगा मुझे तो कुछ भी बनाना नहीं आता, रिटायरमेंट के बाद मेरी नयी नौकरी शुरू हो जाएगी।' सभी लोगों के चेहरों पर हल्की–सी मुस्कान छा गयी। चन्द्रशेखर जी के बाद रामालिंगम सर ने कहना शुरू किया, 'नौकरी जब तक चल रही है समय का पता ही नहीं चलता, पूरा दिन बीत जाता है और एहसास भी नहीं होता न जाने रिटायरमेंट के बाद क्या होगा।' रामलिंगम सर अकेले रहते थे, उनकी पत्नी साथ नहीं रहती थी और एक बेटी थी जो शादी के बाद अपने ससुराल चली गयी थी। सुबह उठकर अपने लिए नाश्ता बनाना और टिफ़िन रखना, खुद के कपड़े प्रेस करना और घर की साफ–सफाई यह सभी काम रामलिंगम सर खुद ही किया करते थे, उन्होंने कहा, 'मैं रिटायर होने के बाद भी शाखा में आता रहूँगा, यहाँ के लोगों और साथियों के सिवा मेरे कोई नहीं है।'

मीनाक्षी माँ जो अभी तक चुप बैठी थी, उठकर वहाँ से आगे की ओर जाने लगी। सभी लोग एकसाथ बोल पड़े, 'अरे

मीनाक्षी जी आप कहाँ जा रही हैं? आप ही तो हम सभी को लेकर यहाँ आई हैं।' एक साथ किए गए इस अनुरोध ने उनके बढ़ते कदमों को रोक दिया, वह वहीं सभी के साथ बैठ गईं और अपने आँसू को रोकने का प्रयास करते हुए बोली, 'मैं यहाँ अपने पति और दोनों बच्चों को लेकर आया करती थी। भगवान ने सब कुछ दिया था, हम सब एक साथ बहुत खुश थे, बच्चों और पति के लिए खाना बनाना और साथ घूमने जाना मुझे बहुत अच्छा लगता था, कितना भी व्यस्त रहने पर पति हम लोगों के लिए समय निकाल लिया करते थे, रविवार तो बस घूमने और साथ वक़्त बिताने के लिए ही हुआ करता था। न जाने कितने ही मंदिर, गिरजाघर, गुरुद्वारे हमने साथ घूमे थे। बच्चों को पढ़ाना, तैयार करना मेरे पति की ड्यूटी हुआ करती थी और मैं सबको खाना खिलाती, घर की और सभी की देखभाल करती थी, उन सबको खुश देखकर मैं बहुत खुश हो जाया करती थी। सब अच्छा चल रहा था कि तभी मानो जैसे किसी की नजर लग गयी हो। वो काला दिन आज भी मुझे अच्छे से याद है, हम लोग घूमने बीच पर गए हुए थे, घर से खाना बना कर ले गए थे, सभी बहुत खुश थे, मेरे मोहल्ले से और भी लोग गए हुए थे। सब खेलने और खाने में व्यस्त थे, माँ का फोन आने के कारण मैं थोड़ी दूर जाकर बात करने लगी थी, तभी मेरी बेटी की तेज़ आवाज़ आयी, वह बहुत डरी हुई थी, उसने चिल्लाकर कहा, माँ देखो कितनी बड़ी लहर आ रही है। हम सब कुछ सोच या समझ पाते उससे पहले ही उस लहर ने सबकुछ डूबा दिया था। सब लोग अलग-अलग हो गए थे, कोई कहीं डूब रहा था कोई कहीं और, चारों तरफ बस शोर और रोने चीखने की आवाज़ थी। प्रकृति के सामने मानो इंसान की कोई बिसात ही न हो, मैं भी लहरों के साथ बहने लगी, कुछ दूर तक बहने के बाद मेरा पैर एक बड़ी सी शाखा में फस गया था और उसी को पकड़े-पकड़े मैं बेहोश हो गयी थी। जब 2 दिन बाद होश आया तो खुद को अस्पताल में पड़ी पायी, आस-पास कोई भी पहचान का नहीं दिख रहा था, मैं तुरंत चिल्लाकर अपने बच्चों और पति को खोजने उठी, पर चक्कर खा कर गिर पड़ी। नर्स और डॉक्टर ने आकर मुझे संभाला। मैं बहुत रो रही थी, सब तरफ बस लोगों के रोने की आवाजें और अपनों को खोने का दर्द था। मैंने भगवान को कोसते हुए कहा कि मुझे क्यों छोड़ दिया अकेले ये सदमा सहने को, मुझे भी मेरे घर वालों के साथ ले जाते। इन सब के बाद भी हिम्मत जुटा कर मैंने घरवालों को खोजने की बहुत कोशिश की, हर नर्स डॉक्टर से पूछा, अस्पताल की एक नर्स की मदद से एक-एक बेड के पास जा कर अपने पति और बच्चों को खोजा। नर्स बहुत अच्छी थी उन्होंने मुझे साथ लेकर दूसरे अस्पतालों में भी मेरे परिवार को खोजने की कोशिश की, हर जगह जहां लोग भर्ती थे हम वहाँ गए। काफी खोजने के बाद भी कुछ पता नहीं चल पा रहा था, मैं थक हार कर एक अस्पताल के बाहर पेड़ के नीचे बैठ गयी, तभी कुछ लोग इस त्रासदी में भगवान को प्यारे हुए लोगों की फोटो नोटिस बोर्ड पर लगा रहे थे। मैंने काँपते हुए शरीर को संभाला और पूरी हिम्मत जुटाते हुए वहाँ पहुंची, नोटिस बोर्ड देखते ही मैं नीचे गिर पड़ी, पहली तस्वीर मेरे पति की ही थी। मुझे लगा कि बस दुनिया खत्म हो गयी मेरे लिए, फिर बच्चों का ध्यान कर और हिम्मत वापस जुटाकर मैंने बाकी के फोटो देखें, नोटिस बोर्ड के अंत आते-आते तक मेरी दुनिया पूरी तरफ तबाह हो चुकी थी, वहाँ मेरा पूरा परिवार पड़ा था। दिमाग में गूँजते सन्नाटे के साथ मैं वहीं बेहोश हो गयी थी। साथ आई नर्स मुझे अपने घर ले गई थी और लगातार कई हफ्तों की सेवा के बाद मैं उठकर बैठी थी। उनकी सलाह पर मैंने सुनामी से तबाह हुए लोगों से मिली उनके दर्द के साथ अपना दर्द बांटा। और इस त्रासदी में अकेले रह गए कुछ बच्चों की देखभाल करने का फैसला लिया। इस फैसले ने मुझे जीने के लिए नयी ताकत दी और लगा जैसे मैंने अपने परिवार को ऊपर से मुसकुराते हुए पाया। एक वह दिन था और एक आज का दिन है अब उन बच्चों की जिम्मेवारी ही मेरा जीवन है। अब बस उनके लिए ही जीती हूँ, पति का व्यवसाय भी उन्हीं बच्चों की देखभाल के लिए सँभाला है।'

मीनाक्षी माँ की बातें सब बड़े हीं ध्यान से सुन रहे थे और सबकी आँखों से अविरल आँसू की धारा बह रही थी। जया में मीनाक्षी माँ को अपनी बेटी दिखाई देती थी इसलिए उनको जया से बहुत लगाव हो गया था। उनके मन के भावों को समझते हुए जया और बाकी की सभी महिला कर्मचारियों ने उन्हें गले से लगा लिया और कहा, 'अरे! हम सब हैं न आपके परिवार वाले, आप चिंता क्यों करती हैं।' इतना कह कर सब अपने मन में सोचने लगे कि ये बातें कितनी कमाल की चीज़ होती हैं, किसी से कहकर बोलकर, मन का दु:ख हल्का-सा लगने लगता है।

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ Syndicate

Evolving Trends in Housing Loan Landscape in India

Ipsita Pradhan
Senior Manager
Economist, S & DA Wing
HO, Bengaluru

Executive Summary

- The Indian housing finance market has been on a healthy growth trajectory, expanding at a CAGR of 14% over March 2021 to March 2024 to reach ₹22.6 lakh crore.
- There is good growth opportunity for housing loan in major cities like Bangalore, Mumbai, Pune and Chennai, particularly in the price segment of ₹1.5 crore -3 crore, which is witnessing significant rise and ₹50 lakhs-75 lakhs segment, which continues to hold the largest share of total sales.

Indian economy remains the fastest growing economy in the world in FY 2024-25 with its robust economic fundamentals and domestic demand conditions. RBI in its June 2024 monetary policy meet has revised upwards the growth projection for Indian economy to 7.2% y-o-y in FY 2024-25 as compared to earlier projection of 7%. Global multilateral agencies like IMF and World Bank have also revised upwards India's growth projection to 7% (Earlier: 6.8%) and 6.6% (Earlier: 6.4%) in their latest reports.

Trend of Housing Loan Growth March 2021 to March 2024

(in ₹ CR)	Mar-21	Mar-22	Mar-23	Mar-24	CAGR Growth
SCB	15,12,004	17,38,473	19,91,164	22,64,677*	14.4%
Canara Bank (CB)	64,326	73,828	84,364	93,482	13.3%

Note: SCB Housing Loan as on March 2024 is excluding impact of merger of HDFC with HDFC Bank

The positive economic growth outlook and investment optimism has been fueling a sharp uptrend in demand for housing with housing loan outstanding of Scheduled Commercial Banks (SCBs) as on March 2024 at ₹22.64 lakh crore, 1.5 times that of March 2021, with a Compounded Annual Growth Rate (CAGR) of 14.4% y-o-y and the trend continues to remain strong in the current financial year.

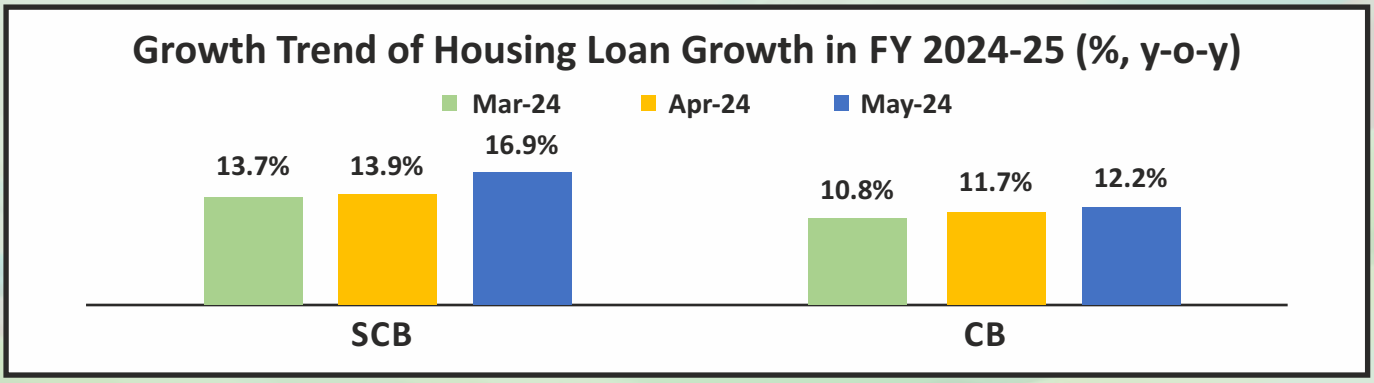

Source: Sectoral Credit Data of RBI and SIBC data of Canara Bank

Robust Growth trend in Housing Sales & New Launches

According to data compiled from JLL research report "Residential Market Update", the number of new residential units sold in March 2024 has recorded a robust growth of 20% y-o-y to 74,486 units as compared to 62,040 units in March 2023. The number of new units launched also recorded a growth of 5% y-o-y to 79,110 units in India's seven major cities (Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, Delhi NCR, Chennai, Pune, Kolkata).

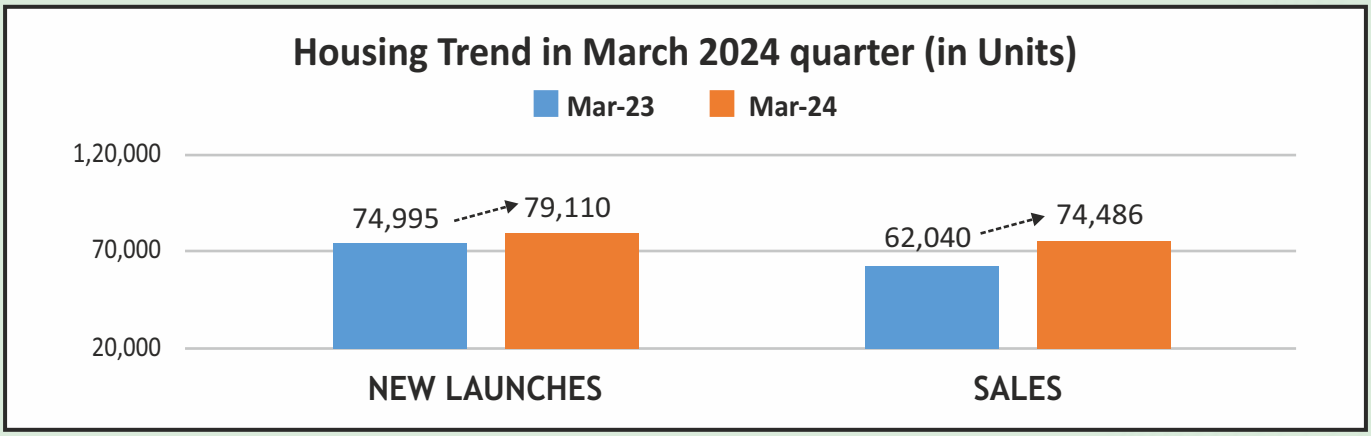

In terms of location, the highest y-o-y growth in sales is observed in Bengaluru (30%), Mumbai (27%), and Pune (15%), together accounting for about 64% of total units sold. As per the JLL report, Bengaluru and Pune recorded highest sales in the ₹50 lakh-75 lakh price segment, while Mumbai saw maximum sales in the ₹1.5 crore-3 crore price segment. In terms of new residential launches, Mumbai has recorded a y-o-y growth of 20% and Bengaluru has recorded a growth of 7% y-o-y.

The other city with notable growth momentum is Chennai, which recorded 32% y-o-y growth in sales of residential units and 29% growth in new launches. Hyderabad on the other hand has recorded a growth of 6% y-o-y in sales of residential units with robust 21% growth in new launches. Kolkata has witnessed a 58% growth in residential units sales in March 2024 quarter.

Trend of Sales of Residential units across Major Seven cities

City	Mar-23	Mar-24	% Growth Y-o-Y
Bengaluru	13,029	16,995	30%
Mumbai	12,988	16,544	27%
Pune	12,038	13,849	15%
Delhi NCR	10,139	10,153	0.1%
Hyderabad	8,123	8,593	6%
Kolkata	3,160	4,979	58%
Chennai	2,563	3,373	32%
Total	**62,040**	**74,486**	**20%**

Trend of New Residential Launches across Major Seven cities

City	Mar-23	Mar-24	% Growth Y-o-Y
Mumbai	16,867	20,224	20%
Hyderabad	13,844	16,728	21%
Pune	16,340	14,518	-11%
Bengaluru	11,745	12,616	7%
Delhi NCR	9,152	7,669	-16%
Chennai	3,310	4,262	29%
Kolkata	3,737	3,093	-17%
Total	**74,995**	**79,110**	**5%**

As per JLL report there is a noticeable surge in the number of high-value projects which are in the price bracket ₹1.5 crore – ₹ 5 crore segment, where the share of quarterly sales increased from 18% in March 2023 to 24% in March 2024.

The same trend is also corroborated by another report by Knight Frank for January-June of 2024. According to the report (which surveys 8 major cities in India including Ahmedabad), launches and sales of new housing units are up 6% y-o-y and 11% y-o-y respectively. Knight Frank report additionally shows that Ahmedabad is another important city that witnessed significant growth in residential units sales growth of 17% y-o-y in January-June 2024.

Home prices also are on an uptrend

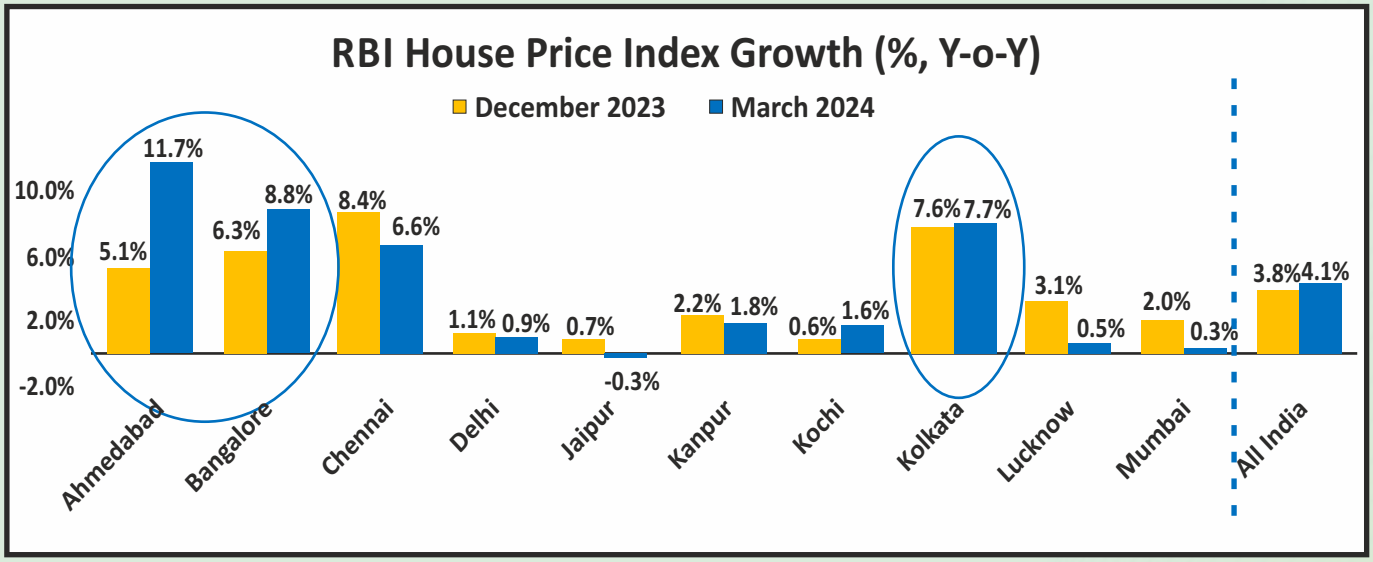

As per the RBI's Housing Price Index data, house prices have grown in annualized (y-o-y) terms at 'All India' basis from 3.8% in December 2023 quarter to 4.1% in March 2024. Sharp uptick in prices have been recorded in Ahmedabad, Bangalore and Kolkata with house price increased to 11.7%, 8.8% and 7.7% respectively. Increasing prices and appreciation in capital value is expected to draw higher investment into real estate by HNIs and NRIs.

Our take.....

The above analysis shows that there are good growth opportunities for housing loans in major cities like Bangalore, Mumbai, Pune and Chennai, particularly in the price segment of ₹1.5 crore -3 crore, which is witnessing significant rise and ₹50 lakhs-75 lakhs segment, which continues to hold the largest share of total sales.

The robust economic growth forecast for the domestic economy in FY 2024-25 of 7.2% y-o-y (RBI) along with Government's policy focus in the affordable housing segment is expected to keep the momentum in residential real estate market in India, boding well for the credit growth in the housing segment.

Views/opinions expressed in this research publication are views of the research team and not necessarily that of Canara Bank or its subsidiaries. The publication is based on information & data from different sources. The Bank or the research team assumes no liability if any person or entity relies on views, opinion or facts and figures finding in this project.

Owning a home is the most desirable thing for all, it acts as your fiscal wealth and mental security.

Canara Institute of Bank Management (CIBM) - Manipal Campus: A Sustainable Hub for Banking Prowess

– Learning & Development Vertical, HR Wing

"Standing Tall, Shaping futures"

Canara Institute of Bank Management (CIBM) - Manipal Campus: A Sustainable Hub for Banking Prowess

Nestled in the serene and picturesque surroundings of Manipal, the Canara Institute of Bank Management (CIBM) erstwhile SIBM stands as a testament to Canara Bank's commitment to fostering a culture of excellence and continuous learning. This state-of-the-art training campus is more than just a learning center; it is a green oasis that embodies the principles of sustainability and innovation, creating an ideal environment for personal and professional growth.

Commitment to Sustainability

CIBM's commitment to sustainability is evident in its sprawling 15-acre campus, which is a harmonious blend of modern architecture and natural beauty. The campus features lush green gardens, a 750-meter walking track through mango trees, and outdoor playgrounds for cricket and volleyball. This green environment not only provides a tranquil setting for learning but also reflects Canara Bank's dedication to environmental stewardship.

In recognition of its sustainable practices, CIBM has been awarded the IGBC Green Campus Award (Silver) for the period 2024-2029. The campus also boasts a wastewater recycling unit, ensuring that water conservation is a key priority. The recycled water is used in sprinkler irrigation of the garden, showcasing a practical approach to sustainability. Moreover, CIBM has implemented a solar power unit with a capacity of 222 kw, aiming to save around 50% of its electricity bill and further reduce its carbon footprint.

State-of-the-Art Infrastructure

The infrastructure at CIBM is world-class, with well-furnished learning rooms equipped with modern training aids. The main block houses three learning rooms with a capacity of 45 each, three computer labs with 100 computers, and a library stocked with a wide range of books, magazines, and journals. The library is spacious and also features a digital library, providing trainees with access to a vast array of online resources.

The entire campus is Wi-Fi-enabled, ensuring that participants have seamless access to the Internet for their research and learning needs. The new block comprises two learning rooms fully equipped with modern facilities, a mini conference room, and a computer lab with over 80 computers.

Additionally, the campus features an artistically designed conference hall with a seating capacity for 75 persons and a beautiful auditorium that can accommodate 150 persons, both fitted with advanced audio-visual equipment.

The hostel block, surrounded by lush green lawns and a beautiful rose garden, provides a comfortable stay for participants. The air-conditioned hostel rooms are equipped with modern amenities, including a gymnasium, and the canteen serves a wholesome range of hygienic vegetarian food. Daily doctor visits are arranged to ensure the health and well-being of the participants.

Certified Excellence

CIBM's dedication to quality and excellence is underscored by its ISO 9001:2015 certification. This certification reflects the institute's commitment to maintain the highest standards in its training programs, administrative processes, and overall management. CIBM has also been recognized with the Golden Globe Tiger Award for Excellence in Training twice, in 2024 and 2022. In 2022, CIBM won the Golden Globe Tiger Award for Best Technology Implementation in Training for its CanDLE and TIMES packages. Additionally, in 2023, it received awards for Best Training & Development Practices in the Banking Sector and Best Use of Technology in Training - Banking Sector from the National BFSI Awards for Leadership & Business Excellence.

Comprehensive Training Programs

Training at CIBM is not just about imparting knowledge; it is about holistic development. The institute offers a wide range of training programs, including:

1. Credit (Corporate, Retail, Priority Sector, MSME, Agriculture & Gold Loans)
2. Credit Monitoring, Legal & Recovery
3. Foreign Exchange
4. HR, Marketing, Customer Service, and Compliance
5. Digital Banking and Technology (including Cyber / Information Security)
6. Internal Control, Inspection, and Risk Management

These programs are designed to address the specific needs of banking professionals at various levels, from basic to advanced, ensuring that the training is relevant and impactful. The training methodology includes a mix of lectures, presentations, case studies, problem-solving exercises, gamification, simulations, role plays, and collaborative learning activities.

Faculty and Support

The institute is supported by a team of dedicated and experienced faculty members with specializations in various areas of banking and finance. They bring a wealth of knowledge and practical experience, ensuring that the training provided is of the highest quality. The faculty members are regularly updated with the latest industry standards through faculty development programs and

external training at reputed institutes.

A Technological Powerhouse

CIBM is at the forefront of integrating advanced technology into its training methodologies, making it a beacon of modern learning in the banking sector. The campus boasts the Training Information Management and Evaluation System (TIMES), a comprehensive platform that covers the entire lifecycle of training programs. TIMES ensures that all training processes are streamlined, transparent, and data-driven, thereby enhancing the overall effectiveness of the training provided.

Additionally, the Canara Digital Learning Experience (CanDLE) hosts a plethora of e-learning courses, catering to the diverse needs of banking professionals. This platform is not just about delivering content; it is about engaging learners through interactive and innovative methods. From podcasts and circular talks to Can Info Pro videos and FAQs, CIBM employs a multifaceted approach to cater to different learning preferences and needs.

Continuous Improvement and Innovation

CIBM is committed to continuous improvement and innovation in its training delivery. The training programs are evaluated through structured feedback and performance metrics, ensuring that they remain relevant and effective.

The institute also embraces digitalization in its training processes, making the entire training flow online and paperless through the CanaraTIMES package. This includes automated feedback tracking, online cost and budget tracking, automatic evaluation, online scheduling of trainings, and providing 24x7 access to relevant study materials.

Geography and Weather

Located at coordinates 8QPJ+8WV, 2nd Stage, Ananth Nagar, Manipal, Karnataka 576104, the CIBM campus enjoys a prime location atop Manipal Hill. This location offers a panoramic view of the green valleys and the Arabian Sea towards the west. The region is known for its moderate climate, with pleasant temperatures throughout the year, making it an ideal setting for learning and relaxation.

Manipal, a university town, is renowned for its educational institutions and vibrant student life. The town provides a blend of modern amenities and natural beauty. Nearby attractions include the End Point Park, which offers breathtaking views of the Arabian Sea and the Western Ghats, and Malpe Beach, a perfect getaway for those looking to unwind by the ocean.

The climate in Manipal is characterized by a mix of coastal and tropical climates, ensuring cool breezes and comfortable humidity levels. The monsoon season brings refreshing rains that enhance the lush greenery of the campus, while the winters are mild and inviting. This serene and picturesque environment contributes significantly to the overall learning experience, providing a peaceful backdrop for intensive study and reflection.

Conclusion

The Canara Institute of Bank Management (CIBM) in Manipal is more than just a training center; it is a symbol of Canara Bank's commitment to excellence, sustainability, and innovation. The serene and green environment, state-of-the-art infrastructure, comprehensive training programs, and dedication to continuous improvement make CIBM a premier destination for banking professionals seeking to enhance their skills and contribute to the growth of the organization. Employees can take pride in being part of such a forward-thinking and environmentally conscious institution, ensuring that they are well-equipped to meet the challenges of the modern banking world.

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ ಸಿಂಡಿಕೇಟ Syndicate

Workplace Wisdom Crossword

S Devanarayanan
Senior Manager
CIBM manipal

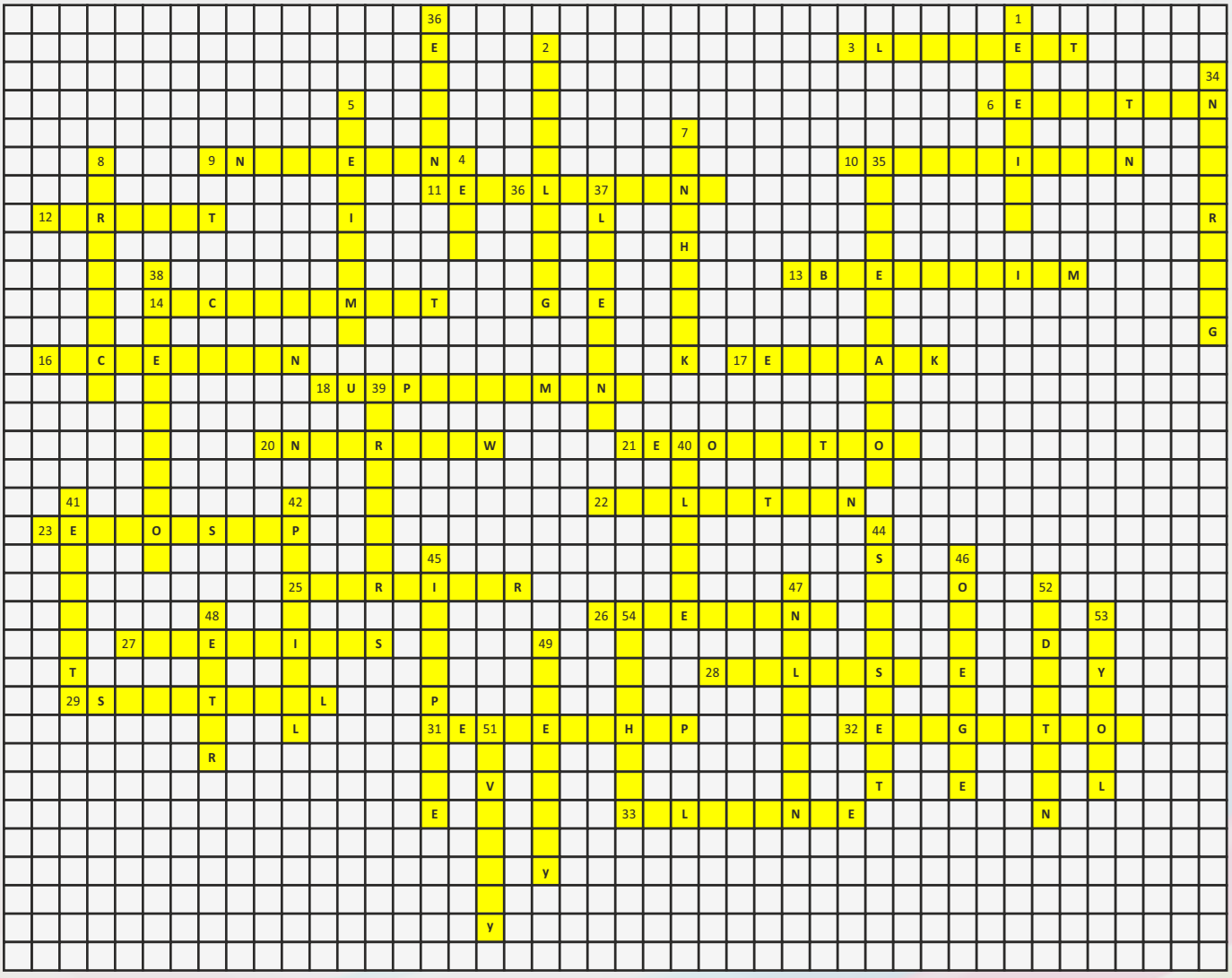

Answers on page 31 to the Workplace Wisdom Crossword

"People are an organisations most valuable asset and the key to its success".
– Dave Bookbinder

--------- Workplace Wisdom Crossword ----------

Clues : The number in the bracket represent number of alphabets in the word.

DOWN :

1 Compensation provided to employees in addition to salary. (8)
2 Training to enhance employees' current skills. (10)
4 Workplace Collaborators. (4)
5 A flexible work schedule that allows employees to vary their arrival and departure times. (9)
7 A standard used to measure HR practices. (9)
8 The total number of employees in an organization. (9)
34 The procedure of integrating a new employee into an organization. (10)
35 Payment or benefits received for services or employment. (12)
36 Echo with wisdom. (7)
37 The action of finding a job for someone. (12)
38 The act of introducing new employees to the organization. (11)
39 The rate at which employees leave and are replaced in an organization. (8)
40 The values, beliefs, and behaviours that shape how a company operates. (7)
41 Compensation provided to employees in addition to salary. (8)
42 Evaluation of an employee's job performance. (9)
44 The process of evaluating an employee's skills, performance, or qualifications. (10)
45 The practice of training people to obey rules or a code of behaviour. (10)
46 A person with whom one works in a professional setting. (9)
47 Ensuring all employees feel valued and integrated into the workplace. (9)
48 An experienced advisor who guides and supports a less experienced employee. (6)
49 The inclusion of individuals from a variety of backgrounds, cultures, and perspectives in the workplace. (9)
51 Actively supporting or promoting the interests and rights of employees. (8)
52 A process where a neutral third party helps resolve workplace conflicts. (9)
53 The process of managing the payment of wages to employees. (7)
54 Guiding employees to improve performance and develop skills. (8)

ACROSS :

3 Ensuring organizational goals and employee actions are in sync. (9)
6 A flexible work schedule that allows employees to vary their arrival and departure times. (9)
9 The level of commitment and enthusiasm employees have towards their job. (10)
10 The process of obtaining another company or talent. (11)
11 The process of enhancing employees' skills and career growth. (11)
12 Extreme physical or mental exhaustion due to overwork. (7)
13 Frequent absence from work without good reason. (11)
14 The process of finding and hiring the best-qualified candidates. (11)
16 Planning for future leadership roles and filling them with qualified employees. (10)
17 Information about reactions to a product or a person's performance. (8)
18 Support services provided to employees who are leaving the organization. (12)
20 A formal meeting to assess a candidate's suitability for a job. (9)
21 Acknowledging and rewarding employees' contributions and achievements. (11)
22 The process of assessing an employee's performance and productivity. (10)
23 Guidance provided by a more experienced person to a less experienced one. (10)
25 A person who specializes in finding and attracting candidates for jobs. (9)
26 The process of evaluating candidates for a job. (9)
27 Rewards given to motivate employees to achieve specific goals. (10)
28 Initiatives to promote physical and mental health among employees. (8)
29 Extended leave granted to an employee for rest or professional development. (10)
31 The ability to guide and influence others within an organization. (10)
32 Acknowledgment and appreciation of an employee's achievements. (11)
33 A formal complaint raised by an employee regarding workplace issues. (9)

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

Refer to "drawer" by:
K P Ramesh Rao

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

किस्सा है चौबे जी का

गौरव जोशी
वरिष्ठ प्रबंधक
एलडीसी, नागपुर

एक बेहद खुशमिजाज़ व बाला हृदय वाला शख़्स। एक बड़े से प्रदेश के ठीक–ठाक शहर में रहता हैं, जहां चीज़ें व फ़ैशन बड़े शहरों के बाद लेकिन छोटे गांवों के पहले पहुँच जाता हैं। जहां की हवा बड़े शहरों में रह रहे उनके बच्चों के लिए साफ व गाँव में रह रहे अम्मा–बापू के लिए खराब है। सरकारी नौकरी में हैं चौबे जी, ऐसी नौकरी जहां दिन में चलना कम रहता है, जिसकी बाबत उनका कभी गठीला रहा शरीर अब गठरी जैसा हो चला है। कभी–कभी ख़याल आता है कि व्यायाम को आयाम दिया जाए, लेकिन मानसिक थकान शारीरिक ऊर्जा को पटकनी दे देती है और घर आते ही चौबे जी लग जाते हैं सोशल मीडिया पर बाकियों को कसरत–व्यायाम और न जाने क्या–क्या अनुसरण करते देखने में।

सब ठीक ही चल रहा है चौबे जी की जिंदगी में, बस एक ये जो नया लड़का आया है दफ्तर में वो रोज़ रोज़ आकर एक घंटा चौबे जी को शारीरिक व्यायाम व पौष्टिक आहार पर पाठ पढ़ाकर जाता है। एक दिन उसने कहा कि आप फलां तरीके से कसरत कीजिये और देखिये एक महीने में आपका सारा मोटापा गायब हो जाएगा। बेचारे भोले–भाले चौबे जी न जाने कैसे एक दिन उसकी बातों में आ गए और एक महीना जैसे–तैसे रो पीट कर उसकी बताई हुई कसरत करते रहें लेकिन उनके ये भारी शरीर की गठरी की एक गांठ भी न खुली। एक महीना पूरा होने पर जब वो नया लड़का फिर आया अपना प्रवचन देने तो भरे बैठे चौबे जी चाय–पानी ले कर चढ़ गए कि समय भी ज़ाया हुआ और कोई फायदा भी नहीं हुआ।

नए लड़के ने पहले भौहें चढ़ाई, फिर दाढ़ी खुजाई, कुछ देर सर भी खुजलाया, चौबे जी की मेज के आगे चार– छः चक्कर भी लगाए फिर उसने पूछा 'अच्छा, ये आप कसरत करने के पहले और बाद में खाते क्या हैं?' चौबे जी ने पूरी शान से गली के एक नुक्कड़ से लेकर दूसरे नुक्कड़ तक लगी सभी चाट पकौड़ी की दुकानों पर मिलने वाले पकवानों की गाथा सुनानी शुरू कर दी कि 'ज्यादा तो नहीं बस सुबह उठकर एक दही–जलेबी, फिर तिवारी की चाय के साथ कुछ चार पाँच कचोरी, फिर तो बस घर आकर अपना दो पराँठे और आचार का हल्का–फुल्का नाश्ता करने के बाद कसरत करता हूँ, फिर बस नहा–धोकर दफ्तर, कसरत के बाद तो खाने का वक़्त ही कहाँ मिलता है! दफ्तर आते–आते इतनी भूख लग जाती है कभी रास्ते में कुल्चे वाली गली से निकलते हैं तो खा लिए नहीं तो यूं ही भूखे ही रहना पड़ता है लंच टाइम तक, चाय पी–पी कर भूख मारनी पड़ती है' चौबे जी ने दिन की तीसरी चाय का कप रखते हुए कहा।

नया लड़का आँखें फाड़े एकटक चौबे जी को देखता रहा कुछ देर, तो चौबे जी ने गुरूर से कहा, 'अब घूर क्या रहे हो, बता तो दिया, और क्या बताएं, बस इतना ही खाते हैं, कसरत के पहले और बाद में, फिर भी तुम्हारी बताई कोई कसरत कुछ असर नहीं दिखा रही, दिन भर नींद आती रहती है वो अलग।'

अपना माथा पीटते और झुँझलाते हुए उस नए लड़के ने कहा, 'अरे रे रे! चौबे जी! थम जाइये। क्या फ़ायदा मेरे इतना कुछ बताने का, आप समझे ही नहीं। सारा खेल तो यही है न, आप कसरत तो कर रहे हैं परंतु अपने शरीर को उचित आहार भी तो देना चाहिए ना, आप लगे हैं कुल्चा–कचोरी में जबकि आपके शरीर को चाहिए प्रोटीन।' चौबे जी ने बड़े असमंजस से नए लड़के को देखा फिर सर खुजाया, 'प्रोटीन!' फिर स्कूल में रटी हुई कुछ पंक्तियाँ दोहरा गए, 'भोजन का वह अवयव जो पौधों और हमारे शरीर की वृद्धि करता है तथा इनके टूटे–फूटे तन्तुओं को सुधारता है, प्रोटीन कहलाता है। लेकिन इस सबका मेरी कसरत और मेरे मोटापे से क्या लेना देना?' नया लड़का फिर बोला, 'अरे चौबे जी, लेना देना है। ये प्रोटीन ही है सफलता की सीढ़ी, आप कसरत कीजिये और उसके पहले और बाद में ये ऊल–जलूल खाने की जगह अच्छी मात्र में प्रोटीन लीजिये,

देखिएगा आपको न तो दिन भर भूख लगेगी न ही थकावट रहेगी।' इस बार नए लड़के ने पुख्ता तरीके से चौबे जी को पूरा डाइट प्लान व रोज की कसरत का लेखा तैयार करके दिया। नए लड़के ने अब इस टाइम पास को गंभीरता से ले लिया था नहीं तो चौबे जी पूरे दफ्तर में उसकी चुगली करते फिरते और चौबे जी भी इस काम को इसलिए गंभीरता से ले रहे थे नहीं तो ये कल का आया लड़का पूरे दफ्तर में उनकी चुगली करते फिरेगा।

तो अब चूंकि चौबे जी शाकाहारी थे सो विकल्प कम ही थे प्रोटीन के उनके पास लेकिन फिर भी नियम से बादाम भिगो कर खाना व एक पूरी टिक्की पनीर की निपटा जाना आम बात हो गयी थी उनके लिए। अब लाला की दुकान से दही–जलेबी की जगह पनीर आता था और तिवारी की चाय के साथ कचौरी नहीं मटर आती थी। अब ये केवल चौबे जी की लड़ाई नहीं बल्कि पूरी गली के ठेले वालों के लिए कौतूहल का विषय बन गया था कि चौबे जी जल्दी ही गठरी से सुतली (रस्सी) बनने वाले हैं।

एक हफ्ता ही हुआ था इस आंदोलन को रफ्तार पकड़े की तभी एक दिन सुबह–सुबह नया लड़का अखबार लिए दौड़ता हुआ चौबे जी के पास आया और दिखाया कि अखबार में खबर आयी है शहर की अधिकांश दुकानों पर एनालॉग पनीर बिक रहा है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है चौबे जी के मुंह से यकायक निकला, 'तो हमारे पुरखे डिजिटल पनीर खाते थे क्या?' 'अरे नहीं चौबे जी। क्या बोल रहे हैं आप। पूरा पढ़िये, एनालॉग मतलब नकली पनीर। अब तो दो ही रास्ते हैं चौबे जी।' नए लड़के ने आँखें छोटी करते हुए अपने होंठों को भींचते हुए कहा। कुछ हताश से हुए चौबे ने पूछा, 'रहूँगा तो मैं शाकाहारी ही, तुम दूसरा रास्ता बताओ।' एक लंबी गहरी सांस लेते हुए नए लड़के ने मशविरा दिया 'तब तो फिर आप पनीर खुद से ही बना लीजिये घर पर, ये ही सही रहेगा, कुछ डिजिटल एनालॉग नहीं एकदम ऑर्गेनिक।'

अभी बेचारे मासूम चौबे जी को घर का बना पनीर मुंह दुखने तक चबाते हुए कुछ दिन ही गुजरे थे कि फिर अखबार में खबर आयी कि बाज़ार में बिकने वाला दूध कई तरह के हानिकारक पदार्थों से बनाया जा रहा है, जिसका सेवन करने से फायदा कम व नुकसान ज्यादा है। चौबे जी फिर अपना सा मुंह लेकर बैठे थे दफ्तर में कि अब उनके खास मित्र बन चुके नए लड़के का फिर से आगमन हुआ और चौबे जी ने अपनी हताशा व्यक्त की, कि आज तो चिंता के मारे सुबह मटर वाली चाट भी नहीं खायी, पनीर से भी अब तौबा ही कर ली है, खाली चाय पी–पीकर जीभ छिल गयी सो अलग। चूंकि चौबे जी के इस आंदोलन की खबर अब पूरे दफ्तर को हो गयी थी सो, अब चौबे जी के गठरी जैसे शरीर को गठीला बनाना नए लड़के की इज्ज़त का भी सवाल हो गया था। लेकिन नए लड़के ने भी हार नहीं मानी, फिर कुछ सोचने विचारने लगा, फिर से भौहें चढ़ाई, फिर दाढ़ी खुजाई, कुछ देर सर भी खुजलाया, चौबे जी की मेज के आगे चार– छः चक्कर भी लगाए और फिर ज़ोर से मेज पर हाथ पीटता हुआ बोला, 'अरे सारी दिक्कत इस दूध की ही तो है न! आप छोड़िए दूध को, आप सोयाबीन के दूध से बनाइये पनीर और तो और चाय के लिए तो आप बादाम का दूध इस्तेमाल कर सकते हैं। घर पर ही बनाइये, मिलावट की कोई कसर ही नहीं, पौष्टिक भी है और एकदम सोशल मीडिया वाला #औथेंटिक भी।'

अगले दिन, दिन नहीं रात को चौबे जी ने कप भर बादाम भिगोये, फिर अगली सुबह उनको पीस कर दूध बनाया, छाना और पतला किया। फिर घर से तीन किलोमीटर दूर स्थित एक दुकान से सोयाबीन का दूध लेकर आए, फिर उसको फाड़कर पनीर बनाने के लिए रखा, फिर यह सब कार्यक्रम करते हुए रसोईघर में फैले त्राहिमाम को घंटा भर समेटा। जब तक कसरत करने का समय आया तो चौबे जी थककर पस्त हो चुके थे, सो किसी तरह उठकर अपने लिए एक गरमा–गरम चाय बनाई और पूरे इत्मिनान के साथ बैठकर जब चौबे जी ने इस बादाम के दूध की चाय की चुस्की ली, तो बस पूरे शरीर ने इस अटपटी चाय के खिलाफ एक साथ आंदोलन सा कर दिया आँखें भिंची, जीभ बाहर आयी, जिस हाथ में कप था वह स्वतः ही दूर हो गया, और चौबे जी के मुंह से निकला, ''आआ....य हाय! ये क्या पी लिया' कुछ क्षण तो चौबे जी को लगा कहीं गलती से जहर तो नहीं पी लिया, फिर लगा दूध की जगह छाछ तो नहीं डाल दिया चाय में, फिर लगा कि कहीं छिपकली तो नहीं गिर गयी थी चाय में और दूध फट गया और अब बस वे कुछ ही पल के मेहमान हैं, 'हे राम! अम्मा बापू जी का ध्यान रखना, मेरे बच्चों को सद्बुद्धि देना...' जब हाथ जोड़े प्रार्थना करते–करते चौबे जी को एक मिनट हो गया और वे ज़िंदा ही रहे तो धीरे से आँखें खोली व सचमुच बेचारे बालहृदय चौबे जी की जान में जान आयी। इस चायरूपी भुलावे को रसोईघर की सिंक में

फेंक, अच्छे से कुल्ला करके थके हारे लेकिन तमतमाए हुए चौबे जी ऑफिस पहुंचे, और आज तो सचमुच भूखे ही थे, लेकिन फिर भी सोचा कि आज तो इस नए लड़के की जमकर खबर लेने के बाद ही अपना व्रत खोलेंगे लेकिन पता लगा की महाशय लंबे अवकाश पर गए हुए हैं, सो चौबे जी ने एक गहरी सांस ली, कुछ सोच ही रहे थे कि दफ्तर के ही एक पुराने मित्र छोले–भटूरे ले कर आ धमके, चौबे जी ने भटूरे और चाय के साथ अपनी सारी आपबीती उन मित्र से कह सुनाई, तो वो मित्र ठहाका लगते हुए बोले, 'अरे चौबे, तुम भी कहाँ नए नए बच्चों की बातों में आ गए, जब तुम उसकी उम्र के थे तो तुम भी तो एकदम गठीले हुआ करते थे, शरीर तुम्हारा भारी हो चला है लेकिन हाँ स्वास्थ्य तो दुरुस्त है ना! औथेंटिक, ऑर्गेनिक सब मोह माया है, आत्मस्वीकृति की राह पकड़ो और मौज लो जिंदगी की।'

एक महीना हो गया है इस बात को, गली के सभी ठेले वापस चौबे जी की खुशमिजाज़ी से गुलज़ार हैं, खास कर तिवारी जी की चाय और मटर की कचौरी, हालांकि अब चौबे जी ने संतुलन बनाना शुरू कर दिया है घर और बाहर के खाने में, समय निकाल कर थोड़ा–बहुत व्यायाम भी करते हैं, लेकिन नए लड़के का अपने पास फटकना बंद कर दिया है। खुश हैं अब चौबे जी, अपनी चाय की चुस्की और आत्मस्वीकृति के साथ।

*****

Answers to the Workplace Wisdom Crossword on page 26

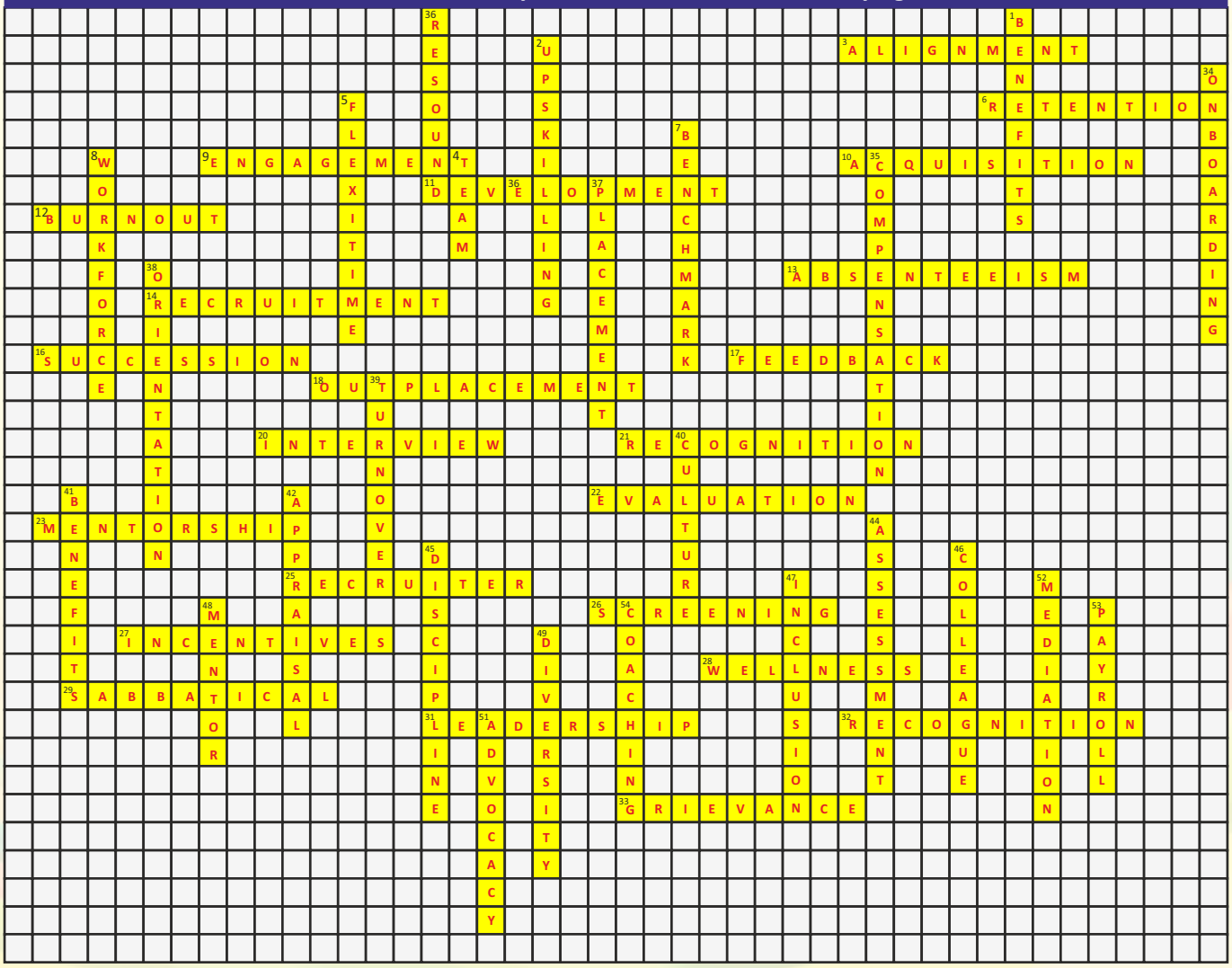

GRATITUDE

T. Vineetha
Divisional Manager
Mandya RO, Mandya

"To mark my 30 years with our bank that has provided me with prosperity and opportunities to lead a fulfilling life, I dedicate this humble poem "Gratitude" to my organization".

It was on a fine winter day,
A hesitant Sun emerged from the blanket,
And the golden robe covered the eastern Sky,
With rays of sunshine and chirping of birds

Bells rang in the temple,
Colorful and decorated with flowers
It was a festive mood all around.
Caparisoned elephants,
Holy chants and music followed.

The procession is underway with the Deity
On the elephants, the priests rode,
Raising their hands devotees prayed
By chanting slokas loudly.
A spiritual aura was everywhere.

Standing in line for darshan
With closed eyes praying silently,
Was suddenly awakened by a voice
Before me was a middle-aged woman.

Tears rolled down her cheek and
With folded arms she came.
Could not recollect her
But her eyes were familiar.

She came closer, bowing her head,
The woman whispered, "You are my God.".
Holding my arms, sobbingly she continued.
'You gave new life to my better half.'

With the small loan amount, I gave
Her partner's eyesight was regained.
Gratitude shown in this gesture,
Is something I will always cherish.

"उम्मीदें"

प्रमोद रंजन
प्रबंधक
बेट्टैया मुख्य शाखा

चिलचिलाती गर्मी में जब
अचानक से आवाज होती है,
वो मंद मंद अद्भुत सी हवाओं
का झोका पास होती है ॥

पंछी डरकर नहीं,
जी कर अपनी उड़ान भरते हैं,
चारों ओर चंद मिनटों में
ठंड की मिठास लिए उभरते हैं ॥

फिर टिप–टिप बूंदें
धीरे–धीरे भीगा देती है धरा को,
मानो बंजर बना खलिहान
भी सिर्फ एक पेड़ से हरा हो ॥

कुछ उसी तरह, जो अधूरा हो
तो पूरा करने की चाह ठहर जाता है,
पूरा हो फिर भी कुछ खाली रह जाता है,
"उम्मीदें" महज सितारों की एक उड़ान सी ही तो है ॥

Gujarat - Where Heritage meets Progress-AMUL

Mousumi Mohanty
Officer
HRM section, RO Cuttak

When the topic is Gujarat it is almost inevitable to skip-**"Utterly, Butterly, Delicious "- Amul** - the creation of Gujarat. Since 1946, Amul is the brand managed by **Gujarat Co-operative Milk Marketing Federation Ltd (GCMMF).**

The brand Amul has been a part of almost every Indian house hold from the breakfast to dinner table. **The story of Amul originates from the land of Gujarat.** Amul is based in Anand, Gujarat. Amul originated from the rural landscapes of Gujarat, where farmers were struggling against middlemen's exploitation in the milk supply chain.

Dr Verghese Kurien, also known as **Father of the White Revolution** in India, played a very important role in shaping the destiny of these farmers. He organized the dairy co-operatives to address this issue. Dr Kurien, a visionary engineer and social entrepreneur changed the landscape of India's Dairy sector. It was his efforts that led to the birth of Kaira District Cooperative Milk Producers Union Ltd, later known as Amul, in 1946. The White revolution in India, aimed to increase milk production and create a sustainable model for dairy farming. It introduced modern techniques in dairy farming, improved the quality of cattle and provided training to the farmers.

The co-operative model was also instrumental in Amul's success. Small dairy farmers came together to form village level co-operatives that collected, processed and marketed milk. This model ensured fair prices for farmers and reduced the role of middlemen. The Amul's co-operative model , characterised by its integrity and unwavering commitment to quality, has set a precedent for sustainable and equitable development in various sectors.

Amul has undergone several product diversifications and product enhancements to remain unbeaten in this competitive era. The story of Amul is also a wonderful teaching on how product diversification can help survive competition. Amul diversified its product range to include a wide array of dairy products such as ice-cream, other dairy products like

paneer, yogurts, milk based sweets, chocolates and even biscuits.

Amul's advertising campaign have always been on the top list. In fact one of the most iconic aspect of the Amul's success story is its advertising campaigns. The "Amul Girl "series of advertisements featuring the little girl with witty and humorous commentary on current issues is immensely popular. This "Amul Girl" has not only brought smiles on the faces of billions of audiences but have also left an indelible mark on India's advertising history. This iconic "Amul Girl" has given a unique recognition to the brand. The Amul Girl has tied herself to the Indian Cultural Landscape and is very popular because of her sharp wit and ability to comment on the current issues. Infact the Amul Girl has been the most successful Indian advertising mascot till date.

Amul is a brand that has expanded itself from Gujarat to the Global stage. Amul has established itself as a trusted brand with high quality products. Their brand name became synonymous with quality dairy products. Amul's success in Gujarat led to its expansion to other states in India. Under the umbrella of the Gujarat Co-operative Milk Marketing Federation(GCMMF), Amul formed a nationwide network of dairy co-operatives. Amul's products are not only popular in India but also have found a place in the international markets. The brand has a presence in over 50 countries. Amul is not just the 'The Taste of India' but also the 'Pride of India'. This indigenous brand had created a niche for itself at international level.

GCMMF became the first Indian Dairy firm to make it to the top 20 list in 2020 in the list of top dairy companies in the world. Amul has moved up to be the 12th largest dairy in 2023.

Amul's success story serves as a remarkable example of how a co-operative model can transform an entire industry, empower farmers and build a globally recognised Brand. Amul still continues to be a symbol of self-reliance and the power of collective action in India's dairy sector.

Amul's story emphasises how the power of collective action, innovation and perseverance can lead to organisational success. From its humble beginnings in the villages of Gujarat to its Global recognition, Amul's journey has been extraordinary. It has not only changed the face of the dairy industry but has also positively impacted the lives of countless small farmers, giving them a newfound sense of dignity and economic security.

It is clear that the principles of co-operation, self-reliance and dedication to quality are universal values that bring transformation and prosperity to any organization. The journey of Amul reminds us that, even in the face of adversity, unity and innovation can pave the way for a brighter and more equitable future.

Amul's story continues to inspire and educate, showing that when individuals come together for a common purpose, they can achieve remarkable feats. It serves as a reminder that with vision, determination and commitment to improve lives, we can create a lasting legacy that transcends generations.

One brand-AMUL- that teaches us many lessons on teamwork, proper planning, diversification of products with changing dynamics, selecting appropriate marketing strategies and the perfect brand positioning.

Amul is the perfect example to draw inspiration. It underlines the fact that the key to any business is being customer driven, adapting quickly to the changing environment and getting ready in advance to meet the anticipated challenges.

*****

बचत के सुक्त

बी.के. उप्रेती
वरिष्ठ प्रबंधक (सेवानिवृत्त)
केनरा बैंक

बचत के सुक्त जो शख्स अपनी जेब खर्ची की रकम से भी,
कुछ बचा लेता है, वह बचत के महत्व को बखूबी समझता है।

गोस्वामी तुलसीदास रामचरितमानस में लिखते हैं,
नहिं दरिद्र सम दुःख माहीं। संत मिलन सम सुख जग नाहीं।।

मतलब दरिद्रता से बड़ा दुःख इस संसार में नहीं है ।
और संत का मिल जाना सबसे बड़ा सुख है।

यदि आप दरिद्रता से मुक्ति चाहतें हैं तो आज से ही बचत की आदत डालें।
बचत की आदत आपको ज़िंदगी में किसी के सामने हाथ फैलाने नहीं देगी।
बचत की आदत मतलब सुखमय और समृद्ध जीवन की गारंटी।

मुझे ध्यान से सुनो। मैं समय हूं।
यदि तुमने समय पर बचत करना सीख लिया,
मैं तुम्हें वचन देता हूं, जीवन में हरदम तुम्हारे साथ रहूंगा।

खा पीकर, जो बचा, वह बचत नहीं है।
खर्च करने से पहले जो बचा लिया,
वह ही असलियत में बचत है।
यही है, बस यही है, बचत का सिद्धांत।

संत कबीर एक दोहे में कहते हैं,
मांगन मरण समान है, मति मांगों कोई भीख।
मांगन से मरना भला। यह सतगुरु की सीख। ।

मतलब, मांगना मरने के समान है।
लेकिन बचत की आदत है समाधान।

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ Syndicate

गुजरात – अनमोल धरोहर

अंशु चौधरी
वरिष्ठ प्रबंधक
मिड कोर्पोरेट साख विभाग
प्रधान कार्यालय

गुजरात की धरती, अनमोल धरोहर,
इतिहास के पन्नों में, अनगिनत कहानी का जोर।

द्वारका नगरी, कृष्ण की छवि,
सोमनाथ में शिव की असीम शक्ति।

रण के रेगिस्तान में सफेद चाँदनी,
साबरमती के तट पर गांधी की वाणी।

लाठी और नमक का सत्याग्रह,
अहमदाबाद की गलियों में व्यापार का रंग।

साँझ के समय गिर के जंगल,
जहां सिंह की दहाड़ भर देती उमंग।

कच्छ की रैन में रंगीन कच्छी कला,
राजकोट, सूरत की समृद्धि की गाथा।

विरासत की धारा, यहाँ बहती है प्रचंड,
प्रगति के पंखों से उड़ता है गुजरात अखंड।

नवाचार और उद्योग की राह,
दुनिया के मानचित्र पर चमकता है गुजरात।

धरोहर और विकास का संगम,
गुजरात की गाथा अनमोल, अनंत अद्वितीय रंग।

कारोबार रणनीति बैठक, प्रधान कार्यालय, बेंगलुरु

Business Strategy Meet, HO, Bengaluru

CIBM

VR (Virtual Reality) training was conducted for newly joined probationary officers and CSAs by CIBM in collaboration with IT Wing. This initiative aimed to enhance the onboarding experience for new staff, equipping them with necessary skills and confidence from day one.

The International Day of Yoga with the theme "Yoga for self and society" was observed at CIBM, Manipal, on 21st June 2024. The session was inaugurated by Sri. Karthikeyan G, AGM, CIBM Manipal. Yoga Practitioners Smt. Harshini Ravi Shetty & Smt. Sujatha Acharya, Udupi conducted the session.

First Time Regional Heads' Training Programme was organized at CIBM Manipal from 15.7.2024 to 20.7.2024 for 49 Executives. The Programme was inaugurated by Sri Ashok Chandra, ED. The insights given by him enriched and encouraged the Regional Heads towards professional growth, ensuring the development of the business of the Bank. Eminent speaker, Dr Fareed Ahmed, Ex-Executive Director of Punjab & Sind Bank conducted sessions on leadership topics. Faculty Members from T A Pai Management Institute, Manipal conducted sessions on self-awareness, team-building, leadership, effective communication, customer-centricity and emerging areas like Artificial Intelligence and Machine Learning.

AHMEDABAD

Sri. Pranay Ranjan Deo, GM, SAM Wing, HO, visited Ahmedabad Circle on 5th & 6th July 2024. GM met Sri Dinesh Suthar, CEO GUJCOMASOL, Sri Ratankanvar Gadhvi Charan (IAS), State Project Director, Samagra Shiksha, Sri R K Sugoor (IFS), Director Geer Foundation & Sri Pradeep Tolani, Director Tolaní Projects Pvt Ltd along with Sri Amarjit Singh, DGM, & Sri Satinder Anand, AGM Ahmedabad CO. In the interaction, the GM discussed about various ongoing projects in organizations and also requested them for CASA Accounts and salary accounts of employees for the upcoming projects.

BENGALURU

LDMs Orientation cum Refresher Training program was conducted at CLDC, Bengaluru from 13th - 15th June 2024. The program was inaugurated by ED Sri Bhavendra Kumar, along with Sri K J Srikanth, CGM, Sri M Bhaskara Chakravarthy, GM (LB & FI Wing), Sri B Parswanath, DGM, & Sri Rajeev Kumar Sinha, AGM, LDC Bengaluru. LDM Executives, participants from various districts, staff and faculty from LDC were present at the occasion. MD & CEO Sri K Satyanarayana Raju interacted with the participants over VC and outlined the expectations of Top Management from the LDMs.

Bengaluru CO conducted a retail conclave at Hotel Capitol Raj Bhavan Road, Bengaluru on 1.6.2024. The program aimed at enriching knowledge on real estate sector. The keynote address was delivered by Sri. Mahesh M Pai, GM & Circle Head. Sri. Ashok Chandra, ED, Smt. R Anuradha, GM, Retail Asset Wing, Sri. Pramod Saraff, DGM, Bengaluru CO, were also present during the conclave.

BHUBANESWAR

New rural branch at 42 Mouza, Cuttack was inaugurated on 25.7.2024 by Sri. Jagdish Chander, GM. Sri. Rama Naik, DGM, Sri Devendra Gupta, DM, R.O Cuttack and staff members were present. In his address, the Circle Head said that this branch will be equipped with all modern facilities and this branch will function as a model branch.

Bhubaneswar CO organized a "Corporate Meet" on 13.6.2024 under guidance of Sri Jagdish Chander, GM and Circle Head. More than 50 numbers of existing and prospective Corporate / MSME customers participated in the programme. Various presentations on topics like forex, API banking etc, were made by executives. The corporate/MSME customers appreciated the presentations.

CHENNAI

Thiruvallur RO organised a campaign aimed at empowering women through SHGs. Smt. K A Sindhu, CGM (D), Chennai CO, graced the occasion. Smt. Selvarani, Project Director of TNSRLM

(Thiruvallur Region), was the special guest. 158 sanctions were distributed amounting to ₹17 Cr. Smt. A K Bhooma, DGM and Regional Head of Tiruvallur Region, highlighted the bank's commitment to women's development, particularly through SHGs.

119th Foundation Day was celebrated at Chennai CO on 1.7.2024. Sri. Nair Ajit Krishnan, CGM, delivered the address highlighting the current performance of Chennai Circle Office, emphasizing the dedication and hard work of the team. CGM (D), Smt. K A Sindhu, during her address recapped the bank's journey. DGM from ZI Chennai and DGMs of Chennai, CO shared their perspectives and reflections on the foundation day, adding to the celebratory atmosphere. As part of CSR activity, Sri. Y Shankar, DGM, distributed notebooks to the 11th and 12th standard students of Government Higher Secondary School in Okkiyam, Thuraipakkam.

HUBBALLI

A Business Review Meet was organized at Hubballi CO on 10.6.2024. Sri Ashok Chandra, ED presided over the meeting. It was attended by ROs, RAHs, MSME Sulabhs, MCB, ACCs, Selected ELBs / VLBs & Executives from Circle Office. Sri Ashok Chandra, ED in his keynote address analysed the performance of our Bank with other PSBs in respect of CASA and RAM sectors and emphasized the need to introspect and work towards improvement of performance in each parameter. He directed the gathering to focus more on Market Share of our Bank in respective area of different parameters.

ED Sri Ashok Chandra visited Belagavi Regional Office on 11.6.2024. In this connection, Regional Office Belagavi organized an Interaction Session with CROs of Belagavi & Chikodi Regional Offices followed by CSR activity & MSME Outreach program with our existing and prospective HNI Customers involved in MSME activities. Afterwards CSR activity was conducted at M/s Rani Chennamma University, Bhutarammannatti where a school bus was provided to the school which would benefit 3000 students from rural areas.

HYDERABAD

Sri Debashish Mukherjee, ED visited Hyderabad CO on 1.7.2024 for an interaction with prospective corporates. He was welcomed by Sri B Chandrasekhara, GM, along with all the executives of the Circle. The day commenced with meeting of 21 prospective corporate customers who are potential clients for our banking services. Interaction with each participant was personalized, allowing for indepth discussions about the clients specific requirements and challenges.

Sri. Hardeep Singh Ahluwalia, ED visited Hyderabad Circle on 6th and 7th June 2024 to review the performance of LCBs, MCBs, administrative offices (CO & RO), RAHs, MSME Sulabhs, ARM and SAM branches. All the Circle Executives / Regional heads / vertical heads of CO&ROs were present for the meeting. A brief presentation was given by Sri B Chandra Sekhara, GM, Hyderabad CO and highlights of Circle Business performance for FY 2023-24 and current quarter were presented. Performance was reviewed by ED.

JAIPUR

Sri. Pranay Ranjan Deo, GM, SAM Wing, visited Jaipur Circle on 25th & 26th July 2024. The GM along with Smt Geetika Sharma, GM & Circle Head, Sri M C Khandelwal, DGM, Sri Vinay Mohta, AGM Jaipur Circle, and Sri Joffy Thomas, AGM & RO Head, Jaipur RO met with various Govt. Departments / PSUs and HNI customers. In the interaction with above organisations, GM, Sri P R Deo discussed about various ongoing projects in organizations and also requested them for CASA Accounts and salary accounts of employees for the upcoming projects. Further he also highlighted features of our Premium payroll package and other products of our bank.

KARNAL

A walkathon was organised on Karna Lake, Karnal, on the occasion of 'Doctor's Day Under the guidance of Sri Abhay Kumar, GM, Karnal CO. Sri Abhay Kumar, GM welcomed the IMA officials and its members. More than 100 doctors participated in the walkathon. Doctors were honoured with awards and certificates and informed about various schemes of our bank.

KOZHIKODE

Sri Hardeep Singh Ahluwalia, ED visited Kozhikode Circle on 1.6.2024. A Business Review of Circle, Regional Offices, RAHs, MSME SULABHs, ELBs/VLBs headed by Chief Manager under Kozhikode CO was organised. During the welcome address given by Sri S Anil Kumar Nair, GM & Circle Head, he highlighted the Circle's Business performance under various parameters for FY 2023-24 and current quarter. After the keynote address, ED reviewed all the Regional Offices along with their RAHs, MSME SULABHs, ELBs, and VLBs.

Customer Service Meeting for the month of June 2024 was conducted on 11.6.2024 at Madurai Circle Office. Elite customers attended the meeting and interacted with our Executive Director Sri Debashish Mukherjee and other Executives of our Head Office (through VC). After the VC, they were felicitated by our General Manager Sri T V K Mohan and other Circle Executives.

MANIPAL

ED, Shri Hardeep Singh Ahluwalia visited Circle Office Manipal for Business Strategy Meet of Regional Heads, ELBs / VLBs Headed by Scale IV and above, ARM Branches, RAHs, MSME Sulabhs and Mid Corporate Branch on 4.6.2024. Welcome address and Key Business parameters of Circle was presented by Sri Jayaparkash C, GM and Circle Head. In the Keynote address he advised to adopt a focussed approach toward addition of fresh business along with special attention on retention of the existing customers and turnaround of negative branches.

Smt Mamata Joshi, GM (D), PC Wing, HO visited Manipal circle on 19.7.2024 & 20.7.2024 with a business agenda to improve business under core agriculture and guided our Regions / Branches to come out of negativity. Agriculture Mega disbursement day was conducted on 20.7.2024 followed by an AEO review meet.

New premises of Haveri RO was inaugurated by Sri. Jayaprakash C, GM & Circle Head, Manipal Circle in the presence of Sri Sanjeeva Kumar, AGM, RO Head, Haveri RO, Executives, Branch Heads, Staff of Haveri RO along with esteemed customers on 12.7.2024. The Circle Head interacted with customers and expressed his happiness for opening Regional Office at Haveri which will benefit the customers for easy access for any support from administrative office. After the RO premises inauguration, Circle Head and RO Head reviewed the performance of Branches for Q1 FY24-25. Sri. Jayaprakash C in his key note address stressed up on the expectations of Top Management.

MUMBAI

Sri Nabin Kumar Dash, CVO visited Mumbai on 30.7.2024 for inaugurating the newly set up Vigilance Wing, Mumbai, Part of Head Office. Sri Purshottam Chand, CGM, Mumbai CO, Sri Alok Kumar Agarwal, GM along with all other executives of the Circle were also present during the event. Sri Nabin Kumar Dash in his keynote address started with KYE (Know Your Employees), enlightened about the common irregularities done by branches, precautions to be taken in gold loans, and status of Circle with respect to Vigilance.

Mumbai CO conducted Corporate Customer meet on 18th & 19th July 2024. The meet was graced by Sri Debashish Mukherjee, ED along with Sri Prabhat Kiran GM, LCCW Wing. Sri Purshottam Chand, CGM and Circle Head, Shri Alok Agarwal, GM, Sri Ranjeet Kumar Jha, DGM, CO Mumbai along with LCB and MCB heads were present during the meet. Total 51 leads amounting to ₹42,000 Crores (approx) were brought to the discussion table and around 50% of the proposals were agreed upon.

TIRUPATI

Business Review of Tirupati CO was held at the Circle Office in the presence of Sri. Chakravarthi P, GM, S&DA Wing, HO. Sri. I P Mithanthaya, GM, Tirupati CO welcomed Shri Chakravarthi P, GM. Key notes on Tirupati Circle performance was given by Sri R K Agrawal, DGM, CO Tirupati. Sri Chakravarthi P, GM, conducted review of Branches and Regional Offices.

Sri Pranay Ranjan Deo, GM, SAM Wing, HO visited institutions in and around Tirupati and met delegates to build the relationship with our Bank. He interacted with officials from Circle Office and Regional Offices. The meeting was participated by Sri. I P Mithanthaya, GM and Circle Head along with Executives of Tirupati CO, Resources, Marketing section, TM Section and RO Heads.

TRIVANDRUM

RO Thrissur celebrated the 119th Foundation day. The celebrations were inaugurated with the invocation, traditional lighting of the lamp by the executives & staff of the RO. Region Head Sri. Piyush Babasaheb Katkar, AGM addressed the staff members and requested to rededicate ourselves to the progress of the Bank keeping in mind its founding principles.

अंचल समाचार

आगरा

दिनांक 01.07.2024 को अंचल कार्यालय आगरा में संस्थापक दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन में अंचल प्रमुख महाप्रबंधक श्री जोगिंद्र सिंह घनगस ने सभी को शुभकामनाएं दी। चित्र में संस्थापक दिवस के अवसर पर अंचल प्रमुख महाप्रबंधक श्री जोगिंद्र सिंह घनगस एवं अंचल कार्यालय के कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य केक काटकर समारोह को मनाते हुए।

21 जून 2024 को विश्व योग दिवस के अवसर पर अंचल कार्यालय आगरा द्वारा योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री जोगिंद्र सिंह घनगस सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने योग किया।

दिनांक 05.07.2024 को कार्यपालक निदेशक महोदय श्री अशोक चंद्र एसएचजी क्रेडिट लिंकेज कार्यक्रम के दौरान अंचल कार्यालय आगरा के सभी स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए।

अहमदाबाद

दिनांक 21 जून 2024 को अंचल कार्यालय, अहमदाबाद में अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक श्री शम्भू लाल जी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के कार्यपालकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में योग सत्र हेतु योग प्रशिक्षिका अपनी टीम के साथ उपस्थित रही। इस दौरान सभी कर्मचारियों ने योग एवं प्राणायाम के विभिन्न आसान/मुद्राएँ जैसे अनुलोम–विलोम, कपालभाती, पद्मासन, वज्रासन, अर्धहलासन, हलासन, सर्वांगासन, नौकासन, शवासन आदि का मनोभाव से अभ्यास किया।

चंडीगढ़

दिनांक 21.06.2024 को श्री मनोज कुमार दास, महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ में "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाया गया। इस कार्यक्रम में अंचल कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाओं के कार्यपालकों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

कोलकाता

दिनांक 25.06.2024 को श्री प्रभात किरण, महाप्रबंधक, वृहद साख कॉर्पोरेट विभाग ने पर्यवेक्षी कार्यपालक के रूप में अंचल कार्यालय, कोलकाता का अपना पहला दौरा किया। बैठक की अध्यक्षता श्री प्रभात किरण, महाप्रबंधक, वृहद साख कॉर्पोरेटेड विभाग ने की, साथ ही अंचल प्रमुख श्री कल्याण मुखर्जी, महाप्रबंधक, कोलकाता अंचल और उप महाप्रबंधक श्री रजनीश कुमार और श्री अमृत घोष भी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य प्रबंधक के नेतृत्व वाले शाखा प्रमुखों के साथ सभी

क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुखों ने भाग लिया। अंचल प्रमुख और महाप्रबंधक श्री कल्याण मुखर्जी ने विभिन्न व्यावसायिक मापदंडों के तहत अंचल की व्यावसायिक स्थिति पर प्रकाश डाला। श्री प्रभात किरण,महाप्रबंधक ने अपने मुख्य भाषण में अंचल रैंकिंग में सुधार, विशेष रूप से एचएल और एमएसएमई में रैम के तहत विकास और लक्ष्य एवं सीपीएल प्रदर्शन की उपलब्धि पर जोर दिया। उन्होंने कासा पोर्टफोलियो, केनरा एंजेल, प्रीमियम पेरोल, केनरा सेलेक्ट, इजी फी, पेमेंट गेटवे आदि पर विस्तार से संबोधित किया और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

लखनऊ

दिनांक 15.07.2024 को अंचल कार्यालय प्रमुख श्री रंजीव कुमार, महाप्रबंधक की अध्यक्षता में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत अंचल कार्यालय के परिसर में वृक्षारोपण किया। चित्र में अंचल प्रमुख सहित कार्यालय के अन्य कर्मचारीगण दिख रहे हैं।

पटना

दिनांक 20.06.2024 को अंचल कार्यालय पटना में अंचल प्रमुख श्री अरुण कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक की अध्यक्षता में पुस्तकालय दिवस का आयोजन किया गया। पुस्तकालय दिवस के अवसर पर अंचल प्रमुख श्री अरुण कुमार मिश्रा जी कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाले अधिकारियों को पुस्तक वितरित करते हुए। कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पुणे

दिनांक 15.07.2024 को कार्यपालक निदेशक श्री भवेंद्र कुमार ने पुणे अंचल का दौरा किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालयों, एलसीबी, एमसीबी शाखाओं और कार्यपालकों के नेतृत्व वाली वीएलबी/ईएलबी शाखाओं की समीक्षा की गई। पुणे अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार सिंह की उपस्थिति में इस बैठक की अध्यक्षता कार्यपालक निदेशक ने की। अंचल प्रमुख श्री प्रमोद कुमार सिंह द्वारा पुणे अंचल के कारोबार प्रोफाइल एवं उपलब्धियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की गई। श्री भवेंद्र कुमार, कार्यपालक निदेशक ने अपना मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बैंक के उन क्षेत्रों जैसे कम मूल्य के कासा, आरटीडी, शाखाओं में पालन की जाने वाली बुनियादी बैंकिंग प्रथाओं में सुधार, उच्च स्लिपेज तथा एसएमए आदि पर अपना विचार व्यक्त किया जिन पर सभी कर्मचारियों को विचार करने और ध्यान देने की आवश्यकता है। श्रीमती लीना पीटर पिंटो, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, पुणे ने

कार्यपालक निदेशक महोदय का और अन्य सभी कार्यपालकों व शाखा प्रमुखों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राँची

केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, राँची के महाप्रबंधक श्री सुजीत कुमार साहू के मार्गदर्शन में विपणन अनुभाग के सहयोग से श्री सुनील कुमार, सहायक महाप्रबंधक तथा श्री अनुराग अम्बष्ठ, मंडल प्रबंधक के नेतृत्व में दीपाटोली आर्मी केंट, राँची में कर्नल शैली मल्होत्रा एवं मेजर दीपक कुमार अधिकारीगण सहित सभी जवानों के साथ औपचारिक भेंट का आयोजन किया गया। इस दौरान सेना के जवानों के समक्ष बैंक के विभिन्न उत्पादों जैसे आवास ऋण, व्यक्तिगत ऋण, वेतन खाते, पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना, एसआईपी आदि से संबंधित प्रस्तुति दी गई। श्री सुनील कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि केनरा बैंक सदा से बेहतर ग्राहक सेवा एवं डिजिटल सेवा प्रदान करने हेतु जाना जाता है। केनरा बैंक किसी भी तरह की बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराने में सक्षम है। इस अवसर पर श्रीमती विनिता कुमारी, प्रबंधक, विपणन अनुभाग, अंचल कार्यालय, राँची; श्री अरूण कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक, नामकुम शाखा; खुदरा आस्ति केंद्र, राँची एवं विपणन अनुभाग की टीम सहित केनरा रोबेको के पार्टनर्स भी उपस्थित रहे।

Baby's Corner

Chinmaya U

D/o Smt Pooja P & Sri Unnimohan M L
Officer
HRM Section, CO Thiruvananthapuram

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

भारतीय अंगदान दिवस – प्रथम पुरस्कार निबंध लेखन प्रतियोगिता

अंगदान – दयालुता का अंतिम कार्य

कुमार प्रेमा नंद
प्रबंधक
एस ए आर एम डिविजन
आईबीसी मॉनिटरिंग, प्रधान कार्यलय

हस्तस्य भूषणम् दानम्, सत्यम् कण्ठस्य भूषणम् ।
श्रोत्रस्य भूषणम् शास्त्रम्, भुषणै: किम् प्रयोजनम् ॥

भावार्थ: हाथ का भूषण दान है, कण्ठ का सत्य और कान का भूषण शास्त्र है, तो फिर अन्य आभूषणो की आवश्यकता क्या है?

भारतीय संस्कृति में 'दान' आदिकाल से ही महत्वपूर्ण धार्मिक संस्कारों में अहम स्थान रखता है। शादी – विवाह जैसे धार्मिक संस्कारों में पिता की दृष्टि से पुत्री के विवाह को 'कन्यादान' की संज्ञा दी गई। 'महाभारत' महाकाव्य में कर्ण को 'दानवीर' की उपाधि से अलंकृत किया गया है। ऋग्वेद में 'दान' को 'सत्य' से जोड़ा गया है। आदिकाल से ही हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख जैसे सभी धर्मो में 'दान' को उदारता से जोड़ा गया है और यहीं उदारता भारत में दान की प्रवृत्ति में गिरावट का कारण बनी। जरूरी था कि इसे 'उदारता' से ना जोड़कर 'कर्तव्य' से जोड़ा जाता। मृत्यु के बाद जीवन एवं पारलौकिक विश्वास जैसी सामाजिक मान्यताओं ने अंगदान को हतोत्साहित किया है। लेकिन यह आश्चर्यजनक सत्य है कि 'दान' के तमाम प्रकार जैसे भूदान, कन्यादन, गौदान, समयदान, अन्दान तथा विद्यादान / ज्ञानदान आदि की चर्चा के बावजूद 'अंगदान' की चर्चा ऐतिहासिक साहित्यों से लगभग नदारद है।

भारत में अंग–प्रत्यारोपण की जरुरत और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच एक लंबा अंतराल है। सिर्फ भारत में ही प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख से अधिक लोग अंग–प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अंगदान एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी व्यक्ति के (जीवित या मृत) स्वस्थ अंगो जैसे यकृत (Lever), कौर्निया, गुर्दे (kidney) और हृदय (Heart), फेफडे (Lungs) आदि को किसी अन्य जरुरतमंद के शरीर में प्रत्यारोपित किया जाता है।

भारत में अंगदान – चुनौती और समाधान:

- अंग–प्रत्यारोपण की उच्च लागत – भारत में अंग–प्रत्यारोपण में आने वाला खर्च हमेशा से निम्न और मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर रहा है।
- अस्पतालो में आधारिक संरचना का अभाव – भारत के अस्पतालो में अंग–प्रत्यारोपण के लिए आधारिक संरचना का घोर अभाव है। वर्ष 2017 के एक आंकड़े के अनुसार, देश में लगभग 301 अस्पतालो में अंग–प्रत्यारोपण की सुविधा है लेकिन इनमें मात्र 250 अस्पताल ही राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (National Organ & Tissue Transplantation organisation- NOTTO) के साथ पंजीकृत हैं।
- अंग–प्रत्यारोपण की मांग और पूर्ति में अंतर – भारत में अंगदान करने तथा अंग–प्रत्यारोपण के जरुरतमंदो के बीच एक लम्बा अंतराल है। वैश्विक संदर्भ में भारत की स्थिति इस मामले में बहुत नीचे है। यहाँ प्रति 10 लाख की आबादी पर केवल 0.65 लोग (2019 के आंकडो के अनुसार) अंगदान करते हैं, जबकि स्पेन में यह आंकडा 35.1, अमेरिका में 21.9 तथा ब्रिटेन में 15.5 है। यद्दपि, 2019 में अंग–प्रत्यारोपण के मामले में संख्यानुसार भारत का स्थान अमेरिका के बाद दूसरा रहा है।

भारत में 'अंगदान' को बढावा देने में सरकार की भूमिका:

- ✓ अंग–प्रत्यारोपण में गलत प्रवृत्ति को नियंत्रित करने बाबत **भारत सरकार द्वारा वर्ष 1994** में 'मानव अंग–प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994' बनाया गया। यह अधिनियम मानव अंगो के वाणिज्यिक प्रयोग को प्रतिबंधित करता है तथा साथ ही चिकित्सकीय प्रयोजनो हेतु मानव अंगो के

निष्कासन, भंडारण और प्रत्यारोपण को विनियमित करता है।

✓ **मानव अंग और उत्तक प्रत्यारोपण अधिनियम, 2014:** इस अधिनियम द्वारा अंगदान को सरल, सहज और पारदर्शी बनाय गया तथा अंग–प्रत्यारोपण सम्बंधी बिभिन्न नियमों की सही व्याख्या की गयी।

✓ अंगदान को बढावा देने हेतु भारत सरकार द्वारा 2019 में **'राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम'** लागू किया गया तथा प्रतिवर्ष 3 अगस्त को **'राष्ट्रीय अंगदान दिवस'** मनाया जाता है।

✓ **राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO)** स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक राष्ट्रीय संगठन है।

तदेत्त्रय शिक्शेद दम्म, दान्म, दयामिति (बृहदारण्यक उपनिषद) अर्थात, अच्छे व्यक्ति में तीन गुण होने चाहिए– दम्म, दया और दान।

अंगदान में वर्तमान समय में सबसे चर्चित 'नेत्रदान' है। जनता को यह समझाना होगा कि उनके मृत्यु के उपरांत नेत्रदान से किसी जरुरतमंद व्यक्ति को रोशनी दी जा सकती है, खासकर यदि किसी बच्चे को वह आंख लगायी जाती है तो समाज के प्रति यह सबसे बडा कर्तव्य होगा। गुर्दे (kidney) और हृदय (Heart), फेफड़े (Lungs) आदि का दान किसी को जीवन दे सकता है।

अंगदान को दयालुता से ना जोडकर, कर्तव्य से जोड़े जाने की आवश्यकता है। दयालुता एक प्रकार से परोपकार से जुड़ जाता है, जो अंतत: धार्मिक भावना में समाहित है जबकि कर्तव्य मनुष्य द्वारा किये जाने वाले एक जरुरी उपकरण की ओर इंगित करता है। व्यक्तियों में इस भावना का विकास किया जाना जरुरी है कि अंगदान को समाज तथा व्यक्ति के प्रति किए जाने वाले कर्तव्य के रुप में लें। मृत्यु के बाद जीवन एवं पारलौकिक विश्वास जैसी सामाजिक मान्यताओं से निपटने में धार्मिक–संगठनों, गैर–सरकारी संगठनों (NGOs) तथा डॉक्टरों की भूमिका अहम हो जाती है। शैक्षणिक–संस्थानों में समय–समय पर अंगदान को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।

सरकारी स्तर पर भी इस बात को सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अंग–प्रत्यारोपण की सुविधा समाज के कमजोर वर्गों तक भी पहुंच सके। अंग–प्रत्यारोपण की उच्च लागत को नियंत्रित किए जाने की आवश्यकता है।

जरा–मरण से मुक्त हो, तू जीवन को फिर उतार दे ।
'अंगदान: महादान', इस उक्ति को, तू संवार दे ॥

*****

"The essence of a happy life and a peaceful society lies in one sentence – What can I give?"

A.P.J. Abdul Kalam

नैतिकता और व्यवसाय आचरण कक्ष
ETHICS AND BUSINESS CONDUCT CELL

Khaman Dhokla:
The Signature dish of Gujarat

Alpana Sharma
CSA
Meerut Ganga Nagar Branch

If you are a food enthusiast, and love to try local cuisines when you visit new places or even if you like to try your hand at new recipes in your kitchen, you may have noticed 'Dhokla' recently emerging as a popular dish. Soft and moist, sweet, sour and savory on the palette, Dhokla is now considered as the healthiest and tastiest snack of all times. Dhokla, made from ground lentils is packed with proteins, skips on using much oil, is steamed instead of fried and is a refreshing snack to try with the minimum possible effort. If you are a healthy food researcher, you may have come across brands like Yakult or Actimel that offer the 'good bacteria' for your gut but foods like Dhokla, Idli/Dosa and any food that is fermented contains naturally occurring probiotic that help maintain a healthy gut. I remember while studying home science in school, we had a topic of convalescents, or people who are unable to move around and digest their food and Dhokla was mentioned in the foods prescribed to such people who are bed ridden at all times so it is the easiest to digest. The roots of Dhokla can be traced back through Gujarat's history where a similar dish 'dukkai' is documented as early as 1068 in a Jain text while the term 'Dhokla' makes its appearance in Gujrati Varanaka Samuchaya around AD 1520.

But let me first tell you a bit about Dhokla and Khaman! Yes they are two different things. Khaman that is nowadays referred to as the 'Khaman Dhokla' or 'Nylon Dhokla' based on its texture is not the actual Dhokla. The traditional Dhokla is made with rice and lentil batter and left to ferment overnight and is then steamed. But Khaman Dhokla can be made without resting the batter by using our all purpose fruit salt or 'Eno'. It is made with gram flour entirely and can be prepared instantly. Now, I am sure most of the readers must have made Dhokla at some point or may have heard its recipe from friends or colleagues. If you are someone who is entirely new to the concept of cooking- I invite you to use the Instagram reels or YouTube videos to learn the quantity of ingredients and book published recipe as in this article I wish to just enlist my personal experiences in making Dhokla and pit falls and mistakes that can make your Khaman Dhokla go hard instead of the soft, moist and spongy one.

Now once you are in the kitchen and have the basic items like gramflour, salt, fruit salt, oil, water, corn flour, bit of sugar and citric acid with you- you can give it a try.

Tips and Tricks for a no fail Dhokla:

- Always sieve your gram flour. Sieving gets rid of any unwanted things in the flour and also gives the flour the aeration required to raise the batter when fermented.
- Use a grinder to mix- 2 tablespoon of oil, 1 spoon of sugar, salt, 1 spoon corn flour, few crystals of citric acid (fruit salt) and some water. The step too gives it

some aeration. The mixture has to be whisked well (manually or using the mixer grinder) till the oil mixes with the water successfully.

- Using small quantity of oil in the batter gives moistness and a shine. Never use an oil that has a potent smell to make the mixture as the oil can give an off smell. If you use a strongly smelling oil just heat it till it reaches smoking point and the smell will vanish. Personally I don't use refined oil but you can use that too.
- If for some reason you can't lay your hands on citric acid crystals use lemon juice but increase its quantity as we want our Dhokla to be sour and tangy.
- You may have noticed the use of corn flour in the mixture. This is a tip given to me by an old Gujarati aunty who mentioned that using corn flour (which is a modern addition to the recipe) maintains the unique pores created by fermentation even after you store it. You may have noticed that if for some reason the Dhokla has to be stored after making it- the raised or aerated structure of the dish droops down and it no longer appears spongy. Using corn flour maintains its sponginess and holds the shape.
- After whisking the above mentioned ingredients, add the sieved gram flour and adjust to the consistency of a dosa batter. A runny batter will take longer to cook as the steam will have to be evaporated and a stiff batter will make it harder to mix.
- Fill the ⅓rd portion of pressure cooker or steamer with water. Grease the tin/mold with oil or Ghee, pour the batter gently in the mold and cook it in medium flame for 20 mins. The fruit salt will enable instant fermentation. Do not disturb the batter else the Dhokla will fall flat and the whole purpose of using 'eno' (fruit salt) will be futile.
- To check whether the dhokla is cooked , insert a knife in the centre of the batter to check. If it comes clean it means it is well cooked, if not cook for another 5 mins. Once you remove it from heat- allow it to cool for minimum of 10 minutes. This step is mandatory.

Once it has cooled down, use a knife to cut it into pieces and prepare a tempering with mustard seeds, sugar, salt and lemon juice to sprinkle on top. Desiccated coconut and chopped coriander can also be added. Add some extra water to your tempering as the fermented Dhokla will soak it up and will become even spongier.

Try it with your family, friends and colleagues and let it take you to a delicious journey of a sweet, sour and savory heaven.

P.S.:

1. You can try making it sour by using yoghurt but it decreases its shelf life.
2. Also fermenting the batter overnight in a warm place can help you skip on the fruit salt or baking Soda.

*****

Wisdom capsule

The Stonecutter

There once lived a stonecutter who was dissatisfied with his position in life. One day, he passed a wealthy merchant's house and saw many fine possessions and important visitors. "How powerful that merchant is!" thought the stonecutter. He became envious and wished he could be a merchant.

To his astonishment, his wish was granted, and he became a merchant, enjoying more luxuries and power than he ever had. However, he soon saw a high-ranking official being carried through the streets, admired and respected by all. "How powerful that official is!" he thought. "I wish I could be an official."

His wish was granted, and he became an official. He was carried through the streets, feared and revered by the people. However, one day, he felt the intense heat of the sun and realized that the sun was more powerful than he. "How powerful the sun is!" he thought. "I wish I could be the sun."

His wish was granted, and he became the sun, shining down on everyone and everything. But then a cloud came and blocked his rays, rendering him powerless. "How powerful that cloud is!" he thought. "I wish I could be a cloud."

His wish was granted, and he became a cloud, flooding fields and villages with rain. But soon, he found himself being pushed away by a powerful wind. "How powerful that wind is!" he thought. "I wish I could be the wind."

His wish was granted, and he became the wind, uprooting trees and destroying houses. But no matter how hard he blew, he couldn't move a giant rock. "How powerful that rock is!" he thought. "I wish I could be a rock."

His wish was granted, and he became a rock, more powerful than anything else on earth. But as he stood there, he heard the sound of a hammer against the rock. He felt himself being broken and realized that it was a stonecutter chiselling away at him.

Moral : Desiring to be something else often leads us in circles, only to realize that we were powerful and unique in our original form. True strength and contentment come from accepting and appreciating who we are.

HRSTT0084 : Case of Privacy Breach

Rochak Dixit
Manager
Merchant Management Section
Bengaluru, HO

Namrita, head of HR at the Mumbai branch of SilverTech Solutions, was reading headlines of the day on her mobile newspaper app when she received an unusual email. The subject line was enough to make her put everything aside and read the email immediately. Subject line said: 'Urgent | Privacy Breach Allegation Against Jagdish'.

Her heart almost skipped a beat. Jagdish was a senior project manager, well-liked and respected by all. This was serious. The email was from an intern named Arjun Desai. He claimed that Jagdish had publicly disclosed his salary and other sensitive information during a team meeting, leaving him humiliated. Namrita knew she had to handle this with care, considering both the parties without any partiality.

Namrita scheduled a meeting with Arjun right in the next hour. She sat in her modest office, decorated with motivational posters and HR compliance charts and prepared herself for the upcoming conversation which was definitely going to be difficult. When it was time, Arjun entered the office looking upset. He was visibly nervous and seemed as if he was struggling with mixed thoughts. Namrita offered him a glass of water and began gently.

"Arjun, thank you for coming in. Please be at peace and trust me that this conversation will be confidential. This is a safe space, and anything you say will be taken seriously. Can you tell me what happened?" She said.

Arjun took a deep breath and started narrating the incident. “Last Thursday, Jagdish sir was discussing performance metrics with all the team members. This meeting was going one-to-one. When I went into his cabin, I saw Rakesh sir was also sitting there. Out of nowhere, he mentioned my salary and some personal details about my background. I felt really embarrassed. I didn't know what to do. In the same evening, while going towards the water-cooler, I saw Milind and Shubham laughing about something. I have a strong feeling that they were talking about me. I have become a topic of gossip for the entire team!” He said and looked down with moist eyes.

Namrita listened to everything carefully. She needed more information before taking any action.

“Thank you for sharing this with me, Arjun. We'll look into this matter thoroughly. If there's anything you need in the meantime, please let me know.” She gave him strength.

Namrita next called Jagdish into her office. Jagdish, in his mid-40s, with a warm smile and a reputation walked in softly. He didn't seem to have much idea but looked composed.

“Arjun Desai has made a serious allegation against you. He claims you disclosed his salary and personal information during a meeting where a third person was also present.” She told him.

Jagdish's face fell. "That's absolutely not true, Namrita. I would never do such a thing. This must be some kind of misunderstanding!”, he said.

"Jagdish, I need you to be honest with me. If there's any truth to this, it's better to accept now. If you're innocent, we will do everything in our power to clear your name. Do you even realise how these things draw eyes on social media? It can tarnish this company's reputation. Can you think of any reason why Arjun would make such an accusation?" She asked.

Jagdish shook his head. "No, I can't. I've always been professional with him. This is completely out of the blue."

Namrita decided to dig deeper. She started interviewing other members of Jagdish's team. Some employees mentioned that Jagdish had always been respectful and professional, while others hinted that he goes a bit far sometimes during meetings. Although the most important person of the story, Rakesh, confirmed that Jagdish had passed personal comments against him during the meeting and the thing about disclosing sensitive information was also true.

As Namrita was piecing together everything, she decided to check Jagdish's and Arjun's communication history and review their interactions captured by office security cameras. The conversations between Arjun and Jagdish looked normal but she saw Rakesh and Arjun having discussions often in secluded corners of the office. Rakesh Sharma was another senior employee who had been trying for the same promotion that Jagdish had received recently. Namrita decided to bring Rakesh in for questioning again.

Namrita met with Rakesh in her office. "Is there anything you could tell me about the situation between Jagdish and Arjun?"

Rakesh looked uneasy. "I think we've already talked about this!" He spoke.

Namrita had a version of the entire incident in her head but she had to take that out of the culprit. She made a stone face and took her chances. "Rakesh, I always knew you were upset because of that promotion but I never thought you'd go this far. Did you not instruct Arjun to make false allegations against Jagdish to tarnish his reputation?" She asked.

"I was upset about the promotion, true that. Do you really think I'd do this? Definitely not!" He said confidently.

"I have Arjun's confession already. I know everything and want to save you from this mess. Just tell me what took you to this extent?" She hit an arrow in the dark and she got lucky.

"It was never my plan. Arjun came to me and said he was really upset with Jagdish recently. I advised him to file a complaint, just that." Rakesh told her.

Namrita called Arjun immediately and pressured him to confess.

"I keep on working but Jagdish sir is never happy. Rakesh sir told me that nobody will take any action on my complaint until I had something strong against him. He only gave me ideas about what I could do. It was not me mam, why will I do it?" Arjun said.

"What nonsense! Did I tell you to put a false allegation on him?" Rakesh shouted.

"Yes sir! I didn't know you were trying to solve your issues using me." Arjun answered back.

"Quiet! Quiet both of you!" Namrita screamed and stood up in anger.

There was silence in the room for some time.

"Arjun, you should have come to me. This has serious consequences for everyone involved. If someone on the floor would advise you to jump off a cliff, would you?" Namrita said in disappointment. Arjun apologized and was genuinely feeling guilty. Namrita warned him and asked him to leave the room.

"Is this advice you should give when a junior approaches you?" She asked Rakesh.

Rakesh tried to escape through the conversation but Namrita was an expert. She explained to him about the consequences if she would raise this to the higher management. Rakesh was expecting a short term suspension or a loss-of-pay leave but Namrita knew that would make the work suffer. Giving it a thought, she gave the responsibility of developing the next quarter's HR training modules including topics like mentoring and integrity to Rakesh. She also said that he will need to take the necessary approvals from Jagdish.

She advised Jagdish separately to be softer, specially towards the new-joiners and interns. 'Appreciation motivates exceptionally!'.

Namrita too learned a valuable lesson about the darker side of corporate politics. She implemented stricter policies and training to ensure such incidents could be detected and prevented earlier.

She knew that the world of HR had challenges and unexpected twists, but she felt more prepared than ever to face them. HR had always been her dream job!

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ Syndicate

सबका प्रबंधन, मानव संसाधन

मोनालिसा पंवार
ग्राहक सेवा सहयोगी
जोधपुर पाल रोड, एलआईसी सीए

ग्राहक ही किसी भी बैंक का है, आधार
शाखा में ग्राहकों की भीड़ हैं अपार
हमें रखना है ग्राहकों की हर सुख–सुविधा का ध्यान,
क्योंकि हमारा बैंक है, ग्राहक सेवा प्रधान॥

दिन भर ग्राहक संतुष्टि की मारा–मारी में
हर पल रहते हैं हम उसकी ही तैयारी में
क्योंकि रखना है हमें अपने हर ग्राहक का सम्मान
ग्राहक सेवा से ही हमारा बैंक बनता है महान॥

अच्छी ग्राहक सेवा से होता है ग्राहक समृद्ध
समृद्ध ग्राहक से मिलता है हमें ढेर सारा प्यार
और उनके प्यार से ही बढ़ता है हमारा कारोबार
बढ़ते कारोबार से समृद्ध होता है हमारा घर संसार॥

इसी बेहतर ग्राहक सेवा की आपा–धापी में
ग्राहक को बेहतरीन उत्पाद व सेवाएं देने की तैयारी में
हम कई बार नहीं रख पाते अपनी ही सुविधाओं का ध्यान
ऐसे में मानव संसाधन ही रखता है हमारा मान और सम्मान।

चाहे वेतन–भत्तों की हो बात या फिर परिवार की जरूरतों की चाह
घर के काम के लिए हो या अपनी खुशियों के लिए हो छुट्टियों की चाहत
मानव संसाधन ही है जो हमारी छुट्टियों का करता प्रबंधन
साथ रह कर कई बार दिलाता है हमें कई परेशानियों से राहत।

मानव संसाधन संस्था के कर्मचारियों का है आधार
जो हर परिस्थिति में हमारी जरूरतों का रखता है ख्याल
बैंक संचालन की होड़ में हो जाती है हमसे कही चूक
मानव संसाधन ही संभालता है हमारे कल्याण की डोर ॥

जिस प्रकार हम रखते हैं ग्राहक की सुख समृद्धि का ध्यान
उसी प्रकार संस्था में मानव संसाधन बनकर रहता है हमारी ढाल
बिना भेदभाव के हमारी सुविधाओं का रखता ख्याल
इसी बंधी डोर से हमारी संस्था बनती है महान॥

Defying the Destiny

Pradeep Tandon
Ex-Staff

"Water, water! All the time water! This boy will surely drown in water one day! Let me put an end to your binge-watching of this scuba diving expedition and your water mania Guddu." My mother stretched her hand to pick up the remote control from the table and switched off the TV in a fit of rage.

"Mamma, please, please let me watch it. It's about to end. I love scuba diving. It's on my bucket list." I pleaded with my unyielding mother.

The irresistible charm of water has always drawn me towards it. But what if destiny has something else in store for me? This revelation struck me as I chanced upon my horoscope, crafted by the esteemed astrologer Shastri ji. It mentioned that I had a fatal fear of water. This apocalyptic warning had a profound effect on my psyche. I felt like an artist who desired to paint his life's canvas but had been deprived of the essential shade of warm blue, necessary for depicting the vibrant hues of joy, or the murky blue that expresses the solemn tones of sorrow. I felt that my life was incomplete without it.

In 2010, amidst the bustling corridors of our bank, a beacon of opportunity illuminated my path. With the promotion came my transfer orders for Jalandhar from Lucknow. Hardly had the dust of transfer settled when a great opportunity arose: the chance to compete in a contest aimed at boosting the insurance business, with a dream come true announcement – being a one-week sojourn across exotic landscapes aboard a luxurious cruise liner was announced. I always cherished a desire to travel abroad, but this opportunity to visit overseas that too on a cruise was an icing on the cake. I decided to take a shot at it and girded up my loins.

As the awaited day of reckoning arrived, the coveted benchmark was met. My heart swelled with uncontainable joy. The cherished dream had come true. Amidst the laughter and cheers, glasses clinked and spirits soared. However, in the center of this jubilant uproar, an announcement by my overseeing executive pricked the balloon of my excitement.

With a tone of lament, the executive said, "Tandon, I told you to keep a cushion of some additional business. You have missed the target by a mere ₹25,000/- only.

Have I missed the boat! My countenance bore the looks of a murderer, whose clemency application had been rejected by the President of India.

Just as I was contemplating on how to resolve the crises, Mr. Surjeet Singh from Sarpanch's village turned up.

"Shat Sri Akaal, Tandon Sahab," Sukhdev Singh said boisterously.

"Shat Sri Akaal. Sarpanch ji."

'What happened? You seem to be a bit downcast." he asked in a sympathetic tone.

'Sukhdev ji, I'm in deep trouble. Do you know Surjeet from our village? He just cancelled his ₹25,000/- life

insurance policy. It's meddling with my branch's business.

“Tandon ji, kaisi baat kartey ho, abhi lo.”

Sukhdev Singh dialled and called Surjeet Singh.

'Surjeet why you are troubling manager Sahab? He always helps. So, when he requires some support, it becomes our duty to reciprocate.’

"I was afraid I can't manage the premiums of my Life Insurance Policy. I wanted to cancel it to avoid losing what I've paid," said Surjeet.

"Why didn't you talk to me earlier? I could have helped you understand your options." I spoke.

"It was difficult to say no to you. But I knew I might struggle with future payments, so I thought it's better to cancel”, said Surjeet.

"Surjeet, if you've paid three premiums and choose to stop, after 5 years, you'll get your money back with interest," I advised politely.

Surjeet: "Okay, I'll continue the policy. Here's the cancellation letter.”

I was overjoyed to achieve the target lost and to have won again.

A few months later we were at Changi Airport, Singapore. From there we were taken aboard a 16 decks high luxury cruise liner.

It headed for Malaysia on its way to Thailand then back to Singapore.

The waves surged and crashed against its hull, rocking us with the unsteady rhythm like a pendulum swinging between tranquility and chaos.

In the evening, we were on the top deck for a lively music gathering. Suddenly, a splash caught everyone's attention as a group gathered at the diving board. Most of my colleagues joined them. As I sipped my mojito alone, sadness engulfed me as colleagues dived into the pool, but an astrologer's prophecy stopped me from joining. I resolved to learn to swim, come what may.

After relocating to Chandigarh, I handled loans at my branch. A Sukhna Club official requested a car loan. Discovering my interest in sports, he helped me obtain the club membership and introduced me to a swimming coach.

On my first day at the pool, the coach told me to jump into the deep end. I hesitated but eventually did so. I struggled to breathe and panicked. Instinctively, I clung to the coach's body like a baby monkey to its mother. He gave me a hateful look.

The next day, I began training with boys as young as my son. I struggled to swim confidently. Thoughts of drowning rankled me; whenever they surfaced, my limbs' movements would freeze, causing me to stand upright in the swimming pool.

As the days stretched into nearly a month, my struggles persisted. Even our coach seemed exhausted with his efforts. The weight of self-imposed shame grew too overbearing, forcing me to throw in the towel.

I had forgotten how to swim until one day. I went to the Shivalik View Hotel, Chandigarh for a family dinner. There, I stumbled upon a magnificent swimming pool nestled within its confines. The assurance of learning to swim within one or two months sparked a renewed sense of optimism. I found myself swimming comfortably and had gained enough proficiency to navigate the waters on my own.

On my 25th marriage anniversary, my family planned a week's vacation to Andaman and Nicobar Island. A day before my 25th marriage anniversary I was at a resort in Havelock Island.

Just outside its entrance, a display board caught my attention, which displayed 'A scuba Diving Point'. I stopped to enter the office.

Since childhood I have always been watching scuba diving videos and it was even in my bucket-list, I didn't have to think twice to book a slot for the following day!

“We'll arrange it early. Morning's best for diving," the trainer assured.

My wife was unware of this till next morning. As the dawn broke, my wife wished me on our wedding anniversary. "Happy anniversary," I responded softly. My voice was overshadowed by the sound of the doorbell. I gestured towards the door and moved to answer it.

'Hello sir, Good Morning. Are you ready for the scuba diving session? My trainer Lavanya said in her chirpy voice.

'Who is going for scuba diving?' My bewildered wife inquired.

'Ma'am, I will be there with sir, it's just a matter of 35 minutes underwater in a 16-meter-deep ocean,' said Lavanya casually.

"Hanh, just 16 meters, and only 35 minutes." I nodded, forcing a fake smile, trying to impress upon her that it was just a stroll in the park.

"What! 16 meters, i.e., around 53 feet? In two minutes, someone could drown and die if they can't swim properly. Have you lost your mind?" my wife asked, her voice quivering with disbelief and fear.

'Ma'am, I've guided many people who can't swim. They simply walk on the seabed. It's quite safe," Lavanya reassured, trying to calm my wife's nerves.

'Yeah, Janu it's very, very simple.' I forced a smile.

"Please, just be quiet. How could you choose our wedding anniversary for this reckless endeavour?" my wife scolded.

Though I comforted her, in the recesses of my mind, a nagging question persisted,' Will I earn the dubious distinction of having my marriage and death anniversary date coinciding?' I was dancing with the Devil.

Finally, I convinced my wife and I was ready for my adventure! On reaching the boat, we drifted a short distance from shore. I positioned myself at the boat's edge, With my back to the water, I rolled over to plunge into the ocean.

"I broke through the water's surface and descended into the ocean's depths. I embarked on a journey akin to Alice's journey, falling down the rabbit hole when I landed softly on the seabed below, I whispered, mesmerized by the sight of water stretching in all directions. The Sunlight penetrated the depths, casting beams that danced among the moss-covered rocks below. Amidst this underwater oasis, I was captivated by the array of marine life—finger and brain corals swayed gently, while sea urchins and starfish nestled in rocky crevices. Shoals of Parrotfish and Zebrafish moved in perfect harmony. 'How beautiful is the new palette!' I exclaimed. In this tranquil underwater world, free from the noise of engines and pollution, I felt a sense of peace and serenity wash over me. I yearned to capture this moment, wishing I could preserve a slice of the vast underwater landscape to reminisce about the moments. Lavanya made a thumbs-up gesture. I reciprocated not thinking that it was not my well-being that she was inquiring, but was pulling the curtains on the brief but successful 35-minute spectacle of nature that I witnessed. My superstition had almost given away this privilege. I had taken cudgels with my destiny and defied it.

I raised both my hands bowed in reverence and surrendered to the vast blue ocean that lay before me. It was a source of my enlightenment, within no time, my head emerged. The harsh sun's rays blinked my eyes. When I opened them, I saw the sun had gone up in the sky. The crashing waves had erased my old footprints on the shore. An overwhelming feeling became too overbearing.

I had left behind the shackles of superstition that had held me back for so long, and I had surrendered to it, thinking it was etched in stone. I felt the warmth of the sand under my feet and realized that I had stepped onto the fresh sand. My feet were leaving the trail of my new footprints as I walked into my old world, ready to embrace it, now with all colours in my palette.

*****

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

धीरज जुनेजा
अधिकारी
सूरत क्षेत्रीय कार्यालय

इस साल मेरी पोस्टिंग सूरत (गुजरात) में हुई। मैंने सूरत के नजदीक दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बारे में बहुत सुन रखा था। मैं दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति देखना चाहता था। मैंने और मेरे परिवार ने सप्ताहांत में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने का प्लान बनाया। सूरत से करीब 160 किलोमीटर दूर केवड़िया नामक स्थान पर यह पड़ता है। हम अपनी कार से शनिवार को सुबह 7 बजे चल पड़े। यह यात्रा बहुत अस्मनरणीय थी। हम करीब 3 घंटे में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सामने थे। 597 फीट या 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सामने खड़े होकर मेरे रोंगटे खड़े होकर गए। यह दृश्य बहुत अविश्वनीय था।

संक्षिप्त इतिहास : यह प्रतिमा भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की याद में बनाई गई है, जो स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री थे। वे देश की सभी 562 रियासतों को एकजुट करके भारत गणराज्य बनाने के लिए जिम्मेदार थे। भारत के संस्थापकों में से एक और देश के पहले उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, वडोदरा से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केवड़िया कॉलोनी में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा पर साधु बेट द्वीप के ऊपर यह ऊंची प्रतिमा स्थापित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 182 मीटर दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया, जिसने चीन के स्प्रिंग टेंपल बुद्ध की 153 मीटर ऊंची प्रतिमा को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतिमा का उद्घाटन सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में दिनांक 31 अक्टूबर 2018 को किया गया। 182 मीटर (लगभग 600 फीट) ऊंची यह प्रतिमा स्वतंत्र भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। यह विशाल स्मारक नर्मदा नदी के तट पर स्थित है, यह प्रतिमा लोक कल्याण को हमेशा से सर्वोपरि रखने वाले महान नेता श्री सरदार वल्लभभाई पटेल को पूरे भारत देश की ओर से अर्पित एक श्रद्धांजली है। यह साधु बेट पहाड़ी पर स्थित है, जो 300 मीटर के पुल से जुड़ा हुआ है, जो मुख्य भूमि से प्रतिमा तक पहुँच प्रदान करता है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को मोटे तौर पर 5 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिनमें से 3 आम जनता के लिए सुलभ हैं। इन क्षेत्रों में एक स्मारक उद्यान और संग्रहालय, एक प्रदर्शनी क्षेत्र और एक देखने वाली गैलरी शामिल है, जिसमें एक बार में 200 आगंतुक आ सकते हैं। 153 मीटर की ऊँचाई पर स्थित, यह देखने वाली गैलरी सरदार सरोवर बांध, उसके जलाशय और सतपुड़ा एवं विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं का शानदार दृश्य प्रस्तुत करती है।

अन्य दो क्षेत्र रखरखाव क्षेत्र हैं। विशाल प्रतिमा के सिर और कंधों पर एक आगामी क्षेत्र हैं, जो आम जनता के लिए प्रतिबंधित हैं।

संग्रहालय : स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के नीचे भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित एक आकर्षक संग्रहालय

है। 4000 वर्ग मीटर में फैला यह संग्रहालय इंटरेक्टिव प्रदर्शनों और मल्टीमीडिया डिस्प्ले के माध्यम से पटेल की महत्वपूर्ण यात्रा को जीवंत करता है। गैलरी में पटेल के जीवन से जुड़ी कलाकृतियाँ, उनके द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज़ और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका को दर्शाती तस्वीरें शामिल हैं। अभिनव डिज़ाइन में 3D मॉडल, लघु फ़िल्में, इंटरैक्टिव स्क्रीन और बहुत कुछ शामिल है, जो आगंतुकों को नेता की उल्लेखनीय विरासत से जोड़ता है। संग्रहालय में गुजरात की आदिवासी विरासत के साथ-साथ क्षेत्र की जैव विविधता को दर्शाने वाले विस्तृत खंड भी हैं। वास्तुकला अपने आप में आदिवासी और आधुनिक प्रभावों का एक अद्भुत मिश्रण है। विशाल संग्रहालय परिसर में घूमने के लिए पर्याप्त जगह है। यहाँ आप भारत के महानतम नेताओं में से एक के वीरतापूर्ण जीवन पर विचार कर सकते हैं, जिसे इस संग्रहालय के माध्यम से जीवंत रूप में दर्शाया गया है। एक आकर्षक अनुभव के लिए इसे देखना न भूलें।

गैलरी : यह एक पर्यटक आकर्षण है जो 400 फीट (122 मीटर) की ऊंचाई से आसपास के क्षेत्र का विस्मयकारी दृश्य प्रस्तुत करता है। आगंतुक सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और इतिहास पर एक मल्टीमीडिया प्रस्तुति का भी आनंद ले सकते हैं, जो प्रतिमा के पीछे की प्रेरणा है।

लेजर लाइट एंड साउंड शो : स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर लेजर तकनीक का उपयोग करके प्रोजेक्ट किया गया लाइट एंड

साउंड शो सोमवार को छोड़कर हर शाम को होता है। रंगीन लेजर लाइटिंग सिस्टम के साथ सरदार पटेल के इतिहास और जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान और भारत को एक राष्ट्र के रूप में एकीकृत करने का एक बेहतरीन वर्णन होता है।

फूलों की घाटी की सैर : फूलों की घाटी (जिसे भारत वन के नाम से भी जाना जाता है) 24 एकड़ भूमि में फैली हुई है और नर्मदा नदी के किनारे रंग-बिरंगे फूलों के पौधों का एक स्वर्ग है। फूलों की घाटी की शुरुआत 2016 में 48,000 पौधों से हुई थी और अब यह 22,00,000 पौधों तक पहुँच चुकी है। पार्कों के अलावा, यात्रा की यादगार यादों को ताज़ा करने के लिए कई फोटो बूथ और सेल्फी पॉइंट विकसित किए गए हैं। यह स्थान धरती पर स्थापित फूलों के इंद्रधनुष जैसा दिखता है।

इस उद्यान में 300 से ज़्यादा तरह के फूल उगाए जाते हैं। सजावटी फूलों, पेड़ों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों, चढ़ने वाले पौधों और लताओं का सही मिश्रण लगाया जाता है, साथ ही अलग-अलग रंगों के पत्ते भी लगाए जाते हैं।

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

सरदार सरोवर बांध का दौरा : सरदार सरोवर बांध हिमाचल प्रदेश में भाखड़ा (226 मीटर) और उत्तर प्रदेश में लखवार (192 मीटर) के बाद भारत में तीसरा सबसे ऊंचा कंक्रीट बांध (163 मीटर) है। गुरुत्वाकर्षण बांधों के लिए शामिल कंक्रीट की मात्रा के संदर्भ में, यह बांध 6.82 मिलियन क्यूबिक मीटर की कुल मात्रा के साथ दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा बांध है; केवल यूएसए में ग्रैंड कूली बांध के बाद सबसे बड़ा है, जिसकी कुल मात्रा 8.0 मिलियन क्यूबिक मीटर है।

नौका विहार : गुजरात राज्य वन विकास निगम लिमिटेड (GSFDC) ने इको–टूरिज्म गतिविधि के एक भाग के रूप में केवड़िया में पंचमुली झील के रूप में जानी जाने वाली डाइक–3 में नाव की सवारी शुरू की है। बाहरी पेशेवर इकाई की मदद से नौका विहार की सुविधा विकसित की गई है। केवड़िया आने वाले पर्यटक इस नाव की सवारी के साथ प्राचीन प्रकृति का आनंद भी ले रहे हैं। प्रत्येक सवारी की कुल अवधि 45 मिनट की है और एक दिन में ऑपरेटर द्वारा आठ सवारी संचालित की जाती हैं। यह सवारी आपको डाइक–4 के पानी में ले जाती है और साथ ही पूरा जल निकाय हरे–भरे जंगलों से घिरा हुआ है। झील के आसपास का पारिस्थितिकी तंत्र वनस्पतियों और जीवों से बहुत समृद्ध है। यह नौका विहार सुविधा पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थान बन गई है। पंचमुली झील निश्चित रूप से आपके परिवार या दोस्तों के साथ घूमने लायक जगह है। जो चीज इसे अलग बनाती है वह है इसका स्थान – एक जंगल के बीच में स्थित। तो मौज–मस्ती करें और खूबसूरत पंचमुली झील में पानी पर अपने समय का आनंद लें!

कैक्टस गार्डन : कैक्टस गार्डन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी साइट पर एक अनोखा वनस्पति उद्यान है, जिसे कैक्टस और रसीले पौधों की एक विशाल विविधता को प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया है, जो अनुकूलन के सच्चे चमत्कार हैं। कैक्टस गार्डन के विकास के पीछे का विचार एक जलीय परिवेश में अच्छी तरह से स्थापित भूमि के बीच रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र का अनुभव प्रदान करना है। 25 एकड़ खुली भूमि पर फैले 450 प्रजातियों के 6 लाख पौधे हैं और गुंबद के अंदर 836 वर्ग मीटर का क्षेत्र है।

एकता नर्सरी : एकता नर्सरी को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के आसपास विकसित किया जा रहा है, जो माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है कि आगंतुक जब वापस लौटें तो उन्हें एकता के पौधे के रूप में पौधे अपने साथ ले जाना चाहिए। लक्षित दस लाख पौधों में से, 0.3 मिलियन पौधे 'बिक्री के लिए तैयार' अवस्था में हैं और शेष 0.7 मिलियन पौधे जल्द ही तैयार होने की संभावना है।

चिल्ड्रन न्यूट्रिशन पार्क : चिल्ड्रन न्यूट्रिशन पार्क भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित और प्रेरित एक अनूठा थीम पार्क है, जिसे केवड़िया एकीकृत विकास के एक भाग के रूप में विकसित किया गया है। यह बच्चों को 'सही पोषण देश रोशन' की थीम पर आधारित स्वस्थ खान–पान की आदतों और पोषण मूल्यों पर उच्च गुणवत्ता वाला मनोरंजन और महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान करता है। पूरा पार्क बच्चों के लाभ के लिए डिज़ाइन और कार्यान्वित किया गया है और अत्याधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है, जो पार्क में आने वाले बच्चों को एक आकर्षक अनुभव देता है।

डिनो ट्रेल : नर्मदा घाटी में हाल ही में की गई खुदाई से पता चला है कि डायनासोर की एक स्थानिक प्रजाति राजसौरस नर्मदेंसिस क्रेटेशियस काल [जिसे 'के–पीरियड' भी कहा जाता है] के दौरान नर्मदा घाटी में मौजूद थी। के–पीरियड जुरासिक काल (145 मिलियन वर्ष पहले) और पैलियोजीन काल (66 मिलियन वर्ष पहले) के बीच फैला था। विशिष्ट सींग वाले स्थानिक डायनासोर की प्रतिकृति बनाई गई है और आगंतुकों के लिए प्रदर्शित की गई है। यह प्रतिकृति अनुमानित मूल आकार से लगभग तीन गुना बड़ी है; इसकी लंबाई 75 फीट और ऊंचाई 25 फीट है। यह आगंतुकों को ग्रह और मानव जाति के विकास की एक झलक प्रदान करता है और इस क्षेत्र के प्राचीन वनस्पतियों और जीवों की संपदा के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने का एक प्रयास है।

जंगल सफ़ारी : दुनिया के विभिन्न जैवभौगोलिक क्षेत्रों से देशी और विदेशी जानवरों और पक्षियों के अनूठे संग्रह वाला एक अत्याधुनिक प्राणी उद्यान, केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा ''स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी'' और ''सरदार सरोवर बांध'' के

पास सुरम्य पहाड़ियों पर स्थित है। यह चिड़ियाघर आपको वन्यजीवों को देखने, पहाड़ियों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने और जीवन भर के मनोरंजक अनुभवों की एक साहसिक और रोमांचक यात्रा पर ले जाएगा।

विश्व वन : विश्व वन एक वैश्विक वन है और प्राकृतिक सौंदर्य प्रदान करता है। विश्व वन (एक वैश्विक वन) सभी 7 महाद्वीपों के मूल निवासी जड़ी–बूटियों, झाड़ियों और पेड़ों का घर है जो वैश्विक संदर्भ में 'जैव–विविधता में एकता' के अंतर्निहित विषय को दर्शाता है। विश्व वन ग्रह में सभी जीवन रूपों के संदर्भ में वनों के जीवन को बनाए रखने वाले तत्व का प्रतीक है। विश्व वन में दुनिया के हर महाद्वीप का प्रतिनिधित्व करने वाली वनस्पतियों का एक विविध संयोजन है। वनस्पति को एक विशेष क्षेत्र के प्राकृतिक वन जैसा दिखने के लिए व्यवस्थित किया गया है।

एकता मॉल : एकता मॉल नाम ही विविधता में एकता का प्रतीक है, जो भारतीय संस्कृति की पहचान है। एकता मॉल में भारत के विभिन्न राज्यों से खोले गए हथकरघा, हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्त्र शोरूम भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए हैं, जो एकता और राष्ट्रीय अखंडता का प्रतीक है। मॉल 35,000 वर्ग फीट क्षेत्र में फैला हुआ है।

यह भारत के पारंपरिक वस्त्रों और हस्तशिल्प की जीवंतता और विविधता में निहित आरामदायक खरीदारी के अनुभव के लिए वन–स्टॉप–शॉप है। 2 मंजिला इमारत में निर्मित, 20 एम्पोरियम चालू किए गए हैं और प्रत्येक एम्पोरियम भारत के एक विशिष्ट राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। यह हस्तशिल्प और हथकरघा की खुदरा बिक्री के लिए सही मंच है, जो हमारे देश में ग्रामीण रोजगार और कारीगर समूहों के सामाजिक विकास का अभिन्न अंग है।

एसओयू स्मारिका दुकान : आगंतुक टोपी, टी–शर्ट, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी प्रतिकृति, पेन, चाबी के छल्ले और नोटबुक के रूप में स्मृति चिन्ह खरीदकर अपनी यात्रा की कई यादें अपने साथ ले जा सकते हैं, जो स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास स्थित स्मारिका दुकान और केवड़िया में कई अन्य स्थानों पर उपलब्ध हैं।

खाने के बिन्दु : एकता फ़ूड कोर्ट : स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी के पास 1617 वर्ग मीटर में फैला एकता फ़ूड कोर्ट बनाया गया है। यह फ़ूड कोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया गया है, जिसमें 650 लोगों के बैठने की क्षमता है। फ़ूड कोर्ट में अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों तरह के बेहतरीन व्यंजन मिलते हैं।

एसओयू फ़ूड कोर्ट : स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी पर 8,000 वर्ग फ़ीट के क्षेत्र में एक नया फ़ूड कोर्ट बनाया जा रहा है। यह फ़ूड कोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है, जिसमें 7 रसोई और 650 लोगों के बैठने की क्षमता है। फ़ूड कोर्ट में अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों तरह के बेहतरीन व्यंजन परोसे जाएँगे।

घूमने का सबसे अच्छा समय यह स्थल पूरे साल खुला रहता है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी मंगलवार से रविवार तक सुबह 8:00 बजे खुलती है और शाम 6:00 बजे बंद हो जाती है। लेजर लाइट और साउंड शो को सोमवार को छोड़कर हर रोज़ शाम 7:30 बजे से देखा जा सकता है। रखरखाव के काम के लिए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सोमवार को बंद रहती है। हमने वहां एक दिन बिताया और रात को होटल में रुके और अगली सुबह हम खूबसूरत पलो को मन में संजोकर वापस घर की ओर चल दिये।

*****

Karnataka 5 A Side Rink Hockey tournament was conducted at Bangalore 2024. Canara Bank Hockey team secured 1st Runner-Up in the tournament.

Ms. Maria Rony (114940) Officer EPC Section, G A Wing, Head Office participated in the Kerala Open State Ranking Table Tennis Tournament at Irinjalakuda, Thrissur, Kerala and emerged as a Winner in Women's Singles & Doubles & 1st Runner-Up in Mixed Doubles.

Canara Bank Hockey team participated in the 13th All India Lakshmi Ammal Hockey Tournament at Kovilpatti, Tamil Nadu. The Bank Hockey team played the Semi-Finals and lost in penalty Shoot Out.

"घड़ा"

मोहम्मद जुहैब
प्रबंधक
केनरा बैंक, अयोध्या

किसी कुम्हार की कल्पना है वो,
कच्ची मिट्टी से बना है वो;
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

किसी की चाक पर घुमा है वो,
गरम भट्टी में देर तक तपा है वो;
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

वैसे तो कितना नादान है वो,
अपनी खूबियों से अनजान है वो;
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

हर छोटे बड़े घर की पहचान वो,
हर गर्मी में आने वाला मेहमान वो;
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

पानी को अमृत समान बनाता है वो,
साथ अपने शीतलता लाता है वो,
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

एक कोने में रखा मर्तबान है वो,
घर की शोभा बढ़ाता गुलदान है वो,
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

तपती गर्मी का एक सहारा है वो,
मानो ठंडे पानी का पिटारा है वो;
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

वैसे तो चंद सिक्को का मोल है वो,
पर सच कहूं तो अनमोल है वो,
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

हल्की ठोकर से टूट जाता है वो,
बिखर के मट्टी में मिल जाता है वो;
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

प्रतिकूल समय में रहो शांत बताता है वो,
जीवन की कितनी बड़ी सीख दे जाता है वो;
सही कहा घड़ा है वो, घड़ा है वो।

*****

The Journey of Uncountable Steps

Nirnjhara Nir
Officer
Patna CO

One step down the lane & the journey began.
With the zephyr, the dried leaves too ran.

A step after a step, and the steps soon went from
ones to tens to uncountable.
It was then unknown, that the journey shall
soon turn into lifelong memories.

At the onset, the road seemed endless,
though there were many hands to hold on to & shoulders
to lean, the obstacles were more & the distance was too long,
The adversities were colossal but the support was strong.

Halfway the course, few struggled, few kept pace,
few got lost & the hands & shoulders diminished in number.
Those who stayed no matter what,
formed the bonds even stronger.

The hindrances were sometimes minimal
but their crossing required endurance.
The steps, though at times baby in size,
the rhythm went on jumping every hedge & fence.

The obstacles now turned manageable,
& the road appeared familiar,
but the humanly touch deteriorated,
And those who were once near, now vanished

The long journey continued
And added a chapter with all enduring deeds,
Also, revealed the masks of those
that only started for their egocentric needs.

Arriving the milestone,
there was a feeling of accomplishment & zeal,
Infinite steps leading almost a roller-coaster ride
making it once in a lifelong deal.

From the many, who started together on the road,
Left were those who really mattered
& when others backed out, they showed.

The accolade was just one feather in the cap
and the journey not yet done,
Because the steps began again,
like after every dawn rises the saviour sun.

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

मैं नदी यह मेरी कहानी

रोहित कुमार
अधिकारी
करीम नगर ।।–शाखा

मैं नदी यह मेरी कहानी मेरे जल को अपने मन की तरह साफ कर दो।
मुझे मां कहकर पुकारने वालों जरा मुझ पर ध्यान दे दो।।

मेरे अपनों ने ही मुझे मैला किया है।
मां बोलकर मुझ पर कूड़े का ढेर रख दिया है।।

मेरे रास्ते मुश्किलों से भर दिए हैं।
कहीं बांध, कहीं नहर कर दिए हैं।।

मेरी खुशियों भरे दिन कहीं खो हो गए।
मुझे फैक्ट्री के केमिकल्स से भर दिए।।

मेरा नाम लेकर ही लोग अपने पाप धो लेते हैं,
लेकिन हर–हर गंगे बोलने से पहले यह याद कर लें,
मेरे जल से हजारों का बसेरा है।
संभल जाओ प्रकृति का आक्रोश बुरा है।।

मेरे जल से बुझती है सैकड़ो की प्यास।
ध्यान रहे कहीं यह बन न जाए एक आस।।

मेरा जल ही करेगा वर्षा अपार।
गर्मी की समस्या से दिलाएगा निजात।।

मेरे जल को अब सब स्वच्छ रखेंगे।
आओ हम सब मिलकर यह प्रण लेंगे।।

THE BLACK SHADOW

Balasubramaniam
Ex - Staff

Tarnished images of today!

Gone and dead the golden yesterday!!

The dusk of peace and ease

And dawn of violence darkens the Scene!!

Shadowy conceptions of power mongers!

Jobless, known, warriors march on for a job!!

Indian farmers, still stricken in poverty

Middle class caught between the devil and deep sea!!

The rich become richer in the `unbridged Gulf'!!

A jostling, jerking, aching, feverish, today!!

Spiritual - bindings recede

The human bonds break day by day

Inhuman acts make us panic indeed

A gloomy state we face with tear-filled eyes!!

The Black Shadow makes us shudder in fear

It envelopes the Earth

We can't make hay while the Sun shines,

We, the helpless spectators set our eyes endless!!

But alas!! the 'Black Shadow' never vanishes!!"

Rann of Kutch – Beauty beyond imagination

Banya Harpal
Officer
CRM Section
Bhubaneshwar CO

Inspired by the TV commercial of Gujarat Tourism, I always wanted to relish the charm of the beautiful Rann Utsav ever since Amitabh Bachchan uttered the magical words – **'Kutch Nahi Dekha Toh Kuch Nahi Dekha'**. It was only after my transfer to Pune, that an exquisite trip to the Rann of Kutch finally became a reality than a distant dream, and this is an excerpt of my extraordinary experience. Being a Banker has literally helped me in living my dreams facilitating me to work all over India and thereby travelling places.

Located in Kutch, Dhordo village is renowned for its rich culture and hospitality. Experiencing "Kutchi, Gujarati style Utsav under White Rann" was always on my to-do bucket list and finally in December 2022 it was time to bring that to life. The Utsav is a carnival of music, dance, nature and the beauty of White Rann where one can experience the luxuries of Tent City and much more. The colourful rich cultural heritage, the well adorned Gujarati folks and their history has always attracted me to explore the landscape. The people, food, culture and especially jalebis and fafdas was something I craved for……ever since I started watching **'Taarak Mehta ka Ooltah Chasmah'**, a popular television show.

Every year the festival is organised during winter season and runs for approximately for 3-4 months starting from November to February. The dates are announced on their official website. So after discussing and researching a lot about the Rann Utsav, I decided to go for it. Two of my friends joined me and we booked tickets for Rann Utsav, flights and train. We had opted for three days two-night package as we were short of time. Please try booking your tickets and finalising dates way before the festival begins and try to book Full Moon stay as that would be a one of a kind experience.

Our Trip started by taking an evening flight from Pune to Ahmedabad and then a late night train from Ahmedabad to Bhuj. Upon our arrival at the Bhuj railway station, we saw a huge tent setup. It was equipped with a waiting hall and rest rooms for the guests of Rann Utsav and also refreshments were provided. Post waiting for about half an hour, we boarded the bus which takes the travellers to the Tent City in Dhordo – located at a distance of approximately 80 kilometres from the Bhuj station. On the way, we stopped at a local village where freshly made Mawa was being sold. It is a regional delicacy and a must try for everyone when in Dhordo.

After almost 2.5 hours, we reached the famous Tent City and I must admit that it transports you to a different world altogether. Post checking-in at the reception, we were taken to our respective clusters that were scattered all over the city (group of 20 tents setup for accommodation) on golf carts embellished with traditional Gujarati handicraft materials. Later, we were given coupons for the entire duration of our stay after lunch. The food was exceptionally good and the quality of the Gujarati cuisine in their buffet system was hygienic, delicious, with an impressive spread.

Post relishing the delicious meal, our next agenda in the itinerary was a Show stopper activity- Witnessing the grandeur of sunset at the salt lands of the Great Rann. In the evening we enjoyed some quick bites of snacks and tea post which we were transferred to the Rann of Kutch on a camel safari which was a funride.

On reaching the Great Rann, all you can see is the never ending land of salt, blue skies with a tinge of red hues. What a beautiful sight it was!!!!!. As the sun started to set, the visual appeal of the place became magical. The views were just magnificent. I just felt like freezing the moment forever. I had never seen something like that or never experienced something so enchanting before. After clicking hundreds of pictures, me and my friends sat there in silence and enjoyed the sunset to our heart's content. One can also try Para motoring or can get clicked in traditional Gujarati attires with a minimal charge.

Around 7pm, we were back at the Tent City and went for dinner straightaway. There was an entertainment show scheduled from 8:30 pm to 10:30 pm where the locals of the village put up a great show for the guests. It was indeed a good way of promoting Kutch's local talent. We thoroughly enjoyed the show along with some shopping from the local artisans. We were tired after the travel and dozed off to sleep.

Next morning after relishing a tummy full of delicious breakfast around 10 am, we headed to tour the Kala Dungar and it was a great experience as it gives the panoramic view of Kutch. It offered amazing views and on the way, we also explored the handicraft village 'Gandhi Nu Gam' which was destroyed in the 2001 earthquake and was rebuilt by the VSF group. People here make their living by selling handicrafts which are priced reasonably and the variety was good to choose from.

In the evening post return from our day trip, we just strolled inside the Tent City, exploring various activities, stalls selling handicrafts and fabrics and ended the day with a heavy delicious dinner at their in-house restaurant. After reaching our tent we packed our bags as we were about to leave next day.

As we were sad that it was the last day of our trip, we still had other things to experience before we could end this beautiful journey. Post breakfast, we bid goodbye to the Great Rann and boarded the bus to Bhuj. On our way, we visited the famous Sri Swami Narayan temple. Later, we were taken to the handicraft village and craft park at Bhujodi where we again enjoyed some more shopping and bought memoirs for our friends and family. Later on, we were dropped at Bhuj Station.

As we reached station early, we had time in our hands to explore the nearby places. So, we booked a taxi and headed towards Mandvi, a beach town in Kutch district and also visited the Laxmi Vilas Palace. We reached the station at around 8 p.m and boarded our train for our journey to Ahmedabad and then an early morning flight for Pune. Though by the end of it we were completely exhausted, the trip was a perfect getaway from my monotonous life and some beautiful memories got etched which I will be holding on forever.

*****

Homage

Shreyas, in homage to Canbank's departed souls, pray that they rest in bliss, in eternal peace.

Death, said Milton, is the golden key that opens the palace of eternity.

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
VENKATESWAR RAO	558675	OFF ASST	MANIKONDA	19-05-2024
EMMADI MASTAN RAO	523967	OFF ASST	GUNTUR BRODIPET	30-05-2024
A K VINOJ	71335	HK CUM OFF ASST	SREEMOOLANAGARAM	31-05-2024
BABU RAM	519063	CSA	MORADABAD GULAB BARI	05-06-2024
TAMILARASAN	69934	SENIOR OFF ASST	TIRUPPUR SPLSD MID CORP BRH	11-06-2024
PARAMESHVARAPPA S	80821	HK CUM OFF ASST	JANAKAL	17-06-2024

कोशिश है ....!!

राखी भार्गव
प्रबंधक
अनंतपुर, क्षेत्रीय कार्यालय

कोशिश है
कुछ पाने की, कुछ खोने की,
उसकी पहचान में खुद को खोजने की

कोशिश है
तेरे करीब आने की, दूर जाने की
भावनाओं के बवंडर में खुद को स्थिर पाने की

कोशिश है
चलने की, रुकने की
चौरस्तों के असमंजस में कोई एक राह चुनने की

कोशिश है
आज जी लेने की, कल को भूलने की,
आज की पहेली में कल के हल को छू लेने की

कोशिश है
उड़ने की, आसमान चूम लेने की
बादलों के घरोंदों में बारिश पी लेने की

कोशिश है
सागर में डूबने की, मज़धारों से जूझने की
रेत में फिसल शंख में समाने की

भोर की गूँज में खुदी को सुन पाने की

कोशिश है बस
रेशम के धागे के गिरह को पकड़ने की

FATHER`S LOVE

Gournika Malhotra
Officer
Delhi Cantonment
Branch

Holding my hand, you taught me how to walk

Balancing on cycle and crossing the road blocks

Answering every repetitive question with calm and patience

Teaching me to hold on to my dreams with guided motivation

Providing me everything before I even ask

I wonder how you always know what's there in my heart

Sacrificing your own desires, you nurtured us so well

Your teaching always saves me whenever I am in trouble

You never expressed your love with words but your care and efforts did

You never gave up on me and always encouraged your little kid

Protecting arms, heart of gold and unconditional love and sacrifice

We look up to you and get amazed by the way you live your life

My Guiding light, the epitome of inspiration and perfection

Whatever I am today is because of you, you are my foundation

The thing that worries me most these days is the fact that you're growing old

I wish I could stop this passing time and bring it to a hold...

Dad, you are my super hero, my idol and role model

Blessed I feel, to have you by my side and to be chosen as your daughter.

Know about your JOINT and BONE health

Bone health: Tips to keep your bones healthy

Bones play a vital role in our body by providing structure, protecting organs, anchoring muscles and storing calcium. While it's important to build strong and healthy bones during childhood and adolescence, you can take steps during adulthood to protect bone health, too.

Why is bone health important?

Bone is a living, growing tissue. When we are young, our body makes new bone faster than it breaks down, thereby increasing the bone mass. Most people reach their peak bone mass around age 30. After that, bone remodelling continues, but we lose more bone mass than we gain.

Osteoporosis is a condition that causes bones to become weak and brittle. It depends on how much bone mass you attain by the time we reach the age of 30 and how rapidly you lose it after that. The higher our peak bone mass, the more bone you have "in the bank" and the less likely we are to develop osteoporosis as we age.

What affects bone health

- **The amount of calcium in your diet.** A diet low in calcium contributes to diminished bone density, early bone loss and an increased risk of fractures.
- **Physical activity.** People who are physically inactive have a higher risk of osteoporosis than do their more-active counterparts.
- **Tobacco and alcohol use.** Research suggests that use of tobacco contributes to weak bones. Similarly, consumption of alcohol may increase the risk of osteoporosis.
- **Gender.** You're at greater risk of osteoporosis if you're a woman, because women have less bone tissue than men.
- **Size.** Risk factor increases for people having extremely thin or a small body frame because the probability of low bone mass is high.
- **Age.** Our bones become thinner and weaker as we age.
- **Family history.** Having a parent who has osteoporosis puts us at greater risk — especially if there is a history of fractures in the family.
- **Hormone levels.** Too much thyroid hormone can cause bone loss. In women, bone loss increases dramatically at menopause. In men, low testosterone levels can cause a loss of bone mass.
- **Eating disorders and other conditions.** Severely restricting food intake /unhealthy eating practices and being underweight weakens bone

What can we do to keep our bones healthy?

- **Include plenty of calcium in the diet.** Good sources of calcium include dairy products, broccoli, ragi, green leafy vegetables, whole cereals, nuts and seeds, drumsticks , fish and meat.
- **Pay attention to vitamin D.** Good sources of vitamin D include oily fish, mushrooms, eggs and fortified foods, such as milk and cereals, are good sources of vitamin D. Sunlight also contributes to the body's production of vitamin D.
- **Include physical activity in your daily routine.** Weight-bearing exercises, such as walking, jogging, and climbing stairs, can help build strong bones and slow bone loss.
- **Avoid substance abuse.** Restrict the intake of alcohol and tobacco.

*****

'A traditional healthy and comfort food'
"Gujarati Khichdi and Kadhi"
- A match made in heaven

Sowmya S
Officer
Trivandrum Specialized
Govt Business Branch

Gujarati cuisine is renowned for its subtle flavours, wholesome ingredients and comforting dishes. Two staples of this cuisine, Kadhi and Khichdi, are a perfect exemplification of this culinary philosophy. These two dishes are often served together creating a harmonious balance of flavours and textures that delight the taste buds. The creamy kadhi complements the fluffy khichdi perfectly , while the tangy yoghurt and spices in the kadhi balance the richness of the lentils and rice in the kichdi. This combination is a staple in many Gujarati households and is often served during special occasions and festivals.

INGREDIENTS : (SERVES 3-4)

FOR KHICHDI :

- ½ Cup Rice,
- ½ tsp Cumin Seeds,
- 4 Cups of Water,
- ½ Cup Green Moong Dal with Skin,
- Salt as Required.
- 1tsp - Ghee,
- ¼ tsp Asafoedita,
- ¼ tsp Turmeric Powder,

FOR KADHI :

- 1 Cup Sour Curd,
- Ginger Chilli Paste (½" Ginger and 2 Green Chillies ground to a paste),
- Water 4 Cups,
- ½ tsp Cumin Seeds
- 1 Cinnamon,
- 2-3 Nos Red Chilli,
- ¼ Methi Seeds,
- Fresh Coriander (chopped),
- ¼ Cup Gram Flour,
- Ghee 2 tbsp,
- ¼ Mustard Seeds,
- 2-3 Nos Cloves,
- ¼ Tsp Asafoetida,
- 1 tbsp Jaggery,
- Salt As Required.

PROCEDURE : KICHDI

- Wash the moong dal and rice well till the water turns clear and soak it for 20-25 minutes.
- Place the pressure cooker on the stove on high flame. Add ghee, Once its melted add the cumin seeds and asafoetida, Allow the cumin seeds to crack. Now, Add the soaked rice and green moong dal mixture to it.
- Fry it well for 1-2 minutes, add 4 cups of water along with salt and turmeric powder stir well. Place the lid of the pressure cooker and cook the Khichdi for 4 whistles over medium flame.

KADHI :

- Combine sour curd, gram flour, ginger chilli paste, and salt in a large bowl. Mix well to form a smooth paste without lumps. Add some water to make it into a liquid consistency (Kadhi).
- Transfer this mixture into a cooking pot and allow it to boil, stirring occasionally
- For the Tadka, take a small frying pan. Add some desi Ghee. Once hot add cumin seeds, mustard seeds, red chilli, asafoetida, methi seeds, cloves and cinnamon and switch off the flame once the flavourful aroma emanates.
- Pour the Tadka in the boiling Kadhi and cover it immediately to seal the aroma. Rest it for atleast a minute so that the flavour of the spices gets infused in the Kadhi.
- Now, remove the lid add crushed jaggery, stir well for 4-5 min in low flame and check for salt. Garnish with coriander leaves and serve hot with the Kichdi.

Nutrition : Calories : 483kcal, Carbhydrates : 77g, Protein : 27 mg, Fat : 10g, Saturated Fat : 6g, Cholesterol : 27mg, Sodium : 1941mg, Potassium : 650mg, Fiber : 16g, Sugar : 7g, Vitamin A : 160.3iu, Calcium : 159mg, Iron : 4.4mg.

Nutrition value: Source: From "Ministry of curry" webpage

*****

The Power of your Sub-conscious Mind

— Dr Joseph Murphey

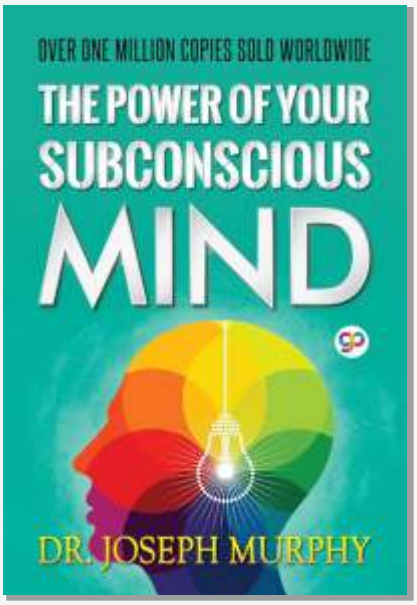

MRP: ₹149 | Pages: 247
Language: English | Genre: Self Help

"The Power of your Sub-conscious Mind" by Joseph Murphey is not an unfamiliar book amongst book buffs. First published in 1963, this is a self-help classic that delves into the wonderous influence that our subconscious mind has in our lives. It might feel quiet surreal to absorb the fact that our lives, the way we live it, the manifestations etc are almost completely in control by us. Our subconscious mind is extremely powerful. So we should use the tool with utmost care. It stores all of our memories, experiences, and skills and can also recall information faster than our conscious mind. Our body functions like breathing, heart rate etc. are controlled by the sub-conscious. Apart from all this, our behaviours, habits, emotional responses, problem-solving ability, creativity, etc. are all majorly dependent on the subconscious mind.

"The Power of your subconcious Mind" talks about the ability of the subconscious to shape our reality through positive thinking and visualisation. The author gives practical techniques and principles that can be applied to various aspects of life such as health, relationships, and career. The book takes us through 20 varied chapters which step by step explains the power, mechanics, miraculous results, positive nature of the subconscious, etc.

It also discusses in brief about historical cases of healing through the power of belief. While it may be a bit difficult to comprehend the entire idea of utilising the sub-conscious, by ourselves, with slow practice, one can master the art of visualisation.

Murphy's principles are grounded in a blend of scientific reasoning and spiritual wisdom, making them accessible and reliable. It also has practical exercises which any layman can make use of and apply. The author has also included real- life stories which would definitely add credibility to the techniques emphasised.

On the critical side, one may feel that the book speaks only about positivity, and that all problems can be solved using positive thinking and visualisation techniques. In reality, we all know that there would be high-times and low-times in life. As a reader, I feel we will be able to navigate our minds to being positive by not lingering much in the low-tides when they occur.

The book can help you have more clarity on your thoughts and then the outcomes of the same. If you are interested in exploring the power of positive thinking and the subconscious, this book is a worthwhile read.

By Winnie Panicker

30 जुलाई 2024 को तिरुप्पुर में आयोजित निर्यातक सम्मेलन में कार्यकारी निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ।

ED Sri Debashish Mukherjee, along with other executives and staff at Exporters Meet held at Tiruppur on 30th July 2024.

बालभारती हाई स्कूल, ओर्वाकल में मेगा एसएचजी आउटरीच कार्यक्रम, जिसमें 3500 से अधिक एसएचजी महिलाएं एकत्रित हुईं और 1000 केनरा एंजल खाते खोलने के लिए हमारे कार्यकारी निदेशक श्री अशोक चंद्र को 50.00 लाख रुपये का चेक सौंपा। श्री सुशांत कुमार, सहायक महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय कर्नूल, श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय तिरुपति, श्रीमती विजयभारती, समाज सुधारक और ओएमपीएलआईएस की मुख्य सलाहकार और श्री आई पी मिथंताया महाप्रबंधक, अंचल प्रमुख, तिरुपति चित्र में नज़र आ रहे हैं।

Mega SHG Outreach programme at Balabharati High school, Orvakal where more than 3500 SHG women gathered and handed over a cheque of ₹50.00 Lakhs to our ED Sri Ashok Chandra for opening 1000 Canara Angel accounts. Sri Sushant Kumar, AGM, RO Kurnool, Sri Ravinder Kumar Agarwal, DGM, CO, Tirupati, Smt Vijayabharati, Social Reformer and Chief Advisor of OMPLIS and Sri I P Mithanthaya, GM, Circle Head, Tirupati are also seen in the picture.

रजिस्ट्रेशन सं./Registration No. 36699/83

Sketch by :

Shreyas S Patgar
S/o Shruthi S Patgar
Officer
SPF and Gratuity section
HO, Bengaluru